ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक बजट सत्र : भाजपा ने राज्यपाल के अभिभाषण को सरासर झूठ ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 04 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-62

तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने की अजीबोगरीब अपील

परिसीमन से बचना है तो ताबड़तोड़ बच्चे पैदा करो

चेन्नई, 03 मार्च (एजेंसियां)।

जनसंख्या के आधार पर होने वाले परिसीमन में लोकसभा सीटों की संख्या कम होने की आशंका से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपना वैचारिक संतुलन खो दिया है। स्टालिन ने तमिलनाडु के लोगों को तुरंत खूब बच्चे पैदा करने की सलाह देनी शुरू कर दी है। जबकि तमिलनाडु समेत पूरे देश में अगले ही साल यानि 2026 में ही परिसीमन होना है। स्टालिन ने कहा, परिवार नियोजन कार्यक्रम में तमिलनाडु का बहुत नुकसान किया है। दूसरी तरफ आरक्षण का फायदा उठाने के लिए तमिलनाडु में हजारों की तादाद में अनुसूचित जाति का फर्जी प्रमाणपत्र बन रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जताई है और कहा है कि फर्जी प्रमाणपत्र मामले में कोई गहरा षडयंत्र है। तमिलनाडु के राज्यपाल ने प्रदेश के लोगों को भाषा और नस्ल भेद का भाव भरने वाले तत्वों से बचने की सलाह दी है।

भारत में अगले साल 2026 को निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन होना है। इसके तहत जनसंख्या के आधार पर लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या और निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा को फिर से निर्धारित किया जाएगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस पर सस्ती राजनीति शुरू कर दी है। स्टालिन को आशंका है कि जनसंख्या के आधार पर होने वाले परिसीमन में तमिलनाडु लोकसभा की सीटें घट जाएंगी। तमिलनाडु में इस समय लोकसभा की 39 सीटें हैं। स्टालिन अपनी आशंका से इतने बेचैन हो गए कि उन्होंने प्रदेश के लोगों से अधिक बच्चे पैदा करने की सलाह देनी शुरू कर दी। जबकि परिसीमन एक साल बाद ही होना है। सीएम स्टालिन ने तमिलनाडु के लोगों से तुरंत बच्चे पैदा करने की अपील और कहा कि इससे अगले साल होने वाले

परिसीमन से संसदीय सीटें घटने की आशंका से बौखलाए सीएम

2026 में होगा परिसीमन, खूब बच्चे पैदा करवाके बचाएंगे सीटें

आरक्षण के लिए बेतहाशा बन रहे हैं एससी के फर्जी प्रमाणपत्र

आर्य एवं द्रविड़ के भेद में न पड़ें तमिलनाडु के लोग: राज्यपाल

जनसंख्या आधारित परिसीमन के प्रभाव का मुकाबला किया जा सकेगा। स्टालिन ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि आप अपना समय लें, बल्कि मैं यह कहूंगा कि आप तुरंत बच्चा पैदा करें। स्टालिन ने कहा, परिवार नियोजन कार्यक्रम ने तमिलनाडु को नुकसान में डाल दिया है। उन्होंने तमिलों को डराते हुए कहा कि जनसंख्या आधारित परिसीमन तमिलनाडु का केंद्र में प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा।

तमिलाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य के लोगों से जल्द से जल्द बच्चे पैदा करने की अपील करते हुए कहा, सफलतापूर्वक जनसंख्या नियंत्रण करने का राज्य को खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। पहले हम कहते थे कि आप आराम से बच्चे पैदा करें, लेकिन अब हालात बदल गए हैं और अब हमें कहना चाहिए कि तुरंत बच्चे पैदा करें। जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो इससे तमिलनाडु में लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है और संसद में राज्य का प्रतिनिधित्व घट सकता है। स्टालिन ने परिसीमन के मुद्दे पर 5 मार्च को सभी पार्टियों की बैठक भी बुलाई है। सीएम ने सभी राजनीतिक दलों से आपसी मतभेद भुलाकर बैठक में शामिल होने की अपील की और कहा कि परिसीमन का मुद्दा तमिलनाडु के लिए बेहद अहम है।

इससे पहले अपने 72वें जन्मदिवस के मौके पर तमिलनाडु सीएम ने अपनी पार्टी के कैडर से अपील करते हुए कहा, आज तमिलनाडु दो अहम चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें से एक है भाषा की लड़ाई, जो हमारी जीवनरेखा है। वहीं दूसरी लड़ाई है परिसीमन की, जो हमारा अधिकार है। मैं आपसे अपील करता हूं कि इस लड़ाई के बारे में लोगों को बताया जाए। परिसीमन का सीधा असर राज्य के आत्म सम्मान, सामाजिक न्याय और लोगों की कल्याणकारी योजनाओं पर होगा। आपको इस संदेश को लोगों तक लेकर जाना होगा ताकि राज्य का हर नागरिक राज्य को बचाने के लिए एकजुट हो सके। ▶10पर

नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ की बैठक में पीएम मोदी ने कहा

वन्यजीवों की हिफाजत में भारत के योगदान पर गर्व है

इसी साल मई में होगी एशियाई शेरों की गणना

प्रोजेक्ट लायन के लिए 2,900 करोड़ रुपए मंजूर

अहमदाबाद, 03 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह घोषणा की कि एशियाई शेरों की गणना इस वर्ष मई में की जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा, वन्यजीवों को बचाने में भारत के योगदान पर मुझे गर्व है। पीएम मोदी ने जूनागढ़ में वन्यजीवों के लिए नेशनल रेफरल सेंटर की आधारशिला रखी। एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। देश के प्रधानमंत्री एनबीडब्ल्यूएल के पदेन अध्यक्ष होते हैं।

केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट लायन के तहत 2,900 करोड़ रुपए से अधिक की राशि मंजूर दी है। इन शेरों का एकमात्र निवास स्थान गुजरात है। वर्तमान में एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। इसके अलावा एक राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोग से बचाव के लिए एक राष्ट्रीय रेफरल केंद्र स्थापित किया जा रहा है। संरक्षण प्रयासों को मजबूत करने के लिए सासण में वन्यजीव निगरानी के लिए उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल भी स्थापित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। उन्होंने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर सोमवार की सुबह गुजरात के जूनागढ़ स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी की। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, प्रदेश के अन्य मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उनके साथ थे। इसके बाद प्रधानमंत्री गिर वन्यजीव अभयारण्य के मुख्यालय सासण गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक की अध्यक्षता करने पहुंचे। बैठक के बाद पीएम मोदी ने गिर नेशनल पार्क की महिला कर्मचारियों से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इस धरती की जैव विविधता और वन्यजीवों को बचाने की जरूरत है। आज विश्व वन्यजीव दिवस के मौके पर हम इस धरती की अतुल्य जैव विविधता के संरक्षण ▶10पर

यूनेस्को की रिपोर्ट

40% आबादी मातृभाषा में पढ़ाई से वंचित

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

दुनिया की 40 फीसदी आबादी अपनी मातृभाषा में पढ़ाई से वंचित है। यूनेस्को की ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जीईएम) एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। इसे अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर जारी किया गया। रिपोर्ट मातृभाषाओं के संरक्षण और उन्हें बढ़ावा देने के कोशिशों को मान्यता देती है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब भारत बहुभाषी

गुलामी में रहे भारत जैसे देशों में मुश्किलें

शिक्षा को बढ़ावा देने वाली नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) लागू कर रहा है। हालांकि, स्कूलों में तीन-भाषा नीति को लेकर कुछ राज्यों में विरोध हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, विभिन्न देशों में मातृभाषा में शिक्षा के लिए उपयुक्त नीतियां नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 3.1 करोड़ विस्थापित युवा भाषाई समस्या से पढ़ाई में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। कुछ गरीब और मध्यम-आय वाले देशों में 90 फीसदी विद्यार्थी अपनी भाषा में पढ़ाई नहीं कर पाते। ▶10पर

भारत-भूटान संबंधों पर बोले भूटान के प्रधानमंत्री

इतने अच्छे रिश्ते पहले कभी नहीं थे

थिम्पू (भूटान), 03 मार्च (एजेंसियां)।

भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने भारत और भूटान के संबंधों पर बड़ी बात कही है। शेरिंग तोबगे ने कहा, भारत और भूटान के बीच आज जितने मैत्रीपूर्ण और घनिष्ठ संबंध हैं, उतने पहले कभी नहीं थे। ये संबंध हमारे नेताओं और भारत के नेताओं के बीच परस्पर सौहार्द और प्रेम पर स्थापित हैं।

भूटान में पर्यटन को लेकर भी प्रधानमंत्री तोबगे ने कहा, हम भारत समेत अन्य सभी देशों के साथ पर्यटन तो चाहते हैं, लेकिन जरूरत से ज्यादा या भीड़ नहीं चाहते हैं। भूटान के पीएम ने कहा कि यह असामान्य भी और हमारे लिए गौरव की बात भी है कि भारत जैसा बड़ा, शक्तिशाली और जटिल देश, एक छोटे पड़ोसी के साथ इतने करीबी संबंध रखता है। एक छोटी आबादी और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी, एक छोटी अर्थव्यवस्था और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसके बावजूद दोनों के बीच अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि बिना किसी संदेह, किसी निहित स्वार्थ के इतने करीबी संबंध रखना, आज की दुनिया में बहुत ही असामान्य है। दुनिया को इसकी और जरूरत है।

पीएम मोदी को लेकर प्रधानमंत्री तोबगे ने कहा, मुझे सौभाग्य मिला कि मुझे 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण के दौरान एक सेवारत प्रधानमंत्री के रूप में आमंत्रित किया गया, और फिर पिछले साल, मुझे उनके तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण के दौरान आमंत्रित किया गया। हमारे बीच बहुत करीबी दोस्ती है। उन्होंने मुझे सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव के उद्घाटन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जो उनके दिमाग की उपज है। कॉन्क्लेव के दौरान भूटान एकमात्र विदेशी प्रतिनिधि था।

भूटान के पीएम ने कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन साथ ही उनसे मुझे मिले स्नेह का मैं आभारी भी हूं। उन्होंने मुझे वास्तव में एक छोटे भाई के रूप में स्वीकार किया है। मैं उन्हें अपना गुरु मानता हूं और उन्हें अपना मार्गदर्शक कहता हूं। भारत की पड़ोसी प्रथम (नेबर फर्स्ट) की नीति पर भूटानी पीएम ने कहा, मैंने वैश्विक नेताओं को यह कहते सुना है कि उनका देश पहले स्थान पर है। मैंने इतिहास में कभी भी दुनिया में कहीं भी इतने बड़े देश के नेता को पड़ोस पहले कहते नहीं सुना। यह एक शानदार अवसर है। मैं अन्य पड़ोसी देशों के लिए नहीं बोल सकता, लेकिन भूटान के लिए, पड़ोसी प्रथम का अर्थ दो देशों के बीच और भी गहरी दोस्ती और भारत से और भी अधिक समर्थन और सहायता है। इसने हमें अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने और अपने विकास लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम बनाया है।

भारत के भूटान में योगदान को लेकर भूटानी पीएम ने कहा, हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था, जल-शक्ति पर आधारित है, और सामाजिक प्रगति के साथ संतुलित रही है। इस भूमिका में, हमें भारत सरकार और भारत के लोगों से मित्रता, समर्थन और सहायता का लाभ मिला है। चाहे वह आर्थिक विकास के मामले में हो, जलविद्युत क्षेत्र में निवेश के मामले में हो या व्यापार के मामले में। पीएम तोबगे ने कहा, हमारा लगभग 80 प्रतिशत व्यापार भारत के साथ है। पर्यटन के लिए भूटान की नीति उच्च मूल्य, कम मात्रा की है, और यद्यपि हमें पर्यटकों की आवश्यकता है, जिनमें भारत से आने वाले पर्यटक भी शामिल हैं, तथापि हम मानते हैं कि हम भूटान को पर्यटकों से भर नहीं सकते।

साइबर ठगी का सनसनीखेज खुलासा

क्लाउड स्पेस के नाम पर ठगे 3500 करोड़

चंडीगढ़, 03 मार्च (एजेंसियां)।

पंजाब में क्लाउड स्पेस के नाम 3,500 करोड़ की साइबर ठगी का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस को महीनों चकमा देने के बाद ठग जोड़े सुखविंदर सिंह खरौर और डिंपल खरौर को पकड़ा गया। फिलहाल, दोनों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में हैं। जालंधर की पीएमएलए अदालत ने पति सुखविंदर सिंह खरौर को 10 दिन और उसकी पत्नी डिंपल खरौर को 5 दिन के ईडी रिमांड में भेज दिया है, जहां उनसे सघन पूछताछ की जा रही है।

खरौर दंपत्ति लोगों को क्लाउड स्पेस खरीदने और उसे वापस लीज पर देने के नाम पर धोखा देता था। इस फर्जी योजना से इन्होंने 3,500 करोड़ रुपए की कमाई की। पिछले महीने ईडी ने उनके ठिकानों पर छापा मारकर 80 करोड़ रुपए की 26 लग्जरी कारें जब्त की थीं। इसके अलावा पंजाब में उनकी 178 करोड़ रुपए की सम्पत्ति भी जब्त की गई। इस जोड़े ने काला धन सफेद करने के लिए कई फर्जी कंपनियां बना रखी थीं। डिंपल के बैंक खातों और उनकी कंपनियों मसलन खारौर फिल्म्स एलएलपी, फ्रूटचैट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और अवनी आईटी इन्फ्रा वेंचर्स लिमिटेड के जरिए पैसे निकाले गए। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,090/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 97,800/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^{0}

न्यूनतम : 23^{0}

अवैध प्रवासियों को ग्रीस से बाहर निकालने की मांग

अब अवैध प्रवासियों को बाहर निकालेंगे हर देश

एथेंस, 03 मार्च (एजेंसियां)।

अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने की अमेरिकी पहल के बाद अब कई अन्य देशों से भी अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने की मुहिम तेज हो गई है। अवैध प्रवासियों की अराजकता से ऊबे हुए ग्रीस के लोगों ने उन्हें तत्काल बाहर निकालने की मांग शुरू कर दी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अवैध प्रवासियों की बढ़ती संख्या से आए दिन समस्याएं पैदा हो रही हैं। उनके लिए संसाधन कम पड़ रहे हैं क्योंकि वे उन्हें ऐसे लोगों से साझा करने पड़ रहे हैं जो देश और देश के लोगों के प्रति दुर्भावना से भरे हैं। इतना ही नहीं, नागरिकों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। प्रदर्शनों की वजह से अब ग्रीस सरकार की स्थिरता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रीस इन दिनों उबल रहा है। उबाल का कारण वही अवैध प्रवासी हैं जिन्होंने

यूरोप में भयंकर अमानवीयता बरपा रखी है। फ्रांस, जर्मनी, नार्वे, ब्रिटेन जैसे देश इस दंश को रोज भुगत रहे हैं, लेकिन इसे रोकने के प्रयास भी कर रहे हैं तो वह आधे-अधूरे मन से। इन देशों के नागरिक अब भर चुके हैं इनकी अराजकता देखकर। सीरिया, पश्चिम एशिया और पाकिस्तान से आकर उक्त देशों में कानूनों को ताक पर रखकर शरिया की मांग कर रहे हैं। ग्रीस भी अब ऐसे ही विरोध प्रदशनों का साक्षी बन रहा है। हाल के दिनों में ग्रीस में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरकर सरकार को झकझोर रहे हैं। वे मांग कर रहे हैं कि बस, बहुत हुआ, सरकार आप्रवासन नीति में सुधार करे। नागरिक इस बारे में ग्रीस सरकार के नरम रवैये से गुस्साए हुए हैं। ग्रीस की आप्रवासन नीति ने पिछले कुछ वर्षों में कई विरोधाभासों को जन्म दिया है। मुख्य विरोधाभास यह है कि सरकार ने प्रवासियों को शरण देने की नीति अपनाई हुई है। ▶10पर

50 लाख लेकर 80 भारतीयों को भेजा कनाडा-नीदरलैंड

मुंबई, 03 मार्च (एजेंसियां)।

मुंबई पुलिस ने आव्रजन प्रणाली में खामियों का फायदा उठाकर मानव तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। साथ ही मुख्य आरोपी रोशन भास्कर दुधवाडकर को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, दुधवाडकर और उसके साथी राजेश पंचाल ने जाली यात्रा दस्तावेजों का इस्तेमाल करके 80 भारतीय नागरिकों को कनाडा, नीदरलैंड, तुर्की और पोलैंड जैसे देशों में अवैध रूप से भेजने में मदद की। मुंबई पुलिस को 28 फरवरी को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफपीआरओ) के माध्यम से दुधवाडकर की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। मुंबई पुलिस की टीम ने हवाई अड्डे पर दुधवाडकर को हिरासत में लिया। वह अंधेरी पूर्व में रहता है। जांच में पता चला है कि राजेश पंचाल जाली पासपोर्ट और वीजा बनाने का काम करता था ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला के अंतर्गत मेक योर मार्क का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में व्यक्तित्व विकास कार्यशाला के अंतर्गत मेक योर मार्क का शुभारंभ अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा किया गया।

सामुहिक नवकार मंत्र के मंत्रोच्चार के पश्चात विजय स्वर संगम टीम द्वारा विजय गीत का संगान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया और पधारे हुए सभी का स्वागत किया। पवन ने अभातेयुप के इस सत्र 23- 25 की विजयनगर द्वारा भारत की प्रथम मेक योर मार्क कार्यशाला आयोजित करने हेतु बधाई संप्रेषित की।

तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए मेक योर मार्क कार्यशाला की खूबियों को बताते हुए सभी का अभिनंदन किया। अभातेयुप अभूतपूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, परिषद् प्रभारी रोहित कोठारी, तेरापंथी सभा उपाध्यक्ष भंवरलाल मांडोत एवं महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया ने शुभकामनाएं संप्रेषित की।

मुख्य प्रशिक्षक अरविंद मांडोत ने तीन अलग-अलग सत्र में प्रतिभागियों को आत्मविश्वास, सतत अभ्यास कोशिश करते रहना, समय पाबंदता, निर्णय लेने की क्षमता का विकास, कम्युनिकेशन, टीम वर्क, मोटिवेशन, नेतृत्व क्षमता के विकास, व्यक्तिगत छाप छोड़ने हेतु अनेक बिंदुओं को विस्तार से समझाते हुए दैनिक उपयोगी सूत्र और गुर सिखाये। प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

कार्यक्रम के समापन में सभी प्रतिभागियों ने प्रण लिया कि वह आगामी जीवन में बताए गए समाधान पर अमल करते हुए अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन करेंगे और साथ ही अपनी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए रचनात्मक कार्य करेंगे। तेयुप विजयनगर प्रबंध मंडल की टीम द्वारा अभातेयुप टीम, मुख्य प्रशिक्षक अरविंद मांडोत, कार्यक्रम के सहयोगी परिवार स्व. मोतीलाल सिपानी की स्मृति में घेवरी देवी, हेमचंद्र, हरीश सिपानी परिवार रतनगढ़ - बेंगलूरु का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में 35 से अधिक लोगों ने अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। कार्यशाला को सफल बनाने में संयोजक विनीत गांधी एवं कैलाश नंगावत का अथक श्रम रहा। इस अवसर पर अभातेयुप परिवार से दिनेश मरोठी, अमित दक, परिषद् पूर्व अध्यक्ष महेंद्र टेबा, श्रेयांस गोलछा, तेयुप विजयनगर से उपाध्यक्ष विकास बांठिया, अशोक मारू, मंत्री संजय भटेवरा, निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा, परिषद् कार्यकारिणी एवं सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन सह मंत्री पवन बैद ने किया।

ब्रह्मलीन संत माधवदास का 12वां निर्वाण दिवस मनाया

गाय के बिना गति नहीं और वेद बिना मति नहीं: साध्वी श्रद्धा गोपाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के आराध्य ब्रह्मलीन संत माधवदास महाराज की बारहवीं पुण्यतिथि माधव सेवा समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में राजाजी नगर स्थित श्री जैन रत्न हितैषी भवन में रविवार को राजस्थान से आई विद्वान साध्वी श्रद्धा गोपाल सरस्वती दीदी की पावन निश्रा में मनाई गई। 12वें निर्वाण दिवस पर सुबह विधि विधान पूर्वक ब्रह्मलीन संत माधवदास के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं गुरुपद पूजन किया गया। गौभक्त साध्वी श्रद्धा गोपाल सरस्वती ने अपने प्रवचनों में गाय की महिमा को बताते हुए कहा कि जैसे गौ सेवा के बिना मानवमात्र की गति नहीं वैसे वेदों के ज्ञान के बिना मति संभव नहीं है। प्रवचनों के पश्चात महाप्रसादी का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक पुरुषोत्तम एन. सी.आई.डी. बेंगलूरु ने शिरकत कर गुरुजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें मोइनुद्दीन मनचला एवं मशरूम मनचला एवं पार्टी जोधपुर ने एक से बढ़कर एक लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। भजन संध्या का आगाज भजन सम्राट मशरूम मनचला ने गणपति वंदना, गुरु वंदना, गुरु महिमा आदि भजनों से किया। साथ ही लोकप्रिय कलाकार मनचला बंधुओं ने अपनी जुगलबंदी में अपने लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति पर श्रोताओं को भावविभोर कर देर शाम तक बांधे रखा। समारोह में बोली दाताओं का बहुमान किया गया। कार्यक्रम का संचालन शैलेश देवेरा ने किया। इस अवसर पर रमेश शर्मा, शैलेश दवेरा, त्रिभुवन शर्मा, उमेश, जयंतीलाल, कमलेश शर्मा, मुकेश शर्मा, भरत, ललित, गौतम शर्मा, प्रवीण शर्मा, दिनेश शर्मा, अरुण शर्मा, प्रमोद शर्मा सहित माधव सेवा समिति के समस्त कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर का अवलोकन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर, अडुगोड़ी में मुनि मोहजीत कुमार जी, मुनि भव्य कुमार जी एवं मुनि जयेश कुमार जी ने आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर का अवलोकन किया। मुनि श्री को बताया गया कि आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु के तहत नो प्रॉफिट, नो लॉस के सिद्धांत पर कार्य करता है, जहां समाज के सभी वर्गों के लिए सस्ती दरों पर रक्त परीक्षण एवं दंत चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। यहां नवीनतम मशीनरी का उपयोग कर रक्त परीक्षण एवं दंत चिकित्सा किये जाते है, जो बाजार मूल्य से लगभग आधी दर पर किया जाता है। तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु के परामर्शक जितेन्द्र घोषल, परिषद सदस्य सुधीर पोखरणा, मनोज पोखरणा, ललित चोपड़ा, संदीप सुखानी, दीपक सुराणा और अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

जेबीएन वी. कनेक्ट वुमन बिजनेस रेफरल ग्रुप की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु नॉर्थ के राजाजीनगर स्थित जीतो ऑफिस में हाल ही में जे.बी.एन वी. कनेक्ट की तीसरी कार्यकाल की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जे.एल.डब्ल्यू चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने की। बैठक की मुख्य वक्ता रिंकू एम. भंसाली थी, जो एपेक्स स्वयं में सह-संयोजक हैं। उन्होंने सदस्यों को स्वॉट विश्लेषण करवाकर आत्म-विश्लेषण का अवसर दिया और बताया कि हमारी क्षमताएं, कमजोरियां, अवसर और चुनौतियां क्या हैं। उनकी प्रेरणादायक पंक्ति ''हीरा दिखने की भीख नहीं मांगता, यह अपने आप में चमकता है, सभी सदस्यों के लिए मार्गदर्शक रही। उन्होंने लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान प्रज्ञा सेठी ने एधा हीलिंग के अंतर्गत अंक ज्योतिष और टैरो कार्ड रीडिंग की उपयोगिता पर 8 मिनट की प्रस्तुति दी। वहीं, शैक्षणिक स्लॉट में अंजना जैन ने विशिष्ट पूछताछ के महत्व को समझाते हुए सही क्लाइंट तक पहुँचने की रणनीति पर चर्चा की। बैठक का संचालन रेफरल प्रमुख सीमा शाह, रेफरल लीड मीना जैन और रेफरल सचिव लीला पितालिया ने किया। साथ ही, कोषाध्यक्ष एवं जे.बी.एन कन्वीनर तनुजा मेहता और सहमंत्री मीना बडेरा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने बैठक को और प्रभावशाली बनाया। सभी जे.बी.एन सदस्यों को 30 सेकंड की पिच साझा करने का अवसर मिला, जिसमें पूर्वी जसानी को बेस्ट 30 सेकंड पिच के लिए सम्मानित किया गया। मीनू जैन को सबसे ज्यादा बिजनेस देने के लिए और प्रज्ञा सेठी को समय पर मौजूदगी के लिए डोर प्राइज दिया गया। इस सत्र ने समूह के भीतर उपयोगी व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने और व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को और प्रोत्साहित किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आरटी नगर बिहार भवन में सखी बहिनपा द्वारा होली मिलन कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यकारिणी टीम द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। अतिथि कलाकार द्वारा जय जय भैरवी गीत से प्रोग्राम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मैथिली लोक नृत्य और गीत रहा। कलाकार सखी और अतिथि का सम्मान सखी बहिनपा की प्रभारी अमिता झा और सलाहकार हीरा झा द्वारा किया गया। होली स्पेशल पकवान और भोजन की व्यवस्था भी की गई।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** राधा सुरभि गौ मंदिर राष्ट्रीय गौ सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा राज्य में जन-जन को गौ सेवा के लिए प्रेरित करने एवं गौ रक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गौ सेवा गतिविधि कर्नाटक नंदी रथ यात्रा का कार्यक्रम पिछले 60 दिनों से चल रहा है। इसी के तहत शनिवार को शांति नगर मैदान में आयोजित समारोह में जन समूह को समारोह अध्यक्ष महेंद्र मुणोत ने गौ सेवा के लिए प्रेरित किया।*

जीतो दुबई और जीतो मध्य पूर्व जोन के साथ वैश्विक व्यावसायिक साझेदारी पर बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर ने जीतो इंटरनेशनल और अपनी सिस्टर चैप्टर, जीतो दुबई और मध्य पूर्व क्षेत्र के साथ मिलकर वैश्विक व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा देने पर एक संयुक्त व्यावसायिक बैठक का सफलता-पूर्वक आयोजन किया, जो बेंगलूरु के चामराजपेट में स्थित जीतो कार्यालय में हुई। बैठक नवकार मंत्र के जाप से शुरू हुई। जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने जीतो दुबई के चेयरमैन और उनकी टीम, जीतो मध्य पूर्व के जोन चेयरमैन बीरेन जसानी और जीतो बेंगलूरु साउथ के बोर्ड सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य जीतो बेंगलूरु साउथ और जीतो दुबई और मध्य पूर्व क्षेत्र के सदस्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना, व्यावसायिक विचारों का आदान-प्रदान करना और परस्पर लाभकारी अवसरों का अन्वेषण करना था। उन्होंने मध्य पूर्व में व्यावसायिक संभावनाओं की व्यापकता पर प्रकाश डाला और जीतो दुबई के समर्थन के लिए बहन चैप्टर के रूप में आभार व्यक्त किया। जीतो इंटरनेशनल के चेयरमैन महावीर मेहता ने बैठक के संदर्भ को स्थापित करते हुए बहन चैप्टर्स के बीच संबंधों और सहयोग के महत्व पर जोर दिया, जिससे उनके सदस्यों के लाभ के लिए परस्पर सहयोग और विकास को बढ़ावा मिले। जीतो दुबई के चेयरमैन मुकेश वोरा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जीतो बेंगलूरु साउथ और जीतो दुबई के बीच सहयोग अपने सदस्यों के विकास के लिए नेटवर्किंग, बॉन्डिंग और सहयोग को मजबूत करने का उद्देश्य रखता है। दुबई में आगामी जीतो बिजनेस हब की घोषणा की गई, जो जीतो बिजनेस बे से य जेएलटी क्षेत्र में 12000 वर्ग फुट में फैला होगा, जो एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है। यह हब व्यवसायों को अपने कार्यालय स्थापित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा और जीतो दुबई कार्यालय को भी घर करेगा। उन्होंने जीतो बेंगलूरु साउथ को दुबई में व्यावसायिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया, जीतो दुबई सभी लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं का ध्यान रखेगा। उन्होंने यह भी बताया कि जीतो दुबई के 1000 से अधिक सदस्य हैं। जीतो मध्य पूर्व के जोन चेयरमैन बीरेन जसानी ने दुबई और मध्य पूर्व क्षेत्र के संभावित व्यावसायिक भागीदारों के साथ नए व्यावसायिक संबंधों और साझेदारी की स्थापना पर चर्चा की। उन्होंने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहित विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों का अन्वेषण किया। जीतो दुबई के उपाध्यक्ष विपिन मलू ने कहा कि दुबई एक अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक केंद्र है, जो वैश्विक व्यावसायिक समुदाय से जुड़ने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित है। उन्होंने घोषणा की कि जीतो दुबई अप्रैल में जेबीएन ऑन विंग्स की मेजबानी करेगा और जीतो बेंगलूरु साउथ के सदस्यों को इस कार्यक्रम में उद्यमियों के प्रतिनिधिमंडल भेजने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम पर भी प्रकाश डाला और सदस्यों से इस पहल के लिए छात्रों को पंजीकृत करने का अनुरोध किया।

इनकी रही उपस्थिति

बैठक का समापन फ्री व्यापार क्षेत्रों में अवसरों का अन्वेषण, दुबई और मध्य पूर्व क्षेत्र में सामान और सेवाओं के निर्यात की संभावनाओं, प्रमुख निर्णय लेने वालों के साथ नेटवर्किंग के अवसरों और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान और ज्ञान साझा करने पर चर्चा के साथ हुआ। मुख्य सचिव नितिन लुनिया ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया, दुबई और मध्य पूर्व में व्यावसायिक अवसरों पर अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए दुबई की टीम को धन्यवाद दिया। बैठक में जीतो दुबई के सदस्य संजीव जैन, तेजस, जीतो बेंगलूरु के उप चेयरमैन राजकुमार कोठारी व महेंद्र रांका, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, सह कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाड़िया व नरेंद्र संकलेचा, सचिव कोमल भंडारी व प्रतीक गांधी और जीतो बेंगलूरु साउथ के प्रबंध समिति के सदस्य उपस्थित थे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** आदिनाथ जैन श्वे. मूर्तिपूजक ट्रस्ट एवं श्री अखिल भारतीय मूर्तिपूजक युवक महा संघ के सदस्यों ने अध्यक्ष मनोज बाफना के नेतृत्व में कुलदीप कुमार जैन आईपीएस जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस बेंगलूरु से शिष्टाचार मुलाकात कर श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम के तत्वावधान में मरुधर रत्न आचार्य श्री रत्नाकर सूरीश्वरजी एवं आचार्य श्री रत्नसंचय सूरीश्वर जी की निश्रा में श्री केसरिया आदिनाथ जिनालय की अंजनशलाका प्रतिष्ठा निमित्त भव्य नव्हाणिका सह पंचकल्याणक महामहोत्सव, जो 9 मार्च से 17 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाएगा, की सम्पूर्ण जानकारी देकर प्रतिष्ठा में आने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर मनोज बाफना, कैलाश संखलेचा, जिनेश मेहता, आशीष बाफना, अशोक छाजेड़ आदि लोग उपस्थित थे।*

उत्तर प्रदेश के एक व्यक्ति ने मेंगलूरु में आत्महत्या की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां उत्तर प्रदेश के एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली, उसने आरोप लगाया कि सीआईएसएफ की एक महिला अधिकारी ने उसका शोषण किया। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के अभिषेक सिंह (40) के रूप में हुई है, जो शहर के राव एंड राव सर्किल के पास एक लॉज में लटका हुआ पाया गया। यह कदम उठाने से पहले अभिषेक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने अपनी आपबीती शेयर की। चेन्नई की एक निजी कंपनी में कार्यरत अभिषेक अपने सहकर्मियों के साथ एक प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए मेंगलूरु गया था। वीडियो में अभिषेक ने सीआईएसएफ की सहायक कमांडेंट मोनिका सिहाग पर धोखे का आरोप लगाया। उसने आरोप लगाया कि शादीशुदा होने के बावजूद मोनिका ने अपनी वैवाहिक स्थिति छिपाई और उसके साथ संबंध बनाए। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अभिषेक की मौत से जुड़े आरोपों और परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। आगे की जानकारी का इंतजार है।

डिजाइन जिनी नामक कैनवा आर्ट कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो द्वारा डिजाइन जिनी नामक विशेष कैनवा आर्ट प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस सत्र का नेतृत्व जाने-माने डिजाइनर विशेषज्ञ कैलाश नंगावत ने किया, जिसमें उन्होंने प्रतिभागियों को कैनवा के उपयोग से ग्राफिक डिजाइन की बारीकियाँ समझाई। अध्यक्ष जेसी सुनील मेहर ने प्रतिभागियों एवं मेहमानों का स्वागत किया। इस आयोजन को सफल बनाने में इंडिविजुअल डेवलपमेंट उपाध्यक्ष रौनक नागोरी के नेतृत्व में समन्वयक राकेश मारू और संयोजक नीतू टेबा की अहम भूमिका रही। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को कैनवा के विभिन्न टूल्स, ग्राफिक डिजाइन के आधुनिक तकनीकों और व्यावसायिक दृष्टिकोण से इसके उपयोग पर मार्गदर्शन दिया गया। इस पहल का उद्देश्य डिजाइनिंग स्किल्स को बढ़ावा देना और डिजिटल युग में नए अवसरों का सृजन करना था। इस अवसर पर जेसीआई पूर्व अध्यक्ष रतन कटारिया, भरत हंसराज, महिला विंग अध्यक्ष ममता मेहता, उपाध्यक्ष मनीष मेहता, श्वेता राखेचा, मोनिका की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सचिव दीपिका जैन ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

राज्य विधानमंडल का संयुक्त सत्र शुरू

कर्नाटक सरकार ने गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन पर

कई भविष्यवाणियों को गलत साबित किया: राज्यपाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने विभिन्न मोर्चों पर राज्य सरकार के प्रभावशाली प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि प्रशासन ने कई भविष्यवाणियों को गलत साबित कर दिया है कि महत्वाकांक्षी 'गारंटी' योजनाओं के क्रियान्वयन के कारण कर्नाटक विकास में पिछड़ जाएगा और वित्तीय प्रणाली खराब हो जाएगी।

राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार विकास का एक अनूठा मॉडल विकसित कर रही है, जिसका अध्ययन दुनिया भर के अर्थशास्त्री और विश्वविद्यालय कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन के कारण असमानता की गंभीरता कम हो रही है। सरकार ने भविष्यवाणी को गलत साबित कर दिया है। राज्य ने हर क्षेत्र में अच्छी उपलब्धियां दर्ज की हैं। राज्य की आय बढ़ रही है। राज्य में रिकॉर्ड संख्या में निजी पूंजी आ रही है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि विकास का कर्नाटक

मॉडल आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक शासन के लिए जन-केंद्रित दृष्टिकोण बनाने पर केंद्रित है।

सरकार विकास का एक अनूठा मॉडल तैयार कर रही है। विकास के कर्नाटक मॉडल का मतलब है जन-केंद्रित आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक शासन बनाना। उन्होंने कहा कि इसमें हरित ऊर्जा और महिला सशक्तिकरण भी शामिल है। इस बात की ओर इशारा करते हुए कि कर्नाटक मॉडल का वैश्विक विशेषज्ञों द्वारा व्यापक रूप से अध्ययन किया जा रहा है, राज्यपाल ने कहा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने अपने मानवाधिकार हब ब्लॉग में इस मॉडल को 'अंधेरे में प्रकाश' और 'विश्व के लिए एक खाका' के रूप में वर्णित किया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने इस मॉडल के बारे में जानने के लिए व्यक्तिगत रूप से राज्य का दौरा किया और हमारे कार्यक्रमों की खुले तौर पर प्रशंसा की।

इस बात पर ध्यान दिलाते हुए कि भारी बारिश और सूखे की अनुपस्थिति के कारण किसानों को अच्छी फसल मिली है, गहलोत ने कहा कि खरीफ और रबी सीजन में कृषि उत्पादन 149 लाख टन तक पहुंचने की उम्मीद है। सरकार द्वारा शुरू किए गए कल्याणकारी कार्यक्रमों के कारण राज्य में किसान परिवारों में आत्महत्या की संख्या में काफी कमी आई है। इस बात पर जोर देते हुए कि कल्याणकारी कार्यक्रमों पर साल-ाना 90,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं, राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण योजन-ाओं, सब्सिडी और प्रोत्साहनों से 1.25 करोड़ से अधिक परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। कर्नाटक को 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए व्यापक और प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य अपने 2024-25 के बजट का 15.01 प्रतिशत पूंजीगत व्यय पर खर्च कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तीन तिमाहियों में राज्य का राजस्व संग्रह 1,81,908 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। दिसंबर 2024 के अंत तक राजस्व प्राप्तियों में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि जीएसटी संग्रह में साल-दर-साल 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

राज्यपाल को मुख्यमंत्री के लिए कुछ देर करना पड़ा इंतजार

विपक्ष ने उठाए सवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करने विधानसभा भवन पहुंचे राज्यपाल थावर चंद गहलोत को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के लिए कुछ देर इंतजार करना पड़ा। भाजपा विधायक चन्नबसप्पा ने राज्यपाल को मुख्यमंत्री का इंतजार करते देखा तो आपत्ति जताते हुए कहा कि वह उनका अपमान कर रहे हैं।

जवाब में कांग्रेस सदस्यों का कहना है कि इसमें कोई मानवता नहीं है। उन्होंने जवाब दिया कि सब कुछ राजनीति है। इस दौरान आपसी आरोप-प्रत्यारोप भी सुनने को मिले। इसी बीच मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सदन में आये। मुख्यमंत्री, जिन्होंने विधान सौधा के सामने राज्यपाल का स्वागत किया, घुटने की समस्या के कारण जुलूस में भाग लेने के बजाय व्हीलचेयर पर सदन में प्रवेश करने में देरी कर गए। इससे पहले, राज्यपाल थावर चंद गहलोत का विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर, विधान परिषद के सभापति बसवराज होराट्टी, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, कानून मंत्री एच.के. पाटिल और दोनों सदनों के सचिवों ने विधानसभा के समक्ष स्वागत किया। राज्यपाल को विधान सौधा के सामने की विशाल सीढ़ियों पर पुलिस बैंड के साथ लाल कालीन पर भव्य जुलूस के साथ विधानसभा भवन लाया गया। राज्यपाल के अध्यक्ष के आसन के पास पहुंचते ही संयुक्त सत्र की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। जब राज्यपाल ने हिंदी में अपना भाषण पढ़ना शुरू किया तो सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य चुपचाप सुनते रहे।

कर्नाटक बजट सत्र : भाजपा ने राज्यपाल के अभिभाषण को सरासर झूठ बताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत के सोमवार को कर्नाटक विधानसभा में दिए गए पारंपरिक अभिभाषण की आलोचना करते हुए इसे 'सरासर झूठ' बताया। पार्टी ने दावा किया कि कर्नाटक में विकास 'ठप' हो गया है, लेकिन सरकार द्वारा तैयार किए गए अभिभाषण में कहा गया है कि राज्य प्रगति के पथ पर अग्रसर है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने यहां संवाददाताओं से कहा यदि आप राज्यपाल के अभिभाषण को सुनेंगे (तो आपको पता चलेगा) कि इस सरकार ने राज्यपाल का समय बर्बाद किया है। राज्यपाल के अभिभाषण की शुरुआत इस बात से होती है कि राज्य सरकार राज्य में तेजी से विकास सुनिश्चित करने में सफल रही है। सरकार ने राज्यपाल के अभिभाषण को सरासर झूठ बना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाषण में विकास से संबंधित कुछ भी नहीं था। विजयेंद्र ने कहा विकास के मामले में सरकार की कार्यप्रणाली ढीली पड़ गई है, जो राज्यपाल के भाषण में झलकती

है। उनके अनुसार, सरकार ने पशुपालन क्षेत्र के लिए प्रोत्साहन का प्रस्ताव रखा है, हालांकि उसने डेयरी किसानों को मिलने वाले हजारों करोड़ रुपये अभी तक वितरित नहीं किए हैं। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि सरकार ने कहा है कि उसने क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के लिए 90,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया है कि कितना खर्च किया गया। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा यह एक शून्य सरकार है क्योंकि राज्य में शून्य विकास हुआ है। अशोक ने कहा पिछले दो वर्षों में क्या विकास हुआ है? उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि कांग्रेस के विधायक भरे पड़े हैं। राजभवन और राज्यसभा के प्रति अनादर दिखाते हुए उन्होंने बार-बार उनका अपमान किया। अस्पतालों में विजिटिंग शुल्क बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा था कि विकास हमारा मूल मंत्र है।

एससीएसटी के 145 करोड़ रुपए लूटे हैं। उन्होंने अपने विकास कोष को लूट लिया है। उन्होंने इस तथ्य की आलोचना की कि मौजूदा सड़कें गड्ढों से भरी हुई हैं, जैसे कि बेंगलूरु रोड के लिए इनकी लागत 1000 करोड़ रुपये है। इसे राजस्व विभाग का स्वर्ण युग कहा जाता है। उन्होंने कहा अनुबंध पर हस्ताक्षर करें और भुगतान करें। सिंचाई उच्च प्राथमिकता है। मुझे यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि उन्होंने कहां और कौन सा बांध बनाया, ऐसा लगता है जैसे 19 महीनों में कुछ भी नहीं हुआ। बीदर में बैंक लूट के अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है, जबकि मैसूरु में वे पुलिस थाने पर हमला कर रहे हैं और लंबी तलवारे लेकर घूम रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद वे इसे पारदर्शी शासन कहते हैं। लूट का क्या मतलब है? यह पारदर्शी है। उन्होंने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि 19 महीनों में कितनी लूट हुई है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी ने कहा कि सरकार राज्यपाल के अधिकार छीनने पर उतर आई है। वे राज्यपाल के सम्मान को धूमिल करने पर तुले हुए थे। अब उन्होंने अपने ही मुंह से झूठ बोला है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के कल्याण के लिए 5000 करोड़ रुपये दिये जायेंगे। इससे पहले 2500 करोड़ रुपये दिये जा चुके हैं। मुझे नहीं मालूम कि वह कहां गया। अब वे कहते हैं कि उन्होंने 5000 करोड़ रुपये दिए हैं, लेकिन 11 हजार परियोजनाओं की मंजूरी कहां है? उन्होंने पूछा कि पैसा कहां जारी किया गया। राज्यपाल ने केवल झूठ बोला है। मोदी ने 5 किलो चावल वितरित किया है। छह-सात महीने से लोगों तक पैसा नहीं पहुंचा है और 2,000 करोड़ रुपए का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। उन्होंने इस बात पर असंतोष जताया कि उन्हें छह महीने से पैसा नहीं मिला है और झूठ बोलकर सरकार चला रहे हैं। विधायक हरीश पूंजा ने कहा राज्यपाल के भाषण में समुद्र तट का कोई जिक्र नहीं है। मुझे नहीं पता कि इसमें समुद्र तट है या नहीं। दक्षिण कन्नड़ उडुपी में कोई विकास नहीं हुआ है। आप तटीय जिलों की उपेक्षा क्यों कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। राज्यपाल के अभिभाषण का विरोध हो रहा है। मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करता हूं कि दक्षिण कन्नड़ और उडुपी को बजट का अभिन्न अंग बनाये रखा जाना चाहिए।

मोइली की टिप्पणी उनकी निजी राय, आलाकमान का फैसला अंतिम: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बारे में कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली की टिप्पणी का जवाब दिया। खड़गे ने डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने की अटकलों को और कम करते हुए कहा कि न तो शिवकुमार और न ही किसी और ने दावा किया है कि वह आज या कल बागडोर संभालेंगे। न तो मोइली और न ही किसी और ने कहा कि डीके शिवकुमार आज या कल सीएम बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक दिन उन्हें उनकी कड़ी मेहनत का इनाम मिलेगा। आलाकमान इसका फैसला करेगा। अगर मैं मीडिया के सामने ऐसा कहता हूं, तो क्या ऐसा होगा? हमारी जिम्मेदारियां बहुत स्पष्ट हैं। सिद्धरामैया सीएम हैं, और डीके शिवकुमार उपमुख्यमंत्री हैं। मैं चाह सकता हूं कि एक दिन कोई सीएम बने। अगर वे कड़ी मेहनत करते हैं, तो उन्हें कल पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने जो भी कहा वह उनकी राय है। मंत्री संतोष लाड ने कहा अगर मोइली ने ऐसा बयान दिया है, तो आपको उनसे पूछना चाहिए क्योंकि हम हमेशा हाईकमान की नीति का पालन

करते हैं। हाईकमान जो भी कहता है, वह हमारे लिए अंतिम है। यह उनकी राय है, हाईकमान की राय नहीं। इससे पहले रविवार को कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली ने डीके शिवकुमार के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा था कि उनका मुख्यमंत्री बनना तय है। डीके शिवकुमार ने अच्छा नेतृत्व दिया है। आपने पार्टी को खड़ा किया है। लोग बयान दे रहे हैं, लेकिन आपको सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। इस बारे में उत्तेजित होने की कोई जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री बनना कोई तोहफा नहीं है। यह कुछ ऐसा है जो उन्होंने कड़ी मेहनत से कमाया है। इससे पहले, डीके शिवकुमार ने उन रिपोर्टों को ''झूठा प्रचार'' करार दिया था, जिसमें कहा गया था कि वह भाजपा के करीब जा रहे हैं, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह जन्मजात कांग्रेसी हैं। शिवकुमार ने अपने सदाशिवनगर स्थित आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा मैं एक कांग्रेसी के रूप में पैदा हुआ हूं और मैं इस बात को संजो कर रखता हूं। यह गुमराह किया जा रहा है कि मैं भाजपा के करीब जा रहा हूं, जो मेरे खिलाफ एक झूठी साजिश है।

राज्यपाल की शक्तियों को कम करने का मामला

भाजपा-जद(एस) ने सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी भाजपा और जद(एस) ने सोमवार को कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि वह राज्यपाल की शक्तियों को कम करने का प्रयास कर रही है। हाथ में तख्तियां और पोस्टर लेकर विपक्षी नेताओं ने सोमवार को विधानमंडल के सदन से विधान सौधा तक मार्च निकाला। यह विधानसभा सत्र की शुरुआत के साथ ही हुआ, जो 21 मार्च तक चलेगा। सदस्यों ने कर्नाटक में विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल की भूमिका को छीनने के सरकार के कथित कदम का विरोध किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और शिकारीपुरा के विधायक बी वाई विजयेंद्र, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी और

विधायकों और विधान परिषद के सदस्यों ने विधायक सदन से विधान सौधा तक मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए हाई कोर्ट द्वारा इसे बरकरार रखने के बावजूद राज्यपाल के अधिकार को कम करने के लिए कांग्रेस की निंदा करें' और 'राज्यपाल के कुलाधिपति पद को कम करने के लिए कांग्रेस सरकार की निंदा करें। उन्होंने सिद्धरामैया सरकार पर घृणित राजनीति में लिप्त होने का भी आरोप लगाया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए अशोक ने कहा कि संविधान ने राज्यपाल को विशेष अधिकार दिए हैं और उनकी शक्तियों को छीनकर राज्य सरकार लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कांग्रेस ने अधिकतम संशोधन करके बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान का अपमान किया है। अब वे नियुक्तियों और उनके काम की निगरानी में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल की शक्तियों को छीनना चाहते हैं। भाजपा ने ग्रामीण विकास और पंचायत राज विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक का विरोध किया है, जो आरडीपीआर विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति के लिए राज्यपाल की शक्तियों को हटाने का प्रयास करता है। यह संशोधन पिछले साल दिसंबर में विपक्ष के वॉकआउट के बीच कर्नाटक विधानसभा द्वारा पारित किया गया था। लगभग एक पखवाड़ा पहले राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सरकार से अधिक स्पष्टता की मांग करते हुए संशोधन विधेयक लौटा दिया था।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

शिवकुमार ने तटीय कांग्रेस के लिए 8-9 सीटों का लक्ष्य रखा

ऐसा न होने पर नेतृत्व परिवर्तन की चेतावनी दी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने तटीय जिलों में कांग्रेस पार्टी के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें नेताओं को आगामी चुनावों में कम से कम 8-9 सीटें हासिल करने की चुनौती दी गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस लक्ष्य को पूरा करने में विफलता के परिणामस्वरूप क्षेत्र में पार्टी के नेतृत्व में बदलाव हो सकता है। उडुपी जिला कांग्रेस कार्यालय के अपने हालिया दौरे के दौरान, शिवकुमार ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया, रणनीतिक बदलावों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने पिछले चुनावों में उडुपी और दक्षिण कन्नड़ में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर प्रकाश डाला, इसकी तुलना चिकमगलूरु, उत्तर कन्नड़ और कोडागु जिलों में पार्टी की सफलता से की। शिवकुमार ने स्थानीय नेताओं से यह विश्लेषण करने का आग्रह किया कि क्या चुनावी हार कमजोर उम्मीदवारों या पार्टी की विचारधारा और नीतियों के अप्रभावी संचार के कारण हुई। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए, उन्होंने उल्लेख किया कि कांग्रेस के पास 60 निर्वाचन क्षेत्रों में जीतने की क्षमता है, जहां वह पहले हारी थी और जहां आवश्यक हो, नए उम्मीदवारों की पहचान करने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने कहा उडुपी और मेंगलूरु में कम से कम 8-9 सीटें जीतने का मौका है। पिछली बार हमें कम से कम चार सीटें जीतने का भरोसा था, लेकिन परिस्थितियों के कारण हार का सामना करना पड़ा। आगे बढ़ते हुए उम्मीदवारों को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के बजाय पार्टी के सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने नेताओं को जाति-आधारित राजनीति से बचने और सभी समुदायों के बीच विश्वास बनाने की दिशा में काम करने की सलाह भी दी। अपने अनुभव साझा करते हुए, शिवकुमार ने उल्लेख किया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 99-100 प्रतिशत ब्राह्मण समुदाय उनका समर्थन करता है, जो समुदायों के बीच विश्वास हासिल करने के महत्व को दर्शाता है। पिछली चुनावी रणनीतियों पर विचार करते हुए, शिवकुमार ने बताया कि कैसे उन्होंने संसदीय चुनावों में अपने भाई की हार के बाद चन्नपट्टना उपचुनाव में जमीनी स्तर पर काम शुरू करके तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने शिग्गांव और संदूर में इस्तेमाल की गई इसी तरह की सफल रणनीतियों पर जोर दिया, जहां कांग्रेस उम्मीदवारों ने मजबूत विरोधियों को हराया। उन्होंने पार्टी सदस्यों से कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने और लोगों को चुनाव से पहले किए गए वादों और उसके बाद लागू की गई योजनाओं की याद दिलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा भाजपा ने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कोई बड़ी योजना नहीं शुरू की है, जबकि हमारी सरकार ने चुनौतियों के बावजूद अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है। शिवकुमार ने 100 स्थानों पर पार्टी कार्यालय बनाने की योजना की भी घोषणा की, जहां वे वर्तमान में मौजूद नहीं हैं। उन्होंने पूर्व सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और परिषद के सदस्यों को निर्माण प्रयासों में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी इन परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए बेंगलूरु का दौरा कर सकते हैं, जिसका कई स्थानों पर वर्चुअल लॉन्च भी होगा।

आर्थिक योगदान देने का आग्रह

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आर्थिक योगदान देने का आग्रह किया और बताया कि उन्होंने पहले उडुपी जिला कांग्रेस कार्यालय के निर्माण के लिए 5 लाख रुपये का दान दिया था। जहां आवश्यक होगा, केपीसीसी से वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने पार्टी एकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगाह करते हुए कहा हारे हुए उम्मीदवारों और पार्टी कार्यकर्ताओं को आंतरिक गुटबाजी किए बिना एक साथ काम करना चाहिए। कांग्रेस में, जो लोग गुटबाजी में लिप्त हैं, वे समय के साथ अपना प्रभाव खो चुके हैं। उन्होंने उडुपी और मेंगलूरु जिलों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए समापन किया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व अगले तीन से छह महीनों के दौरान घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखेगा और जरूरत पड़ने पर क्षेत्र में चुनावी सफलता सुनिश्चित करने के लिए नए उम्मीदवारों को पेश करेगा।

वाणिज्यिक बंदरगाहों के खिलाफ कई संगठन विरोध प्रदर्शन की बना रहे योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला में रविवार शाम को कई संगठनों के सदस्यों ने केनी और जिले के अन्य स्थानों में वाणिज्यिक बंदरगाहों की स्थापना के प्रस्तावों का विरोध करने के लिए एक बैठक में भाग लिया। वे अंकोला के कोमारपंथा सामुदायिक हॉल में मिले। हलक्की वोक्कालिगरा संघ, बंट संघ और खारवी संघ जैसे विभिन्न सामुदायिक संगठनों के नेताओं ने भाग लिया। बैठक में शामिल हुए विभिन्न दलों के नेताओं ने कहा कि आंदोलन पार्टी लाइन पर नहीं होगा। विधायक सतीश सैल और एमएलसी गणपति उल्वेकर ने परियोजना के खिलाफ बात की। सैल ने कहा कि जब भी बुलाया जाएगा, वे आंदोलन में शामिल होंगे। उल्वेकर ने कहा कि वाणिज्यिक बंदरगाह न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएंगे, बल्कि मछली पकड़ने और संबद्ध गतिविधियों में लगे हजारों परिवारों की आजीविका को भी प्रभावित करेंगे। उन्होंने मछुआरा समुदाय से ताल्लुक रखने वाले मंत्री मंकल वैद्य की आलोचना की, जो अपने समुदाय का समर्थन करने में विफल रहे। वैज्ञानिक वी. एन. नायक ने कहा व्यावसायिक बंदरगाहों से न केवल कुछ खास गांवों पर असर पड़ेगा, बल्कि पूरे तालुका को भी नुकसान पहुंचेगा। व्यावसायिक बंदरगाहों से पर्यावरण को भारी नुकसान हो सकता है। सड़कें बंद हो जाएंगी और आसपास के गांव जलमग्न हो जाएंगे। इससे घाटियों के पास के नाजुक पहाड़ी क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

समुद्र में सैकड़ों हेक्टेयर मछली पकड़ने वाले क्षेत्र प्रभावित होंगे। आसपास के क्षेत्र में समुद्री कटाव होगा। अधिवक्ता उमेश नायक ने प्रभावित परिवारों को कानूनी लड़ाई लड़ने में मदद करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि जिले में भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही 40 साल पहले शुरू हुई थी, लेकिन अभी तक अधूरी है। उन्होंने कहा जिले में पहले ही बहुत सारी जमीन चली गई है। किसानों और मछुआरों को बहुत नुकसान हुआ है और आगे भी होता रहेगा। पिछले कुछ सालों में कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। लेकिन किसी भी परियोजना से स्थानीय लोगों को न्याय नहीं मिला है।

कार्यकर्ता अरुण नादकर्णी ने लोगों से जागने और परियोजनाओं के खिलाफ अपने समुदायों में जागरूकता पैदा करने को कहा। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामानंद नायक, हलक्की ओक्कल समाज के अध्यक्ष हनुमंत गौड़ा, बंट समाज के नेता संदीप बंट, भाजपा नेता भास्कर नार्वेकर, हुवा खांडेकर, कांग्रेस नेता सुजाता गांवकर, गोपालकृष्ण नायक, संजीव बालेगारा, श्रीकांत दुर्गेकर, राजू हरिकंथर और अन्य लोग मौजूद थे।

कुछ नेताओं ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की आलोचना की। कार्यकर्ता राजेंद्र नायक ने कहा कि पुलिस अधीक्षक एम. नारायणा प्रदर्शनकारियों को आपराधिक मामलों की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा हम बिना किसी कानून का उल्लंघन किए विरोध कर रहे हैं, लेकिन प्रदर्शनकारियों को अंधाधुंध तरीके से गिरफ्तार किया जा रहा है और उनके खिलाफ गंभीर मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

बजट सत्र में पुलिस स्टेशन पर हमला मामला समेत अन्य मुद्दों पर बहस की उम्मीद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से शुरू हुआ। विपक्ष ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी और जेडी(एस) के नेता सुरेश बाबू और भोजेगौड़ा ने कई विधायकों के साथ जुलूस निकाला। एक नया विवाद तब शुरू हुआ जब उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कन्नड़ फिल्म उद्योग के कलाकारों की अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन में शामिल न होने के लिए आलोचना की। उनकी टिप्पणी कि मुझे पता है कि फिल्म कलाकारों पर कैसे शिकंजा कसा जाता है, की केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी और एच डी कुमारस्वामी ने तीखी आलोचना की, जिन्होंने इस टिप्पणी को 'विषाक्त और अस्वीकार्य' करार दिया। बजट सत्र में पुलिस स्टेशन पर हमला मामला, मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप, मेट्रो किराया वृद्धि और पानी और दूध की कीमतों में प्रस्तावित वृद्धि जैसे मुद्दों पर तीखी बहस होने की उम्मीद है। राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी भी अंदरूनी कलह से जूझ रही है। सत्ता के बंटवारे पर चर्चा से बचने के हाईकमान के निर्देश को धता बताते हुए वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने खुले तौर पर शिवकुमार की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी का समर्थन किया और कहा कि उन्हें पदभार संभालने से कोई नहीं रोक सकता। शिवकुमार के कट्टर समर्थक विधायक बसवराजू शिवगंगा ने भी इसी भावना को दोहराते हुए कहा कि दिसंबर तक उपमुख्यमंत्री शीर्ष पद पर पहुंच जाएंगे और अगले विधानसभा चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। कहा जाता है कि इस दावे से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खेमे में असंतोष फैल गया है। भाजपा भी अंदरूनी चुनौतियों का सामना कर रही है। हालांकि पार्टी हाईकमान ने प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के खिलाफ विद्रोह को दबाने में कामयाबी हासिल की, लेकिन भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने अपनी अवज्ञा जारी रखी। यतनाल ने इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा की आलोचना की थी। भाजपा की मुश्किलें और बढ़ाते हुए विधायक एस टी सोमशेखर और शिवराम हेब्बार ने पहले कांग्रेस नेताओं के साथ मिलकर पार्टी के आदेशों की अवहेलना की थी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 2025-26 के लिए 4 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश करने की तैयारी कर रहे हैं, ऐसे में वह राज्य में सबसे अधिक बजट पेश करने के अपने रिकॉर्ड को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। कुल 15 बजट, जिनमें से आठ मुख्यमंत्री के रूप में और सात उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में पेश किए गए हैं। दोनों प्रमुख दलों के आंतरिक संघर्षों में उलझे होने के कारण, बजट सत्र राजनीतिक रूप से आवेशित घटना होने का वादा करता है, जिसमें सदन के पटल पर तीखी नोकझोंक की उम्मीद है।

राज्यपाल ने सरकार की बुनियादी ढांचे और पर्यावरण संबंधी पहलों पर डाला प्रकाश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा कर्नाटक के बेंगलूरु, मैसूरु और अन्य टियर-2 और 3 शहरों में बुनियादी ढांचे के विकास और यातायात की भीड़भाड़ कम करने के लिए कुछ प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला। राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में सोमवार को अपने पारंपरिक संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि सरकार बेंगलूरु शहर में यातायात की भीड़भाड़ कम करने के लिए 40.50 किलोमीटर लंबी मेट्रो रेल और सड़क से मिलकर एक डबल डेकर फ्लाईओवर बनाने का प्रस्ताव रखती है। संयुक्त मेट्रो रेल-सह-सड़क फ्लाईओवर परियोजना 8,916 करोड़ की लागत से शुरू की जा रही है। अपने 70 मिनट के भाषण में राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने बेंगलूरु पेरिफेरल रिंग रोड पार्ट-1 परियोजना को लागू करने के लिए हुडको से 27,000 करोड़ का ऋण प्राप्त करने का निर्णय लिया है। यह कार्य 2,565 एकड़ भूमि का अधिग्रहण करके किया जाना है और 73 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जाएगा। राज्यपाल ने अपना भाषण हिंदी में पढ़ा और कहा कि दूसरे चरण में 14,788 करोड़ रुपये की लागत से बेंगलूरु मेट्रो रेल का काम शुरू किया जाएगा, जबकि तीसरे चरण में 15,611 करोड़ रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु शहर और उसके उपनगरों की अतिरिक्त पेयजल जरूरतों को पूरा करने के लिए छह टीएमसीएफटी पानी आवंटित किया गया है। इस परियोजना के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसकी अनुमानित लागत 6,939 करोड़ रुपये है, जिसे चालू वर्ष में लागू किया जाना है। कर्नाटक के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के उद्देश्य से विजयपुरा में 347 करोड़ रुपये की लागत से एक हवाई अड्डे का काम पूरा हो गया है और इस साल यात्रियों के लिए तैयार हो गया है। मैसूरु हवाई अड्डे के रनवे का विस्तार करने के लिए 319 करोड़ रुपये की लागत से और रायचूर हवाई अड्डे को 219 करोड़ रुपये की लागत से विकसित करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

गहलोत ने कहा कि धर्मस्थल, मदिकेरी और चिकमगलूरु में हवाई पट्टी विकसित करने के लिए भूमि की पहचान और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया का काम किया जा रहा है।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वन क्षेत्र को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त 15,000 एकड़ भूमि को आरक्षित वन के रूप में अधिसूचित किया गया है। बेंगलूरु शहर में 117 एकड़ सहित लगभग 5,000 एकड़ अमूल्य वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि बेंगलूरु शहर में हरित क्षेत्र और दुर्लभ पक्षियों के आवास की रक्षा के लिए हेसरघट्टा झील क्षेत्र के 5,678 एकड़ क्षेत्र को ग्रेटर हेसरघट्टा संरक्षित घास का मैदान घोषित किया गया है। बेंगलूरु में येलहंका के पास मदप्पनहल्ली में 153 एकड़ के बागान में एक बड़े वृक्ष पार्क का विकास शुरू हो गया है। राज्यपाल ने कहा कि पीन्या बागान में केंद्र सरकार के स्वामित्व वाली बंद पड़ी एचएमटी को दी गई 14,300 करोड़ रुपये की वन भूमि को वापस लेने और इसे हरित क्षेत्र के रूप में बचाने के लिए कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है। राज्य सरकार ने ग्रामीण घरों में नल का जल कनेक्शन देने की परियोजना जारी रखी है। 101.32 लाख घरों में से अब तक 83.94 लाख घरों में नल का जल कनेक्शन दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में 7.27 लाख घरों में नल का जल कनेक्शन दिया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि चालू वर्ष में जनवरी 2025 के अंत तक मनरेगा के तहत 10.91 करोड़ मानव दिवस रोजगार सृजित किए गए हैं। चालू वर्ष में 5,626.56 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

सत्र से पहले जेडीएस विधायकों को कुमारस्वामी ने दी सलाह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने पार्टी विधायकों को विधानसभा सत्र में अपनाई जाने वाली रणनीति के बारे में आवश्यक मार्गदर्शन दिया है। जेडीएस विधायक दल के नेता सी.बी. सुरेश बाबू की अध्यक्षता में रविवार को आयोजित विधायक दल की बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कार्यवाही में जनहित के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। सरकार की विफलताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमारी सहयोगी भाजपा के नेताओं के साथ पहले ही चर्चा हो चुकी है। दोनों दलों के विधायकों को दोनों सदनों में आपसी सहमति से सरकार के खिलाफ लड़ने का निर्देश दिया गया है। सामान्य तरीके से बात करने के बजाय दस्तावेज रखें और बात करें। मीडिया पर कड़ी नजर रखें। उन्होंने कहा सदन के समय का सदुपयोग करें और लोगों के लिए काम करें। कांग्रेस सरकार ने गारंटी योजनाओं को लागू करने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए उनका दुरुपयोग किया है। गृहलक्ष्मी गारंटी राशि को महीनों के लिए बकाया रखा जा रहा है और चुनाव होने पर इसे एक साथ महिलाओं के बैंक खातों में जमा कर दिया जा रहा है। यह सरकार का जनता के साथ धोखा है। उन्होंने विधायकों को सत्र में इस मुद्दे पर प्रभावी चर्चा करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा सरकार ने कहा था कि कल्याण कर्नाटक के लिए 5000 करोड़ रुपये का अनुदान उपलब्ध कराएगी और कार्य योजना बनाएगी। अब तक कार्य योजना बनाने में विफल रही है। सरकार कल्याण कर्नाटक और उत्तर कर्नाटक को लगातार धोखा दे रही है। मंत्री ने विधायकों को भी इसके लिए संघर्ष करने का निर्देश दिया है। गारंटी पर चर्चा करें। आपने कितना कर एकत्र किया? आप गारंटी पर कितना पैसा खर्च कर रहे हैं? बाकी पैसा कहां जा रहा है? लोगों को सवाल पूछने और यह जानने की जरूरत है कि उनके टैक्स के पैसे का उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है। उत्पाद शुल्क में चार बार वृद्धि की गई है। उन्होंने विधायकों को इस बारे में सरकार से सवाल पूछने की सलाह दी।

कार में मिला कारोबारी का शव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोडिगेहल्ली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में कोडिगेहल्ली फ्लाईओवर के पास एक व्यवसायी का शव कार में मिला, जिससे मौत को लेकर कई तरह की शंकाएं पैदा हो गई हैं। मृतक की पहचान मुथ्याला नगर निवासी अश्विन कुमार के रूप में हुई है। शनिवार रात को कार लेकर घर से निकले अश्विन कुमार देर रात तक भी घर नहीं लौटे, तो चिंतित परिजनों ने उनके मोबाइल पर कॉल किया।

कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। कोडिगेहल्ली पुलिस स्टेशन ने जब मोबाइल नंबर प्राप्त कर कार्रवाई शुरू की, तो उन्हें पता चला कि अश्विन कुमार टिंडलू मुख्य सड़क पर मेलेतुवे के पास थे और रात करीब 11.30 बजे वहां गए थे। जब उन्होंने कार की खिड़की खटखटाकर सो रहे अश्विन कुमार को जगाने की कोशिश की, तो कोई जवाब नहीं आया। बाद में जब खिड़की तोड़कर जांच की गई, तो पता चला कि उनकी मौत हो चुकी थी।

परिजनों ने मौत को लेकर संदेह जताया है। शुरुआती जांच में संदेह जताया गया कि उनकी मौत दम घुटने या दिल का दौरा पड़ने से हुई होगी।

कोडिगेहल्ली पुलिस ने इस संबंध में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। गदग जिले के नारकुंडा तालुक के हुनासिकट्टी गांव में बसवेश्वर मंदिर के पास एक अज्ञात वाहन ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। इस घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई। मृतकों की पहचान यमनप्पा मदारा (36), निंगप्पा करिअप्पा (45) और मंजूनाथ गौड़ा (40) के रूप में हुई है। नारकुंडा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान करने के लिए जांच जारी है। पुलिस ने जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से आगे आकर जांच में सहायता करने का आग्रह किया।

जेडीएस ने गृहलक्ष्मी के पैसे जारी करने की तारीख घोषित करने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस ने सोमवार को शहर में विरोध प्रदर्शन किया और राज्य सरकार से गृहलक्ष्मी योजना के लिए धन जारी करने की गारंटी तिथि घोषित करने की मांग की। जेडीएस विधायक दल के नेता सुरेश बाबू, विधायक स्वरूप प्रकाश, हरीश गौड़ा, जवारई गौड़ा, एमटी कृष्णप्पा, जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी और बेंगलूरु महानगर जेडीएस अध्यक्ष रमेश के नेतृत्व में फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया गया और सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए। जेडीएस ने सरकार के खिलाफ तख्तियां दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विधायक एम.टी. कृष्णप्पा ने कहा कि कांग्रेस को सत्ता में आए दो वर्ष हो गए हैं। कांग्रेस को नहीं पता कि विकास क्या होता है। इतनी खराब सरकार कभी किसी ने नहीं देखी। सड़कों के गड्ढे बंद करने के लिए पैसे नहीं हैं। वे कहते हैं कि अगर आप इसके बारे में बात करेंगे तो यह गारंटी है। दिल्ली और महाराष्ट्र में कांग्रेस का गारंटी वादा फलदायी नहीं हुआ। जिला एवं तालुक पंचायत चुनाव नहीं हो रहे हैं। अगर चुनाव हुए तो कांग्रेस को दोबारा बहुमत नहीं मिलेगा। पेट्रोल, डीजल, बस किराया और स्टाम्प ड्यूटी बढ़ा दी गई है। उन्होंने शिकायत की कि इस सरकार में 60 प्रतिशत कमीशन-खोरी चल रही है।

नक्सलियों के गढ़ पामेड़ में 50 साल बाद शुरू हुई बस सेवा

कभी हेलीकॉप्टर से जवानों के लिए जाता था वेतन

रायपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिला बीजापुर का एक ऐसा इलाका जो कभी नक्सलियों की राजधानी कहा जाता था, वह इलाका अब सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और जवानों की मेहनत के बलबूते विकास की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। जहां कभी बमुश्किल दो पहिया वाहन नजर आते थे अब उस इलाके में 50 साल के बाद यात्री बस की सेवा शुरू कर दी गई। बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर बसे उसूर ब्लॉक के पामेड़ समेत उस इलाके के 7 ग्राम पंचायतों सहित पूरे इलाके में बस की सुविधा मिल रही है। यहां पिछले 4 महीने के अंदर विकास कार्यों ने ऐसी गति पकड़ी अब इस इलाके में सड़क और कैंप के साथ ही मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर दिया गया है, तो वहीं सबसे बड़ी सौगात इस इलाके के ग्रामीणों के लिए यात्री बस की सेवा है।

इस बस के संचालन के चलते अब उन इलाकों के ग्रामीणों को तेलंगाना से होते हुए अपने गांव जाने की जहमत नहीं उठानी पड़ रही है बल्कि बीजपुर से सीधे पामेड़ पहुंच रहे हैं।

बीजापुर कलेक्टर संबित मिश्रा ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्लानार के तहत उन इलाकों में मूलभूत सुविधाओं के साथ विकास कार्यों को गति प्रदान किया जाएगा। 50 सालों तक जिन सुविधाओं के लिए ग्रामीण तरस रहे थे वह सारी सुविधा उन तक पहुंचाई जाएगी।

पामेड़ इलाके के ग्रामीणों के लिए बहुत तेजी से आधार कार्ड राशन कार्ड के अलावा राशन दुकान भी गांव में संचालित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पामेड़ वह इलाका है जहां पदस्थ जवानों के लिए कभी वेतन से लेकर अखबार तक हेलीकॉप्टर से भेजा जाता था परंतु अब सड़क बनने और बस सेवा के शुरू हो जाने से जवानों का यह कठिन सफर खत्म हो चुका है।

पामेड़ इलाके में सड़क नहीं थी, ऐसा नहीं है, बल्कि 50 साल पहले भी सड़क बनी थी। परंतु वाहनों का संचालन नहीं होता था, उसके बाद धीरे-धीरे इस इलाके में नक्सलियों ने अपनी पैठ बढ़ाई और पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया जिसके चलते उस इलाके को नक्सलियों की राजधानी कहा जाने लगा, परंतु अब यह इलाका सरकार के विकास कार्यों के प्रोजेक्ट में शामिल हो चुका है। क्योंकि इस इलाके में कैंप स्थापित किए गए, सड़कों का विस्तार किया गया और मूलभूत सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। ऐसे में अब पामेड़ इलाके में तेजी से विकास कार्यों को पहुंचाकर लोगों को सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है।

ताकि ग्रामीण नक्सलवाद के दंश से हटकर सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ ले सकें। बीजापुर से सुबह पामेड़ के लिए जाने वाली बस आवापल्ली, बासागुड़ा, तररेम, चित्रागेल्लूर, गुंडेम कोंडापल्ली जीडपल्ली करवगट्टा और धर्माराम होते हुए पामेड़ पहुंचती है। जिसमें रोजाना बड़ी संख्या में यात्री सफर करने लगे हैं। इन इलाकों में विकास कार्यों के विस्तार के लिए सरकार तो कटिबद्ध है ही, परंतु आज अगर यह पूरा इलाका विकास की ओर बढ़ रहा है।

कांग्रेस नेता हिमानी नरवाल हत्याकांड

साथी ही निकला हिमानी का हत्यारा, गिरफ्तार

चंडीगढ़, 03 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस की युवा महिला नेता हिमानी नरवाल की हत्या को लेकर हरियाणा पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। हत्या के आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि हिमानी नरवाल और सचिन के बीच झगड़ा हुआ और इसमें आरोपी ने हिमानी की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्याकांड के सिलसिले में हुई गिरफ्तारी के बारे में रोहतक रेंज एडीजी रो-हतक कृष्ण कुमार राव ने प्रेस को जानकारी दी।

एडीजी राव ने कहा कि झज्जर में मोबाइल की दुकान चलाने वाले आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया गया है। सचिन और हिमानी की मुलाकात का माध्यम सोशल मीडिया बना था। हिमानी विजयन नगर में अकेली रहती थी। सचिन हिमानी के घर आता जाता रहता था। एडीजी ने बताया कि 27 फरवरी को आरोपी सचिन, हिमानी के घर आया था। किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ और उसने मोबाइल चार्जर केबल के जरिए हिमानी की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी हिमानी के सारे गहने, फोन, लैपटॉप वगैरह समेट कर झज्जर स्थित अपनी दुकान पर ले गया। इसके बाद उसने हिमानी के शव को घर में रखे सूटकेस में भरकर सांपला बस स्टैंड के पास झाड़ियों में फेंक दिया। एडीजी राव ने कहा कि आरोपी फिलहाल पुलिस रिमांड में है और इस दौरान ही पूछताछ में पता चलेगा कि आखिर दोनों के बीच झगड़ा क्यों हुआ था और क्या दोनों के बीच पैसे को लेकर भी विवाद था, यह सबकुछ जांच के साथ ही पता चलेगा।

उल्लेखनीय है कि हिमानी नरवाल कांग्रेस की नेता थी और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में बहुत सक्रिय रूप से शामिल थी। 1 मार्च को हिमानी का शव रोहतक बस स्टैंड पर एक सूटकेस में मिला था। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए 13 टीमें बनाई थीं।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में उपराज्यपाल का अभिभाषण

पूर्ण राज्य का दर्जा मिले इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध

जम्मू, 03 मार्च (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विधानसभा में अपने अभिभाषण में कहा कि सरकार जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उपराज्यपाल ने कहा कि सरकार राज्य का दर्जा पाने की इच्छा पूरी होने तक हितधारकों के साथ बातचीत करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। एलजी ने कहा कि सरकार कश्मीरी पंडितों की वापसी को सुगम बनाने और उनके लिए सुरक्षित और अनुकूल माहौल बनाने के लिए दृढ़ है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश में समय पर चुनाव सुनिश्चित करके पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों को मजबूत करेगी।

विधानसभा में बजट सत्र की शुरुआत उपराज्यपाल के अभिभाषण से हुई। विपक्षी दल कई विवादास्पद मुद्दों पर सरकार को चुनौती देने के लिए कमर कसे बैठे हैं। बजट सत्र के हंगामेदार होने की आशंका है क्योंकि भाजपा, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और पीपुल्स कांफ्रेंस सहित विपक्षी दल कई मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए तैयार हैं। सत्र में प्रमुख मुद्दों में चुनाव प्रतिबद्धताएं, अनुच्छेद 370 को निरस्त करना और चल रहे आरक्षण विवाद शामिल हैं। उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान ही लंगेट के विधायक शेख खुर्शीद अहमद विधानसभा के सेंट्रल हाल में धरना पर बैठ गए। पिछले महीने बारामुला और कठुआ में हुई मौतों को लेकर विधायक विरोध जता रहे थे। सदन की कार्यवाही में बाधा डालने की कोशिश में उन्हें मार्शलों ने सदन से बाहर निकाल दिया।

बहुप्रतीक्षित वंदे भारत एक्सप्रेस का जल्द ही होगा उद्घाटन

जम्मू, 03 मार्च (ब्यूरो)। कश्मीर के लिए बहुप्रतीक्षित वंदे भारत एक्सप्रेस का जल्द ही उद्घाटन होने वाला है, जो उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक परियोजना के पूरा होने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ट्रेन को कटड़ा रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाई जाएगी। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी (सीपीआरओ) हिमांशु शेखर उपाध्याय ने पत्रकारों को बताया कि कश्मीर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस की तैयारियां जोरों पर हैं, हालांकि उद्घाटन की सही तारीख और समय अभी तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जम्मू रेलवे स्टेशन पर आधुनिकीकरण कार्य पूरा होने से पहले उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना का उद्घाटन होने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस को चरम मौसम की स्थिति का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो विशेष रूप से कश्मीर की कठोर सर्दियों के दौरान एक सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करता है। उपाध्याय कहते हैं कि यह ट्रेन चरम मौसम को संभालने के लिए बनाई गई है, जो सबसे ठंडे महीनों में भी सुगम यात्रा सुनिश्चित करती है। यह यात्रियों के लिए सुरक्षा और आराम दोनों को बढ़ाएगी। रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि मार्ग के साथ-साथ स्टेशनों पर महत्वपूर्ण उन्नयन किया जा रहा है, जिसमें मजबूत सुरक्षा उपाय और पटरियों और ट्रेन प्रणालियों पर अंतिम सुरक्षा जांच शामिल है। यात्रियों के लिए एक सुगम और सुखद अनुभव सुनिश्चित करने के लिए यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कश्मीर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होने वाला है, जो कनेक्टिविटी और पहुंच में काफी सुधार करेगा। कटड़ा और बारामुल्ला के बीच 326 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन चुनौतीपूर्ण पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरती है और इसमें रियासी जिले में चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल है। इस लाइन में कई लंबी और छोटी सुरंगें भी शामिल हैं।

41,000 करोड़ रुपए की यह परियोजना दिसंबर 2024 में पूरी हो गई। आने वाले महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किए जाने की उम्मीद है। इसके अलावा, जम्मू तवी रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण तेजी से आगे बढ़ रहा है और जुलाई 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। इस परियोजना का उद्देश्य यात्री सुविधाओं को बढ़ाना, बुनियादी ढांचे में सुधार करना और आधुनिक मानकों को पूरा करना है। चार अमृत स्टेशन-बडगाम, जम्मू तवी, श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और उधमपुर को भी 292.5 करोड़ की लागत से विकसित किया जा रहा है। बुनियादी ढांचे के उन्नयन में छह नए रेल फ्लाईओवर और अंडर-ब्रिज शामिल हैं। 2014 के बाद से स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है, जिसमें 28 स्टेशनों पर पांच लिफ्ट, छह एस्केलेटर और वाई-फाई शामिल हैं।

याद रहे कि वर्तमान में, दो वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं, जो जम्मू और कश्मीर में चार अद्वितीय ठहरावों के साथ तीन जिलों को कवर करती हैं। इससे पहले फरवरी 2025 में, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की थी कि श्रीनगर लाइन के लिए वाणिज्यिक संचालन शुरू होने के बाद यात्रियों को कटरा रेलवे स्टेशन पर ट्रांसशिपमेंट से गुजरना होगा।

सपा नेता अबू आजमी ने औरंगजेब को अच्छा आदमी कहा

अबू आजमी पर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज हो: शिंदे

मुंबई, 03 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने औरंगजेब को अच्छा आदमी कहा। ऐसी गलतबयानी पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अबू आजमी को माफी मांगने को कहा। शिंदे ने कहा कि औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज को 40 दिनों तक यातनाएं दी थीं, ऐसे व्यक्ति को अच्छा कहना सबसे बड़ा पाप है। शिंदे ने अबू आजमी के खिलाफ राजद्रोह का मुकदमा दर्ज कराने की बात कही। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, अबू आजमी का बयान आपत्तिजनक है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज को 40 दिनों तक यातनाएं दी थीं। ऐसे व्यक्ति को अच्छा कहना सबसे बड़ा पाप है और इसलिए आजमी को माफी मांगनी चाहिए। हमारे मुख्यमंत्री ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और उन पर राजद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

भारी बर्फबारी से गुलमर्ग में विंटर गेम्स की उम्मीद जगी

जम्मू, 03 मार्च (ब्यूरो)। कश्मीर में हाल ही में हुई भारी बर्फबारी ने गुलमर्ग में बहुप्रतीक्षित खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 की मेजबानी की उम्मीदों को फिर से जगा दिया है। ताजा बर्फबारी ने रिसार्ट के प्रसिद्ध स्की ढलानों को ढक लिया है, जिससे प्रतिष्ठित शीतकालीन खेल आयोजन की योजना के अनुसार होने की संभावना बढ़ गई है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपर्याप्त बर्फबारी को लेकर चिंता जताई थी, जिससे आयोजन के कार्यक्रम पर संदेह पैदा हो गया था। हालांकि, हाल ही में मौसम में हुए बदलाव के साथ, अधिकारी आशावादी हैं और आने वाले दिनों में आयोजन की तारीखों की आधिकारिक घोषणा की उम्मीद कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना था कि गुलमर्ग और अन्य ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी एक सकारात्मक विकास है। हम आने वाले दिनों में शीतकालीन खेलों पर आधिकारिक घोषणा की उम्मीद करते हैं। यह आयोजन क्षेत्र की अर्थव्यवस्था, खेल और पर्यटन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है।

जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीतकालीन खेलों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में पहचाने जाने वाले गुलमर्ग में देश भर से और उससे आगे के एथलीट और साहसिक उत्साही लोग आते रहते हैं। खेलो इंडिया विंटर गेम्स ने गुलमर्ग को स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और अन्य शीतकालीन खेलों के केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जो खुद एक शौकीन स्कीयर हैं, ने उम्मीद जताई कि हाल ही में हुई बर्फबारी से यह आयोजन तय समय पर हो सकेगा। गुलमर्ग में हाल ही में स्कीइंग सत्र के दौरान अब्दुल्ला ने कहा था कि अगर अगले कुछ दिनों तक पूर्वानुमानित बर्फबारी जारी रहती है, तो हम मार्च के पहले सप्ताह में खेलो इंडिया विंटर गेम्स का आयोजन कर सकते हैं। इसके अलावा, बढ़ता तापमान एक चुनौती बन सकता है।

याद रहे अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से, खेलो इंडिया विंटर गेम्स जम्मू और कश्मीर में एक महत्वपूर्ण वार्षिक आयोजन बन गया है, जो देश भर से एथलीटों को आकर्षित करता है और पर्यटकों और खेल प्रेमियों को लाकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद करता है। हालांकि, अप्रत्याशित बर्फबारी पैटर्न और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों ने हाल के वर्षों में चुनौतियां पेश की हैं। शीतकालीन खेलों का पांचवां संस्करण शुरू में 22-25 फरवरी, 2024 के लिए निर्धारित किया गया था, लेकिन अपर्याप्त बर्फबारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा।

वैसे जम्मू कश्मीर खेल परिषद ने आश्वासन दिया था कि स्थिति में सुधार होने पर यह आयोजन होगा। ताजा बर्फबारी के साथ, इस बात की नई उम्मीद जगी है कि खेल तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। खेलो इंडिया विंटर गेम्स ने इस क्षेत्र में खेल के बुनियादी ढांचे के विकास और प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि प्रशिक्षण सुविधाओं और इवेंट मैनेजमेंट में निरंतर निवेश से जम्मू कश्मीर को वैश्विक शीतकालीन खेल स्थल के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। खेल परिषद के एक वरिष्ठ अधिकारी कहते थे कि हर साल यह आयोजन बड़ा होता जा रहा है और हम देखते हैं कि इसमें अधिक युवा एथलीट भाग ले रहे हैं। उनके मुताबिक, ताजा बर्फबारी एक वरदान की तरह है और हमें उम्मीद है कि यह शीतकालीन खेलों को सफल बनाएगा। गुलमर्ग की ढलानों पर अब बर्फबारी के साथ ही एथलीटों, होटल व्यवसायियों और खेल प्रेमियों में उत्साह बढ़ रहा है। खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 से न केवल शीर्ष स्तर की खेल प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने की उम्मीद है, बल्कि कश्मीर के शीतकालीन पर्यटन उद्योग के पुनरुद्धार में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

पूर्णिया में कट्टरपंथी मुस्लिमों की बेजा हरकतें

हिंदुओं को मूर्ति विसर्जन के लिए नहीं जाने देते

पूजा-पाठ में भी विघ्न डालते हैं

पूर्णिया, 03 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में पूर्णिया जिले के बायसी प्रखंड में शादीपुर भुटहा गांव की शर्मा टोली में करीब डेढ़ सौ हिंदू परिवार पिछले काफी दिनों से परेशान हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इनके घर तक जाने का रास्ता मुस्लिमों ने बंद कर दिया है। गांव के चारों तरफ मुस्लिम बस्ती और उनकी निजी जमीन होने की वजह से ये लोग अपने घर तक नहीं पहुंच पा रहे। हालात इतने खराब हो गए हैं कि इन परिवारों के बेटे-बेटियों की शादी तक नहीं हो पा रही। बीमार लोगों को अस्पताल ले जाना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले वे निजी रास्ते से आते-जाते थे, लेकिन अब 12 डिसमिल जमीन के छोटे से टुकड़े की वजह से 100 मीटर का रास्ता बंद कर दिया गया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने जमीन मालिक को रास्ते के लिए एक लाख रुपए तक दे दिए थे, ताकि समस्या हल हो सके। लेकिन बाद में मुस्लिम समाज के दबाव में वो पैसे लौटा दिए गए और रास्ता भी नहीं मिला। अब चारों तरफ से रास्ता बंद होने की वजह से ये लोग पूरी तरह घिर गए हैं। ग्रामीणों ने ये भी आरोप लगाया कि मुस्लिम पक्ष उन्हें पूजा-पाठ करने और लाउडस्पीकर बजाने से भी रोकता है। उनका कहना है कि इससे उनकी धार्मिक आजादी पर भी रोक लग रही है। इस परेशानी से तंग आकर लोगों ने पहले एसडीएम कोर्ट में गुहार लगाई। वहां उनके हक में फैसला भी आया, लेकिन बाद में सिविल कोर्ट ने उस फैसले को पलट दिया और मुस्लिम पक्ष को जीत मिल गई।

संतोष कुमार ने कहा, एसडीएम और सीओ की जांच में रास्ते की जरूरत को माना गया। एसडीएम ने पीड़ित परिवारों के हक में फैसला सुनाया, लेकिन सिविल कोर्ट ने उस फैसले को पलट दिया। संतोष कुमार का कहना है कि मुस्लिम पक्ष आक्रामक रुख अपनाए हुए है। पहले जमीन के मालिक लोग मान गए थे और ये तय हुआ था कि जमीन के बदले में उन्हें रुपए दे दिए जाएंगे। उन्होंने 1 लाख रुपया ले भी लिया, लेकिन अन्य मुस्लिमों के दबाव की वजह से उन्होंने पैसे लौटा दिए और फिर से रास्ता न देने पर अड़ गए हैं। संतोष कुमार का कहना है कि स्थानीय मुस्लिम दबंगई दिखा रहे हैं। थाने में भी उनकी बात नहीं सुनी जा रही है। अब इन परिवारों ने जिलाधिकारी कुंदन कुमार से मदद मांगी है।

बायसी की एसडीएम कुमारी तौसी का कहना है कि कानून में साफ लिखा है कि अगर 100 से ज्यादा परिवार किसी जगह रहते हैं, तो उनका रास्ता कोई नहीं रोक सकता। यहां डेढ़ सौ से भी ज्यादा परिवार हैं, फिर भी समस्या का हल नहीं निकल रहा। उन्होंने बताया कि इस मामले में थाना और अंचल अधिकारी को कई बार पत्र लिखा गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। एसडीएम के आदेश में रास्ता बनाने को स्पष्ट निर्देश है। एसडीएम के आदेश को मुस्लिम पक्ष ने सिविल कोर्ट में चुनौती दी। सिविल कोर्ट ने उल्टा एसडीएम के आदेश को ही खारिज कर दिया।

आईएसआईएस का आतंकी गिरफ्तार

राम मंदिर पर हमले की थी तैयारी

फरीदाबाद, 03 मार्च (एजेंसियां)।

आतंकी संगठन आईएसआईएस ने अयोध्या के राम मंदिर पर हमला करने के लिए अब्दुल रहमान को ट्रेनिंग दी थी। अब्दुल रहमान की गिरफ्तारी के बाद यह खुलासा हुआ है। आतंकी अब्दुल लगातार आईएसआईएस के सम्पर्क में था और अगले आदेश की प्रतीक्षास कर रहा था। फरीदाबाद के बांस रोड पाली से पकड़े गए अब्दुल रहमान (19) को आतंकी संगठन आईएसआईएस ने अयोध्या राम मंदिर पर हमला करने के लिए तैयार किया था। आतंकी संगठन आईएसआईएस की क्षेत्रीय शाखा इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रांत ने इस हमले की साजिश रची थी और ब्रेनवॉश कर अब्दुल रहमान और कुछ अन्य युवकों को अयोध्या में बने राम मंदिर को

लेकर धार्मिक भावनाएं भड़काईं। उन युवकों को मंदिर पर हमले के लिए तैयार किया। आईएसआईएस की यह शाखा पाकिस्तान और अफगानिस्तान में सक्रिय है।

सोमवार को एसटीएफ पलवल और एटीएस गुजरात की संयुक्त टीम ने आतंकी अब्दुल रहमान को फरीदाबाद जिला अदालत में पेश किया। यहां से पूछताछ के लिए उसे 10 दिन के रिमांड पर लेकर टीम एसटीएफ के पलवल यूनिट पहुंची। एसटीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की संयुक्त टीम को यूपी फैजाबाद में आतंकी के घर की तलाशी के लिए भेजा गया है, ताकि इसके घर से भी जरूरी सबूत इकट्ठे किए जा सकें। अब पलवल एसटीएफ यूनिट से आतंकी को शुरुआती पूछताछ के बाद फैजाबाद ले जाने का प्लान है।

केस की जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि आतंकी अब्दुल बीते कई महीने से आतंकी संगठन के सम्पर्क में था। सोशल मीडिया फेसबुक के जरिये इससे सम्पर्क किया गया, जिसके बाद इसे एक ग्रुप में शामिल किया गया। ग्रुप में धर्म विशेष को लेकर आहत करने वाली वीडियो शेयर की जाती थी, जिसके बाद ग्रुप के लोगों को अलग-अलग व्यक्ति कुछ रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश भी भेजते थे। इन संदेश में अब्दुल और इसके जैसे अन्य युवाओं को कहा जाता था कि तुम्हारे ऊपर अयोध्या में जुल्म हुआ है और अब तुम्हें इसका बदला लेना है। इसी तरह इन्हें हमले के लिए तैयार किया गया।

आतंकी संगठन के कहने पर अब्दुल ने राम मंदिर और उसके आस-पास की रेकी कर वहां की वीडियो बनाई। कई सारी वीडियो इसने आतंकी संगठन के साथ साझा भी की थी। इसके पास से मिले मोबाइल से भी इस तरह की वीडियो बरामद होने की बात कही जा रही है। रेकी की कार्रवाई पूरी होने के बाद अब हमले की तैयारी जोरों पर चल रही थी। इसी के तहत अब इसे हैंड ग्रेनेड लेने के लिए भेजा गया था।

हैंड ग्रेनेड लेने के बाद अब ये आतंकी संगठन के अगले आदेश के आने का इंतजार कर रहा था, लेकिन उससे पहले ही आईबी, गुजरात एटीएस को इसकी जानकारी मिली। उन्होंने अपने सूत्रों से आतंकी की फोटो भी अरेंज कर ली। इसके बाद जानकारी को पलवल एसटीएफ से साझा कर रविवार को सभी टीमों ने मिलकर आतंकी को फरीदाबाद के बांस रोड पाली से गिरफ्तार कर लिया।

विधायकों के फोन नहीं उठाते यूपी के नौकरशाह

शासन को देना पड़ा सख्त कार्रवाई का आदेश

लखनऊ, 03 मार्च (एजेंसियां)।

यूपी के नौकरशाह विधायकों के फोन नहीं उठाते और न कॉल-बैक करते। इसे लेकर योगी सरकार सख्त हुई है और ऐसे नौकरशाहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गई हैं। स्थिति इतनी अराजक हो चुकी है कि प्रदेश के मुख्य सचिव के सख्त निर्देश के बावजूद जिलों में भी अफसर विधायकों के फोन नहीं उठा रहे हैं। उन्हें कॉल बैक भी नहीं करते हैं। शासन द्वारा इसका संज्ञान लेते हुए ऐसा आचरण करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

प्रमुख सचिव संसदीय कार्य जेपी सिंह द्वारा सभी अपर मुख्य

सचिव, डीजीपी, मंडलायुक्त एवं डीएम को जारी शासनादेश में कहा गया है कि सांसदों एवं विधायकों के प्रति शिष्टाचार, प्रोटोकॉल एवं सौजन्य प्रदर्शन को लेकर विगत वर्षों में कई शासनादेश जारी किए जा चुके हैं। जिनके अनुपालन के लिए मुख्य सचिव द्वारा बीते दिनों वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए निर्देशित भी किया गया था। इसके बावजूद शासन के संज्ञान में आया है कि कुछ जिलों में विभिन्न अधिकारियों द्वारा विधानमंडल के सदस्यों के फोन नहीं उठाए जा रहे हैं और ना ही कॉल बैक की जाती है।

सदस्यों द्वारा यह मामला सदन एवं संसदीय अनुश्रवण समिति की बैठकों में उठाए जाने से शासन के सामने असहज स्थिति उत्पन्न होती है, जो खेदजनक है। उन्होंने निर्देश दिया है कि सदस्यों के फोन नंबर को अधिकारी अपने फोन पर सेव कर लें। कॉल आने पर उसे रिसीव करेंगे। बैठक में होने पर वह कॉल आने पर प्राथमिकता के आधार पर अनुपलब्ध होने का मैसेज भेजेंगे और यथाशीघ्र कॉल बैक करेंगे। सदस्यों द्वारा बताए प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कर अवगत कराएंगे। इसमें शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराने को कहा है।

पैसों के लालच में ईसाई बने 32 लोग फिर लौटे सनातन में

जबरन मुसलमान बनाया, मौलवी समेत तीन गिरफ्तार

मुरादाबाद, 03 मार्च (एजेंसियां)।

मुरादाबाद जिले के कुंदरकी थाना क्षेत्र के फरहेदी गांव में कुछ हिंदुओं को बहला-फुसलाकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए मजबूर किए जाने का मामला सामने आया है।

एक वीडियो वायरल होने के बाद यह घटना चर्चा में आई। वीडियो वायरल होने के बाद आरएसएस और भाजपा पदाधिकारियों ने गांव में एक पंचायत बुलाई। इस पंचायत के दौरान 32 लोगों ने फिर से हिंदू धर्म अपना लिया। शिव मंदिर में अनुष्ठान करने के बाद ये सभी अपने घर लौट आए।

मुरादाबाद ग्रामीण एसपी कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि पुलिस को धर्म परिवर्तन की शिकायत मिली थी। जब पुलिस ने गांव में जांच की, तो संबंधित परिवारों ने लिखित में दिया कि उन्होंने किसी भी तरह का धर्म परिवर्तन नहीं किया है।

दूसरी तरफ, फतेहपुर जिले के मलवा थाना अंतर्गत मीरपुर कुरस्ती गांव में जबरन धर्मांतरण का मामला सामने आया। हिंदू युवक राम मनोहर का जबरन मुनव्वर बना दिया गया। जानकारी होने पर राम मनोहर के परिजनों ने विरोध किया।

इस विरोध पर अभियुक्तों ने उन लोगों को भी जान से मारने की धमकी दी।

राम मनोहर के पिता ने पुलिस में तहरीर दी जिसके आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मौलवी समेत अन्य दोनों अभियुक्तों हकीम शाह और तौफीक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

संभल का दीपा सराय आतंकियों और अपराधियों का गढ़

इसीलिए पुलिस चौकी बनाने का लिया गया निर्णय

संभल, 03 मार्च (एजेंसियां)।

संभल के अति संवेदनशील दीपा सराय में अपराधियों पर निगरानी के लिए तीन मंजिला पुलिस चौकी बनाए जाने का काम गति पर है। सोमवार को एएसपी और सीओ की मौजूदगी में नींव की खुदाई कर कार्य शुरू किया गया। हाई क्वालिटी कैमरों से लैस इस चौकी में पुलिसकर्मियों के रहने की भी व्यवस्था होगी। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा, बवाल के बाद शहर में सतर्कता बढ़ाई है। इसी क्रम में पुलिस चौकियों का निर्माण कराया जा रहा है। इससे पीड़ित लोगों को पुलिस की मदद जल्द मिल सकेगी और निगरानी भी पूरी तरह हो सकेगी।

अति संवेदनशील संभल के मोहल्ला दीपासराय में पुलिस चौकी बनेगी। सोमवार को निर्माण के लिए जेसीबी से नींव की खोदाई कराई गई। इस दौरान एएसपी श्रीषचंद्र और सीओ असमोली कुलदीप सिंह मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों को मिठाई बांटकर कार्य का शुभारंभ कराया। एएसपी ने कहा

कि दीपा सराय ऐसा इलाका है जहां आतंकी व अन्य तरह के पेशेवर अपराधी रहते हैं। इसलिए सतर्कता जरूरी है। इसलिए पुलिस चौकी का निर्माण कराया जा रहा है। एएसपी बताया कि मोहल्ला दीपासराय में निर्माण होने वाली इस पुलिस चौकी को 1000 स्क्वायर फीट में निर्माण कराया जा रहा है।

तीन मंजिला इस भवन में हाई क्वालिटी के कैमरे लगाए जाएंगे। जिससे पूरे इलाके की निगरानी की जा सके। बताया कि यह इलाका अपराध की दृष्टि से अति संवेदनशील है। अपराधियों की गतिविधियों पर पूरी निगरानी के लिए इस पुलिस चौकी के निर्माण का निर्णय लिया गया है। इस तीन मंजिल भवन में पुलिसकर्मियों के रहने की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी। मालूम हो कि संभल में 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान बवाल हो गया था। इस दौरान नगर में कई स्थानों पर घटनाएं हुईं। दीपा सराय इलाके में दरोगा शाह फैसल पर जानलेवा हमला किया गया और लूटपाट की गई थी।

इससे पहले भी दीपासराय मोहल्ले में कई बार माहौल खराब होता रहा है। पुलिस पर हमले किए गए हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने चेकपोस्ट तो इस इलाके में बनाया था लेकिन पुलिस चौकी का निर्माण करने के लिए अब निर्णय लिया गया है। हिंदुपुरा खेड़ा में तुर्तीपुर इल्हा रोड पर पुलिस चौकी का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इसके लिए पिलर लगाए गए हैं। जल्द ही इसका निर्माण कार्य पूरा होगा। यह इलाका भी 24 नवंबर को बवाल की जद में आ गया था। सैकड़ों की संख्या वाली भीड़ ने डीएम और एसपी पर हमला कर दिया था।

छतों से फायरिंग की गई थी। इस इलाके में भी पुलिस को असहजता हुई थी। हालांकि बाद में हालात पर काबू पा लिया गया था।

जिस समय पुलिस पर हमला किया गया था तब मुरादाबाद कमिश्नर व डीआईजी भी साथ थे। इसी बवाल को देखते हुए पुलिस चौकी निर्माण का निर्णय हुआ था। यह पुलिस चौकी भी नखासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ही रहेगी।

नखासा थाना क्षेत्र के रिठाली में भी पुलिस चौकी का निर्माण शुरू कराया गया है। यह पुलिस चौकी हिंदुपुरा खेड़ा से करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित होगी। सोमवार को नींव की खोदाई शुरू कराई गई ।

इस पुलिस चौकी के निर्माण से हादसे होने पर घायलों को जल्द उपचार मिल सकेगा। जामा मस्जिद के नजदीक स्थित सत्यव्रत पुलिस चौकी का निर्माण तेजी से चल रहा है। दूसरी मंजिल पर काम जारी है। पहली मंजिल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सौंदर्यीकरण का काम बाकी है। माना जा रहा है कि इस महीने में ही पुलिस चौकी में स्टाफ की तैनाती हो जाएगी। जिसके बाद सुरक्षा बढ़ेगी।

होली पर शाहजहां शहर में धूमधाम से निकलेंगे लाट साहब

ढंके जा रहे धार्मिक स्थल, 300 साल पुरानी है परंपरा

शाहजहांपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)।

शाहजहांपुर में होली के मौके पर लाट साहब का जुलूस निकाला जाता है। एक व्यक्ति को लाट साहब बनाकर भैंसागाड़ी से शहर में घुमाया जाता है। इस दौरान लोग रंगों के साथ जूते-चप्पल बरसाते हैं। इस अनूठी परंपरा को लेकर पुलिस प्रशासन तैयारियों में जुटा है।

शाहजहांपुर में होली पर निकलने वाले लाट साहब के जुलूस को लेकर तैयारियां हो रही हैं। पुलिस संभ्रांत लोगों के साथ पीस कमेटी की बैठक कर रही है। चौक कोतवाली में 980 लोगों की चालानी रिपोर्ट अधिकारियों को भेजी गई है।

इनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर सकती है। रविवार शाम एडीजी जोन रमित शर्मा ने पुलिस लाइन में पहुंचकर तैयारियों की समीक्षा की। वहीं, जुलूस मार्ग पर स्थित धार्मिक स्थलों को तिरपाल से ढंका जा रहा है ताकि सौहार्द कायम रहे। इसी क्रम में जुलूस मार्ग की बैरिकेडिंग कराने का काम भी शुरू हो गया। ईदगाह

कमेटी के सचिव सैयद कासिम रजा ने मांग की है कि जुलूस रूट के स्थलों को ही ढंका जाए, जो धार्मिक स्थल रूट पर नहीं है, उन्हें न ढंका जाए। उधर, बड़े लाट साहब जुलूस के आयोजक संजय वर्मा ने बताया कि जुलूस को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। पुलिस प्रशासन भी तैयारियां कर रहा है।

रविवार को एडीजी ने पुलिस लाइन के सभागार में जुलूस को लेकर तैयारियों की जानकारी ली गई। उन्होंने होली पर अलग-अलग स्थानों पर निकलने वाले जुलूस के बारे में पूछा, साथ ही गत वर्ष की स्थिति का जायजा लिया। संवेदनशील व अति संवेदनशील स्थानों की जानकारी ली। एडीजी ने अभी तक हुई कार्रवाई का ब्योरा भी तलब किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में चूक नहीं होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर बड़े लाट साहब का जुलूस चौकसी से निकलता है। इस जुलूस पर पिछली बार सदर क्षेत्र में पुलिस की गाड़ी को हुड़दंगियों ने निशाना बनाया था। इसे लेकर पुलिस ने विशेष सतर्कता बरत रही है। चौक कोतवाली पुलिस ने 980 लोगों की चालानी रिपोर्ट बनाई है, साथ ही सीसीटीवी कैमरे की निगरानी भी रखी जाएगी। ड्रोन कैमरे भी हुड़दंगियों पर नजर रखेंगे।

होली के मौके पर लाट साहब के पांच जुलूस निकाले जाते हैं। सबसे ज्यादा बड़े और छोटे लाट साहब को लेकर पुलिस चिंतित रहती है। एक व्यक्ति को लाट साहब बनाकर भैंसागाड़ी से घुमाया जाता है। लाट साहब पर जूता-चप्पलों के साथ रंगों की बौछार होती है। यह परंपरा करीब 300 साल पुरानी है। आरसी मिशन और चौकसी से निकलने वाले जुलूस में सबसे ज्यादा हुड़दंग होने के कारण पुलिस को यहां पर ज्यादा प्रबंधन करना पड़ता है।

होली पर छोटे लाट साहब का जुलूस 100 सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में निकाला जाएगा। इसके लिए पुलिस ने तैयारी कर ली है। शांति व्यवस्था बनाए रखने को 438 लोगों को मुचलकों से पाबंद किया गया है। यही नहीं, जुलूस वाले दिन आपराधिक प्रवृत्ति के 22 लोगों को थाने में बिठाए रखने का निर्णय किया गया है। थाना आरसी मिशन के इंस्पेक्टर धर्मेंद्र गुप्ता ने बताया कि जुलूस मोहल्ला खलियान में हरीराम के मकान के पास से सराय काइयां तिराहा, दलेलगंज पुलिया, पक्का पुल, कसाई वाली पुलिया, पुत्तु लाल चौराहा होते हुए सराय काइयां तिराहा पर समाप्त होगा। इसमें जन सहयोग के आधार पर 91 एसपीओ (विशेष पुलिस अधिकारी) और 35 डिजिटल स्वयंसेवकों की ड्यूटी भी लगाई गई है। साथ ही जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से निकालने के लिए आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की गई है।

उन्होंने बताया कि जुलूस के निर्धारित मार्ग पर 22 हिस्ट्रीशीटर, दो गुंडा एक्ट के आरोपी और 68 अन्य अराजक व्यक्ति कार्रवाई को चिह्नित किए गए हैं। प्रभारी निरीक्षक ने मुस्लिम समुदाय के लोगों से अपील की है कि जुलूस के दौरान रमजान के पावन माह में नमाज अपने घर की निकटतम मस्जिद में पढ़ें। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को रंग से परहेज है, वह सभी जुलूस की समाप्ति तक अपने घर पर रहें। साथ ही हिंदू समुदाय के लोगों से अपील की कि मुस्लिम समुदाय के बच्चों, विकलांगों, बुजुर्गों और महिलाओं के ऊपर रंग नहीं डालें।

सपा सांसद के अवैध निर्माण पर सुनवाई आज

बिजली चोरी पर हुए जुर्माने की सुनवाई 7 को

संभल, 03 मार्च (एजेंसियां)।

संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के अवैध निर्माण और बिजली चोरी के मामलों में अंतिम सुनवाई पांच और सात मार्च को होगी। अवैध निर्माण पर नियत प्राधिकारी और बिजली चोरी पर विभाग ने 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। सुनवाई के बाद कार्रवाई और वसूली की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। तीन बार नोटिस के अलावा समय भी बढ़ाया गया है। इसलिए माना जा रहा है कि इस बार अंतिम सुनवाई होगी। इसके बाद कार्रवाई आगे बढ़ेगी।

संभल नियत प्राधिकारी/उपजिलाधिकारी विनियमित क्षेत्र की ओर से सांसद को नोटिस जारी किया गया था। जिसमें कहा गया था कि सांसद के बिना अनुमति निर्माण किया गया है।

जो उत्तर प्रदेश रेगुलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट 1958 का उल्लंघन है। इस मामले में ही सुनवाई चल रही है। अब पांच मार्च को इस मामले की सुनवाई

होनी है। वहीं दूसरी ओर बिजली विभाग ने मीटर बाईपास कर बिजली चोरी के आरोप में सांसद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है और 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इस जुर्माना मामले में अंतिम सुनवाई सात मार्च को की जानी है। इसके बाद जुर्माने की अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाएगी और उसके अनुसार ही वसूली भी होगी।

संभल जामा मस्जिद के गेट के नजदीक स्थित कुएं के अधिकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई मंगलवार को हो सकती है। इस सुनवाई में तय हो सकता है कि कुआं जामा मस्जिद का है या पालिका द्वारा किया गया अधिकार का दावा सही है। पालिका के दावे पर राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर कुएं को सरकार की सम्पत्ति बताया है। इस मामले में सुनवाई होनी है। जामा मस्जिद के गेट के नजदीक स्थित कुएं को खोलने के लिए संभल पालिका ने निर्देश दिए थे। इस मामले में जामा मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जिसमें कहा था कि कुआं मस्जिद की सम्पत्ति है और उस कुएं को न खोला जाए। इसी मामले में सरकार ने पालिका के दावे पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है।

सरकार कुएं को सार्वजनिक उपयोग के लिए खुलवाए जाने की मांग भी कर रही है। जामा मस्जिद के मुख्य गेट पर स्थित इस कुएं को वर्षों पहले बंद कर दिया था। इस कुएं को एएसआई की टीम ने दो दिन पहले खुलवा कर देखा था। इस कुएं को पाटा नहीं गया है। बंद कर दिया गया है। जिससे कोई हादसा न हो सके।

संपादकीय

'विकसित देश' बनना है तो...

हम हररोज और निरंतर सुनते रहे हैं कि 2047 में भारत एक 'विकसित राष्ट्र' होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और भाजपा-एनडीए का यह संकल्प है और देश की जनता का भी आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया के लिए 'कारखाना' करार दिया है, जबकि यह अद्र्धसत्य लगता है, क्योंकि भारत मैन्यूफैक्चरिंग (विनिर्माण, उत्पादन आदि) में पिछड़ता जा रहा है। लक्ष्य तय किया गया था कि इस क्षेत्र का जीडीपी में योगदान कमोबेश 25 फीसदी होना चाहिए, लेकिन यह हिस्सेदारी 15 फीसदी से भी कम हो गई है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें रोजगार के व्यापक अवसर बनते हैं। दरअसल भारत 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' के बजाय 'ट्रेडिंग देश' बनता जा रहा है। चीन से आयात बढऩा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इधर विश्व बैंक के साथ-साथ कुछ अन्य एजेंसियों और संस्थाओं की भी रपटें सामने आई हैं।

> प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और भाजपा-एनडीए का यह संकल्प है और देश की जनता का भी आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया के लिए 'कारखाना' करार दिया है, जबकि यह अद्र्धसत्य लगता है, क्योंकि भारत मैन्यूफैक्चरिंग (विनिर्माण, उत्पादन आदि) में पिछड़ता जा रहा है। लक्ष्य तय किया गया था कि इस क्षेत्र का जीडीपी में योगदान कमोबेश 25 फीसदी होना चाहिए, लेकिन यह हिस्सेदारी 15 फीसदी से भी कम हो गई है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें रोजगार के व्यापक अवसर बनते हैं। दरअसल भारत 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' के बजाय 'ट्रेडिंग देश' बनता जा रहा है। चीन से आयात बढऩा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इधर विश्व बैंक के साथ-साथ कुछ अन्य एजेंसियों और संस्थाओं की भी रपटें सामने आई हैं। ऐसी रपटें भारत की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थितियों, श्रम-शक्ति और भागीदारी, हमारी औसत आय आदि के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन और सर्वेक्षण पर आधारित होती हैं, लिहाजा उन्हें सिरे से नकारा नहीं जा सकता।

ऐसी रपटें भारत की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थितियों, श्रम-शक्ति और भागीदारी, हमारी औसत आय आदि के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन और सर्वेक्षण पर आधारित होती हैं, लिहाजा उन्हें सिरे से नकारा नहीं जा सकता। यदि भारत सरकार पारदर्शी, स्पष्ट और निष्पक्ष डाटा देश के सामने पेश करती रहती, तो इन रपटों की कोई जरूरत ही नहीं थी और देश के औसत नागरिक के सामने तमाम स्थितियां साफ होतीं। जो भी डाटा सरकारी विभाग जारी करते हैं, वे या तो अद्र्धसत्य होते हैं अथवा यथार्थ को ढक कर चलते हैं। बहरहाल अब आकलन यह किया जा रहा है कि यदि भारत को 2047 में 'विकसित राष्ट्र' बनना है, तो उसकी सालाना आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी लगातार होनी चाहिए, लेकिन अभी 2025-26 के बजट में विकास दर 6.5 फीसदी का अनुमान लगाया गया है। लगभग यही अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का है। वास्तव में यह विकास दर 5 फीसदी के करीब होगी, क्योंकि कई समीकरणों, तथ्यों, उत्पादन, मुद्रास्फीति की दर आदि का सही मूल्यांकन बाद में ही किया जा सकता है। अभी भारत में प्रति व्यक्ति आय करीब 2.20 लाख रुपए सालाना बताई जाती है, जबकि विकसित देश बनने के लिए यह कमोबेश 15.48 लाख रुपए होनी चाहिए। भारत में करीब 100 करोड़ लोगों के पास इतना अतिरिक्त पैसा नहीं है कि वे गैर-जरूरी चीजों पर भी खर्च कर सकें। मात्र 10 फीसदी भारतीयों के पास ही निरंतर खर्च करने की क्षमता है। क्या भारत की अर्थव्यवस्था और जीडीपी 10 फीसदी लोगों के बूते ही है? यदि भारत को वाकई 'विकसित देश' बनना है, तो श्रम की भागीदारी 65 फीसदी या उससे अधिक होनी चाहिए, जबकि यह भागीदारी फिलहाल 56.4 फीसदी है। आम आदमी की औसत आय करीब 28 फीसदी बढ़ी है, जबकि उद्योगपतियों और अमीरों की आय में 350 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह आर्थिक असमानता भारत का यथार्थ है, लिहाजा विकसित अर्थव्यवस्था को लेकर इतराना नहीं चाहिए। अभी तो भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने से काफी पीछे है, लिहाजा 5 ट्रिलियन डॉलर तो बहुत दूर की कौड़ी है। वैसे दावे तो 30 ट्रिलियन डॉलर के भी किए जा रहे हैं। जिस देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को, हर माह, मुफ्त अनाज मुहैया कराया जा रहा हो और यह योजना 2029 तक जारी रहनी हो, तो वह देश 2047 तक विकसित देशों की जमात में शामिल कैसे हो सकता है? दरअसल मुफ्तखोरी की राजनीति देश के एक वर्ग को आलसी, निकम्मा बना रही है और अर्थव्यवस्था को खोखला कर रही है, लिहाजा भारत में कौशल की कमी है, उत्पादन की कमी है, आय-व्यय के समीकरण असंतुलित हैं। अर्थव्यवस्था कैसे विस्तार पाएगी? 10 फीसदी लोगों के सहारे ही देश कब तक चलेगा? यह भारत का भीतरी यथार्थ है। चूंकि आय में अधिक बढ़ोतरी नहीं है अथवा आय के स्रोत सूखते जा रहे हैं, तो असर औसत बचत पर भी पड़ेगा। भारत में बचत में करीब 44 फीसदी की कमी आई है। जो बचत 2019-20 में 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक थी, अब 2024-25 में वह घट कर 6.52 लाख करोड़ रुपए हो गई है। देश में बेरोजगारी और महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं है।

आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार छोटे-छोटे प्रयास किए जाते रहे

आयकर सुधार की ऐतिहासिक पहल

डा. जयंतीलाल भंडारी

> वित्तमंत्री सीतारमण ने पिछले वर्ष जुलाई 2024 के बजट भाषण में कहा था कि मौजूदा आयकर कानून की कई धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। साथ ही इसके तहत कानूनी जटिलताएं कर अनुपालन में मुश्किलें और मुकदमेबाजी में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे में नया आयकर विधेयक कानून बनने के बाद आयकर कानून 2025 के रूप में एक अप्रैल 2026 से मौजूदा आयकर कानून 1961 की जगह ले लेगा।

हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा लोकसभा में पेश किया गया नया आयकर विधेयक भारत की आयकर व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता के साथ-साथ राजस्व बढ़ाने के लिए एक बड़ी कोशिश का अहम हिस्सा है। वित्तमंत्री सीतारमण ने पिछले वर्ष जुलाई 2024 के बजट भाषण में कहा था कि मौजूदा आयकर कानून की कई धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। साथ ही इसके तहत कानूनी जटिलताएं कर अनुपालन में मुश्किलें और मुकदमेबाजी में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे में नया आयकर विधेयक कानून बनने के बाद आयकर कानून 2025 के रूप में एक अप्रैल 2026 से मौजूदा आयकर कानून 1961 की जगह ले लेगा। यदि हम देश में आयकर का इतिहास देखें तो पाते हैं कि वर्ष 1860 में सर जेम्स विल्सन द्वारा आयकर की शुरुआत की गई थी, लेकिन देश में एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली के रूप में वर्ष 1922 में व्यापक आयकर कानून लागू हुआ, जिसने सही मायनों में न केवल विभिन्न आयकर प्राधिकरणों को औपचारिक रूप प्रदान किया, बल्कि एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक रूपरेखा की नींव भी रखी। वर्ष 1961 में मौजूदा आयकर कानून लागू किए जाने के बाद से अब तक आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार छोटे-छोटे प्रयास किए जाते रहे। खासतौर से 1981 में कम्प्यूटरीकरण की शुरुआत के साथ हुई तकनीकी प्रगति ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से आयकर चालान की प्रोसेसिंग करने पर ध्यान केंद्रित किया। इस परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2009 में ई-फाईल और पेपर रिटर्न की व्यापक प्रोसेसिंग को संभालने के लिए सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर (सीपीसी) की स्थापना की गई। पिछले एक दशक से आयकर कानून में जो अहम सुधार किए गए हैं, उससे जहां आयकरदाताओं को सुविधा मिली, वहीं आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली है। इन सुधारों में प्रमुख रूप से करदाता चार्टर (टैक्सपेयर चार्टर) और पहचान रहित समीक्षा (फेसलेस असेसमेंट) तथा करदाताओं के लिए पहचान रहित अपील (फेसलेस अपील) व्यवस्था महत्वपूर्ण है। इसके अलावा नॉन फाइलर्स, मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमए) के जरिए ऐसे लोगों की पहचान की जाती है जिन्होंने हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन किया है, पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया है। इन

विभिन्न प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या और आयकर संग्रह में तेज वृद्धि देखी गई है। लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 8.09 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनमें से भी 4.90 करोड़ लोगों ने शून्य कर योग्य आय की सूचना दी। सिर्फ 3.19 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आयकर का योगदान बहुत कम बना हुआ है। दुनिया की कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं में संग्रहित किए जाने वाले आयकर का उनकी जीडीपी में बड़ा योगदान है। वस्तुतः कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ती है। सरकार की मुट्ठियों में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करता है, बल्कि यह सरकार को अपने करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। साथ ही यह वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना और बजट बनाने में मदद करता है। खासतौर से इस समय जब वर्ष 2047 में देश को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा गया है, तब जीडीपी में आयकर का योगदान बढ़ाया जाना जरूरी दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि आयकर संबंधी विभिन्न मुश्किलों और चुनौतियों के निराकरण के लिए नए आयकर विधेयक में प्रभावी प्रावधान दिखाई दे रहे हैं। नए आयकर विधेयक को संक्षिप्त, स्पष्ट तथा पढ़ने-समझने में आसान बनाते हुए 23 अध्यायों में समेटा गया है। इस विधेयक में 622 पृष्ठ हैं, जबकि मौजूदा कानून में 823 पृष्ठ हैं। शब्द संख्या भी घटाई गई है। मौजूदा कानून के 5.20 लाख शब्दों से घटाकर नए विधेयक में केवल 2.60 लाख रखी गई है। मौजूदा कानून में आरंभ में केवल 298 धाराएं थीं, मगर प्रावधान जुड़ते गए और अब कुल 819 धाराएं हो गई हैं। नए विधेयक ने इन्हें घटाकर 536 कर दिया है। नए आयकर विधेयक में 'चार्टर ऑफ टैक्सपेयर्स' है, जिससे कर व्यवस्था में विश्वास और पारदर्शिता बढ़ेगी। वेतनभोगी करदाताओं के लिए विभिन्न प्रावधानों को सहज बनाते हुए हर तरह की कटौती को एक ही धारा के तहत रख दिया गया है। नए विधेयक में मुकदमेबाजी कम करने और टैक्स मामलों को जल्दी सुलझाने पर ध्यान दिया गया है। पुराने कानून में इस्तेमाल किए गए जटिल शब्दों को सरल बना दिया गया है। अब 'असेसमेंट ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर' होगा। टैक्स ईयर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगा। अब क्रिप्टोकरेंसी और अन्य डिजिटल एसेट्स को कैपिटल एसेट माना जाएगा और उन पर टैक्स लगाया जाएगा। इससे डिजिटल संपत्तियों पर टैक्स सिस्टम के बारे में अधिक स्पष्टता आएगी। नए टैक्स रिजीम के साथ ओल्ड टैक्स रिजीम भी जारी रहेगा। निश्चित रूप से नए आयकर विधेयक में आयकर अधिकारियों के अधिकारों और शक्तियों को बढ़ाया गया है। नए आयकर विधेयक में गलत या अधूरी जानकारी देने पर भारी जुर्माना सुनिश्चित किया गया है। जानबूझकर टैक्स चोरी करने वालों पर मुकदमा चलाया जा सकता है। बकाया टैक्स का भुगतान न करने पर अधिक ब्याज और पेनल्टी है। आय छिपाने पर अकाउंट सीज और संपत्ति जब्त करने के अधिकार होंगे। इन सबसे आयकर संग्रहण बढ़ेगा और ईमानदार करदाताओं को लाभ होगा। निश्चित रूप से एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए आयकर कानून की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर होगी कि इस कानून को कितने कारगर तरीके से लागू किया जाता है। इस कानून की वास्तविक परीक्षा यह भी होगी कि यह कर संबंधी मुकदमों में कितनी कमी लाएगा। निःसंदेह व्यक्तिगत आयकर के मामले में सरकार ने नई कर प्रणाली लागू करके बेहतर किया है, लेकिन रियायतों और कर दरों का ढांचा अब भी जटिल बना हुआ है। इसे सरल बनाने के लिए सरकार को प्राथमिकता से ध्यान देना होगा। साथ ही कर दरें घटाने पर भी ध्यान देना होगा।

दृष्टि कोण

आत्मनिर्भरता में आर्थिक चुनौतियों का समाधान

अमेरिका ने यह घोषणा की है कि वह अब अपने मूल्यवान आर्थिक संसाधनों को तीसरी दुनिया के देशों में क्यों लौटाए। वर्ष 1961 से अमेरिका एक आर्थिक सहायता कार्यक्रम चला रहा था, जिसके तहत पिछड़े देशों में मानवीय और आर्थिक संसाधनों का विकास किया जाता था, और लोकतंत्र की स्थापना की दिशा में काम किया जाता था। इस कार्यक्रम के तहत अमेरिका सालाना करीब 496 करोड़ डॉलर खर्च करता था। भारत में लोकतंत्र को प्रोत्साहित करने और वोटरों को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से अमेरिका प्रतिवर्ष एकमुश्त रकम खर्च करता था। हालांकि, डोनाल्ड ट्रम्प ने सत्ता संभालते ही इस सहायता को बंद कर दिया, यह मानते हुए कि हर देश को अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था को खुद मजबूत करना चाहिए। इतना ही नहीं, जब मोदी मैत्री वार्ता के लिए अमेरिका गए, तो वार्ता शुरू होने से पहले अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति घोषित कर दी, जिसका मूलमंत्र था 'जैसे को तैसा'। हाल ही में डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के बारे में यह बयान दिया कि भारत के पास पर्याप्त धन है और वह टैक्स उगाहने में माहिर है, इसलिए अमेरिका भी अपने आयात में ऊंचे टैक्स लगाकर इसका प्रतिवाद करेगा। अमेरिका का आरोप है कि भारत ने उसके सामान पर उच्च टैक्स लगा रखा था, जबकि अमेरिका भारतीय आयात पर कम टैक्स लगाता था। फलतः ट्रम्प ने भारत पर भी टैरिफ बढ़ा दिए। अर्थशास्त्री कहते हैं कि अगर अमेरिकी नीतियों से महंगाई बढ़ती है तो इससे भारत में मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा, यदि भारतीय निर्यात पर 20 प्रतिशत का टैरिफ लागू कर दिया जाता है, तो भारत की जीडीपी में गिरावट हो सकती है। यह स्थिति खासतौर पर चिंताजनक है, क्योंकि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखता है। इसके लिए आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी जीडीपी में 8 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। पिछले वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में भारत की विकास दर 7 प्रतिशत से घटकर पौने 6 प्रतिशत पर आ गई थी। हालांकि, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) का अनुमान है कि भारत 7 प्रतिशत विकास दर हासिल करने में सक्षम रहेगा। लेकिन अब अमेरिकी हित संरक्षण की नीति सामने आ गई है, जिसमें ट्रम्प भारत के साथ 'जैसे को तैसा' नीति लागू करने की बात कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, भारत के विभिन्न उद्योगों को नुकसान हो सकता है। यदि यह टैरिफ शुल्क लागू हो जाता है, तो भारतीय निर्यात क्षेत्र को बड़ा धक्का लगेगा। निर्यातकों को टैरिफ चुकाने के बाद उनकी लागत पूरी नहीं हो पाएगी, जिससे वे निर्यात बढ़ाने के प्रति कम उत्साहित हो सकते हैं। इस वर्ष के नए आंकड़े दर्शाते हैं कि हमारा निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में कम हो गया है, जबकि आयात की मांग में कोई कमी नहीं आई। अब स्थिति यह बन गई है कि यदि अमेरिका से आने वाली वस्तुएं महंगी हो जाती हैं और हमारी मांग लगातार बनी रहती है, तो रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले गिरता जाएगा। जिसका मतलब है कि आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी। यदि अमेरिका अपनी दरें बढ़ाकर इसे भारतीय टैरिफ के बराबर कर देता है, तो इससे भारत में आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी, जिससे मुद्रास्फीति को और बढ़ावा मिलेगा। सरकार को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। हालांकि, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और ट्रंप सरकार की मनमानी से शेयर बाजार को भारी नुकसान हुआ है। यह विदेशी निवेश की दृष्टि से एक निराशाजनक स्थिति है। इस समय चुनौती यह है कि जो वस्तुएं हम अमेरिका से मंगवाते हैं, उनमें जीवनरक्षक दवाइयां, निर्माण कार्य में उपयोग होने वाले उपकरण और विद्युत उपकरण आदि शामिल हैं, जो भारतीय निवेशकों के लिए भी कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। यदि ये तमाम वस्तुएं महंगी हो जाती हैं, तो भारतीय निवेश पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, और निर्यात वस्तुओं का उत्पादन घटने की संभावना बढ़ जाएगी। इससे साफ है कि भारत के विकास दर को बनाए रखने का लक्ष्य मुश्किल हो जाएगा। निर्विवाद रूप से अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के सत्ता में आने के बाद उपजे हालात में चुनौती के मुकाबले के लिये इसका एकमात्र समाधान केवल आत्मनिर्भरता, लघु और कुटीर उद्योगों के विकास और सहकारिता आंदोलन को गति देने में है। इससे देश की विपुल श्रम शक्ति का उपयोग हो पाएगा। इससे जहां हमारी आर्थिक स्थिति को संबल मिलेगा, वहीं युवाओं का विदेश पलायन भी रुकेगा।

कुछ अलग

महाकुंभ में आशावाद...

देश में सदियों से निराशा और आशा के बीच कई लोग चले। आश्चर्य यह कि निराशा में खुद को समेटते-समेटते भी कई सफल हो गए। आशा में सफलता तब तक रूठी रहेगी, जब तक पगार हमारे साथ रहेगी। ऐसी कोई पगार नहीं है जो किसी को निराश न करे। आशा तो दिहाड़ी में है। सुबह को शाम में बदलने के लिए केवल सूरज ही दिहाड़ी नहीं लगाता, बल्कि हर दिहाड़ी में दिन है और पगार में रात है। वैसे निराशा और आशा के बीच देश पहले ही संपत्तियों का बंटवारा कर चुका है। जिन्हें अधिक मिलीं उन्हें निराशा है, लेकिन जहां लैंडलैस को सरकार देने का वादा करती है, वहां शाश्वत आशा है। शाश्वत आशा न भगवान दे सकता, न ही भाग्य और न ही भारतीय लोकतंत्र, लेकिन चुनाव चाहे पंचायत का हो, विधानसभा का हो या संसद के लिए हो, आशा बार-बार जन्म लेती है। अब तो हालत यह कि आशा चलती सरकारों से नहीं, बल्कि दलबदलुओं से मिलती है। हमें आशा हर दलाल से है, हर रिश्वत में यह आशा है कि अब सौ फीसदी काम होगा। आप बिना रिश्वत के घूम आइए सरकारी व्यवस्था में, मिलेगी तो निराशा ही। निजी बनाम सरकारी क्षेत्र में सफलता का राज निराशा है। देश और देश की व्यवस्था निजी क्षेत्र को निराशा में सफल होने की अभिलाषा सिखाती है। इसीलिए वहां पूछा जाता है कि किसमें ज्यादा निराशा है, स्वामी या प्राइवेट कर्मचारी में। निराशा अब खानदानी नुस्खा जैसी है। अकसर बड़े-बड़े व्यापारिक घराने हमेशा निराशा के मूड में रहते हैं। अत्यधिक धन दौलत पाकर भी जो निराश रहता है, वही अमीर बने रह सकता है। देश का आशावाद तो कर्मचारी अपने सिर पर उठाते हैं। जो महंगाई में, बैंक लोन की किस्तों में और पगार के साथ जुड़े परिवार के रिश्तों में आशा देख सकता है, वहीं रीढ़ की हड्डी वाला कर्मचारी है। हमारे देश की आशा अब घर के बजाय विदेश में ज्यादा दिखती है। पूरे विश्व में हमारी आशा का अंतरराष्ट्रीयकरण समझना हो, तो अमरीका में ट्रंप की जीत में मिल जाएगा। हमें उम्मीद है कि ट्रंप हमारे बारे में सोचता रहेगा। इसी तरह हमारी आशा चीन को भी सोचने पर मजबूर कर देगी एक दिन। आशा और निराशा के बीच प्रतिस्पर्धा को समझना हो तो भैंस से पूछो। वह कभी भी आशा के साथ छप्पड़ में नहीं जाती, बल्कि निराशा उसे वहां बार-बार ले जाती है। सदियों से उसे यह समझ नहीं आ रहा कि छप्पड़ में घुसना आसान है या बाहर निकलना। खैर समझ हमारी अक्ल को भी नहीं आ रहा कि वह बड़ी है या भैंस। लोगबाग अक्ल और भैंस के मुकाबले में कभी अडानी की ओर देखते हैं, कभी ट्रंप की ओर, तो कभी अमरीका की जनता की ओर देख कर खुश होते हैं कि वहां भी चुनाव में आशा और निराशा के बीच कोई फैसला नहीं हो रहा। दरअसल आशा और निराशा दोनों सगी बहनें हैं। निराशा बड़ी और आशा छोटी। मुश्किल यह कि इनकी एक जैसी सूरत के कारण हम निराशा में अक्सर आशा को पुकारते हैं और आशा में निराशा को निहारते हैं। बढ़ती आबादी देख देश निराशा के साथ होता है, लेकिन झोंपड़ी में भी बच्चे की किलकारी पर कोई गरीब आशावादी होता है। हम डालडा घी के किसी पुराने डिब्बे में आशा को संजो सकते हैं या धारावी की झुग्गी बस्ती में आशा के साथ जी सकते हैं। हमारा आशावाद पूरे विश्व में कौतुक पैदा करता है। शेष विश्व में कोई ऐसी आशा नहीं कि महाकुंभ जैसा उत्साह इकट्ठा करा दे। हम पाप धोने के लिए भी आशा कर सकते हैं। एक सदी के बाद एक साथ नहाने की आशा कर सकते हैं।

देश दुनिया से

मोदी और केरल में ईश्वर का हाथ

हो सकता है थरूर की टिप्पणियों पर उठा नवीनतम विवाद भी सप्ताहांत तक ठंडा पड़ जाए, खासकर जब केरल कांग्रेस के नेताओं और पार्टी आलाकमान के बीच 2026 में केरल के आगामी चुनाव को लेकर होने वाली तैयारी बैठक होगी, और सांसद की आहत हुई भावना को शांत करने का प्रयास किया जाए। पार्टी के सभी गुटों के बीच एकता दिखाने की बात पहले ही कही जा रही है। वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी, वहां से पूर्व सांसद और उनके भाई राहुल गांधी और कांग्रेस संगठन के प्रभारी महासचिव और अलपुझा से सांसद केसी वेणुगोपाल—इस पुरानी पार्टी में सबसे शक्तिशाली तिकड़ी- निश्चित रूप से अपने चुनावी अभियान की अगुवाई इस पेशकारी से करेंगे 'भगवान के अपने देश में सब ठीक है और कांग्रेस अगले साल सत्ता में वापस आएगी।' सिवाय इसके कि दक्षिणी राज्य में मंथन चल रहा है और अरब सागर की फ़िज़ां इन दिनों कुछ बदली-सी है। पिछले हफ्ते कोचीन में हुए निवेशक शिखर सम्मेलन में भाजपा नेता पीयूष गोयल और केरल के मुख्यमंत्री और सीपीआई (एम) नेता पिनाराई विजयन को दिल खोलकर हंसते हुए देखा गया। कुछ ही दिनों बाद, सीपीएम ने केरल की अपनी सभी पार्टी इकाइयों को एक नोट भेजा, जिसमें बताया गया कि पार्टी मोदी सरकार को 'फासीवादी या नव-फासीवादी' क्यों नहीं बता रही। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह टिप्पणी 6 मार्च को कोल्लम में होने जा रहे सीपीएम के 24वीं पार्टी सम्मेलन में बहस के केंद्र में होगी। कुछ लोगों का कहना है कि यह पार्टी में शक्तिशाली प्रकाश करात गुट द्वारा अपनाई कांग्रेस विरोधी नीति की वापसी है- पिछले सितंबर में सीताराम येचुरी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के बाद, जिन्होंने हमेशा विपक्षी एकता के लिए जोर दिया और मानते थे कि कांग्रेस पार्टी इसका धड़कता दिल है। इसलिए इन दिनों केरल में थरूर की महत्वाकांक्षाओं से बड़ा सवाल यह है कि क्या वामपंथी भाजपा के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं? और क्या वे कोल्लम पार्टी सम्मेलन में भाजपा को नहीं, बल्कि कांग्रेस को वामपंथ का मुख्य राजनीतिक दुश्मन बताने की ओर लौटेंगे— यह सब इसलिए क्योंकि राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी है? तो कल्पना कीजिए कि इस सोच की कितनी संभावना है, खासकर जब भाजपा दक्षिण भारत में अपनी जगह बनाने के वास्ते कड़े प्रयास कर रही है। क्या विजयन और नरेन्द्र मोदी केरल में कांग्रेस को खत्म करने के वास्ते सच में एकजुट हो सकते हैं, भले ही यह पूरी तरह से पर्दे के पीछे हो? प्रिय पाठक, इस विचार को जरा यहीं थामकर रखें, क्योंकि अभी और भी बहुत कुछ बाकी है। हाल ही में इंडिया टुडे मूड ऑफ द नेशन सर्वे ने हैरान किया कि केरल में भाजपा का वोट शेयर हर दिन बढ़ रहा है- लोकसभा चुनाव में उसे 17 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन यदि आज चुनाव हों तो यह 24 प्रतिशत हो सकता है। और वोट शेयर में 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ वामपंथियों को नुकसान होगा। आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा इतनी खुश क्यों है। राजधानी दिल्ली समेत, उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में जीत हासिल करने के बाद- हिमाचल प्रदेश की चार सीटें अपने पास होने और पंजाब की 13 सीटों पर अगली नज़र के साथ- उसे पता है कि अब दक्षिणी मोर्चे में भी सेंध लगाना जरूरी है। कुछ समय से तमिलनाडु पर ध्यान केंद्रित होने की वजह से जाहिर है केरल में विस्तार पर जोर कम रहा। केरल के सर्वप्रिय गुरुवायूर मंदिर गृहक्षेत्र त्रिशूर से पिछले साल पूर्व अभिनेता सुरेश गोपी ने लोकसभा सीट जीतकर भाजपा के खिलाफ रही केरल की वर्जना को तोड़ा था। पार्टी का मानना है कि नायर समुदाय, जो कभी वामपंथियों की रीढ़ हुआ करता था, बहुत जल्द उसकी तरफ झुक जाएगा। भाजपा अपनी इन उम्मीदों में गलत नहीं है। यहां तक कि पिछले कुछ दशकों से केरल के मध्यवर्ग को कट्टर वामपंथी होने के बावजूद पास के मंदिर में जाकर दीया जलाने में कुछ भी गलत नहीं दिखता। बड़ी समस्या, ज़ाहिर है, यह है कि भाजपा के पास अभी भी राज्य में नेतृत्व करने के लिए कोई उचित चेहरा नहीं है- पूर्व आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर काफी पढ़े-लिखे हैं और थरूर से तिरुवनंतपुरम छीन भी सकते थे, सिवाय इसके कि उन्होंने ऐसा किया नहीं। इसलिए जब चार बार के कांग्रेस सांसद ने पिछले हफ़्ते कहा 'अगर पार्टी मेरी ताकत का इस्तेमाल करना चाहती है, तो मैं बना रहूंगा, अगर नहीं, तब मेरे पास दूसरे विकल्प हैं', तो पूरे देश में चटपटी राजनीतिक चर्चा छिड़ गई। तो क्या थरूर कांग्रेस छोड़कर भाजपा या वामपंथ में शामिल होंगे? क्या वे कांग्रेस के भीतर ज़्यादा जगह बनाने को कसमसा रहे हैं, उदाहरण के लिए, मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनने की खातिर दबाव डालना? ऐसे में केरल की तिकड़ी—प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और वेणुगोपाल- क्या थरूर को मनाने में भूमिका निभाएगी? क्या संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजनयिक भारतीयता के आकर्षण को त्यागकर न्यूयॉर्क वापस लौट जाएंगे, और अपनी 30वीं किताब लिखेंगे? तथ्य यह है कि भले ही केरल में थरूर की ज़मीनी पकड़ रमेश चेन्निथला, वीडी सतीसन और केसी वेणुगोपाल जैसे नेताओं जितनी मज़बूत न हो, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर वे ही हैं, न कि ये तीनों- वेणुगोपाल भी नहीं, हालांकि, उन्हें गांधी परिवार का मज़बूत समर्थन हासिल है। बेशक, यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगी, लेकिन अगर रामचंद्र गुहा जैसे बुद्धिजीवी थरूर का समर्थन कर रहे हैं, तो केरल में भी ज़मीन थोड़ी बदल सकती है। बिना शक यह दलील सबको पता है। यह उस व्यक्ति का साथ देने जैसा है जो ठंडे मुल्क से केवल 2009 में आया और फिर भी चार बार लोकसभा सीट जीतने में सक्षम रहा —यह उपलब्धि कोई छोटी नहीं है। इसके अलावा थरूर वेणुगोपाल नहीं हैं, जिनके सिर पर ईश्वर का वरदहस्त है। निश्चित रूप से, कांग्रेस को प्रथम परिवार की सख्त पकड़ से ढीला करना होगा, जो पार्टी की रोजाना की राजनीति की हर करवट और हरकत का दम घोंट रही है। शशि थरूर की महत्वाकांक्षा—भले ही उनको प्रभावशाली ईसाई एवं हिंदू समुदायों का समर्थन हासिल न हो —इस ओर एक स्वस्थ कदम है। इसी बीच, भाजपा दिनो-दिन अपना भारी-भरकम विजयरथ विन्ध्य पर्वतमाला के पार ले जाने में जोर लगा रही है।

आप का नजरिया

पाक पीएम का हास्यास्पद दावा

भारत पाकिस्तान के बीच क्या तुलना की जा सकती है? भारत अतुलनीय, ताकतवर, विकसित होता राष्ट्र है, जबकि पाकिस्तान को दुनिया के कई देश 'नाकाम देश' करार दे चुके हैं। फिर भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने छाती ठोंकते, कुछ उछलते, दावा किया है, मुल्क को भरोसा देने की कोशिश की है कि अगर रब ने चाहा, तो एक दिन पाकिस्तान हिंदुस्तान से आगे होगा! हम खूब मेहनत करेंगे, तो इंशाल्लाह हिंदुस्तान से आगे जरूर जाएंगे। पाकिस्तान के वजीर-ए-आजम की यह गालबजाई हास्यास्पद है। भारत और पाकिस्तान एक साथ स्वतंत्र और संप्रभु देश बने थे, लेकिन आज भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और पाकिस्तान 45वें स्थान पर है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) फिलहाल 336 लाख करोड़ रुपए का है, जबकि पाकिस्तान की कुल अर्थव्यवस्था मात्र 32 लाख करोड़ रुपए की है। भारत की अर्थव्यवस्था 10 गुना अधिक है। पाकिस्तान भीख और दान पर जिंदा है। हाल ही में उसने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 60,000 करोड़ रुपए का उधार मांगा है। कर्ज भारत सरकार पर भी है, लेकिन हमारा प्रधानमंत्री देश-विदेश कर्ज की गुहार लगाता नहीं घूमता। पाकिस्तान कभी चीन, कभी सऊदी अरब या संयुक्त अरब अमीरात, तो कभी कतर आदि देशों से भीख मांगता रहा है। बदले में उसे मुल्क की जमीन-जायदाद पैसा देने वाले देशों को सौंपनी पड़ती है। वहां वे देश अपनी परियोजनाओं को विस्तार देते हैं। भारत और पाकिस्तान की तुलना किस आधार पर की जा सकती है? भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से भी ज्यादा रही है। बजट में 2025-26 की विकास दर भी 6 फीसदी से अधिक आंकी गई है, जबकि पाकिस्तान की विकास दर मात्र 2.38 फीसदी है। इसमें भी कितनी हकीकत है और कितना फसाना है? भारत सरकार अब भी 81 करोड़ से अधिक नागरिकों में प्रति माह मुफ्त अनाज बांट रही है, जबकि पाकिस्तान में आटे की एक बोरी के लिए भी मारा-मारी मची है। मुद्रास्फीति की दर असहनीय है। लोग अनाज और अन्य रोजमर्रा की चीजों के लिए लंबी-लंबी कतारों में लगे रहते हैं, फिर भी असंख्य हाथ खाली रहते हैं। आजीविका मुश्किल है, तो आबोदाना भी नसीब से ही मिल रहा है। यह पाकिस्तान हिंदुस्तान से आगे बढ़ेगा? पाकिस्तान ने आईएमएफ से जितना उधार मांगा है, उतनी तो भारत सरकार खाद पर सबसिडी दे देती है। लोकसभा में पेश किए गए बजट में संघशासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर के लिए ही 41,000.07 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कितना भी उछलते रहें या छाती ठोंक लें, लेकिन हजारों साल तक पाकिस्तान भारत को पीछे नहीं कर सकता। उन्होंने यह दावा तब किया है, जब अमरीकी संसद में एक प्रस्ताव रखा गया है कि पाकिस्तान में जम्हूरियत (लोकतंत्र) ही नहीं है। वहां के सेना प्रमुख और आतंकियों में नापाक गठजोड़ है। हुकूमत असहाय है। अमरीकी संसद ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख पर 'पाबंदी' लगाने तक की बात कही है। भारत के राजनयिक क्षितिज त्यागी ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के मंच पर पाकिस्तान को न केवल 'नाकाम देश' करार दिया, बल्कि यह भी कहा कि ऐसे देश पर चर्चा करने में परिषद कीमती वक्त बर्बाद कर रही है।

रूस-यूक्रेन मुद्दे पर लंदन में बड़ी बैठक, यूरोप के दिग्गज करेंगे मंथन

लंदन, 03 मार्च (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन मुद्दे पर ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर की अगुवाई में रविवार को बैठक बुलाई गई है जिसमें यूरोप के तमाम दिग्गज हिस्सा ले रहे हैं। जर्मनी के निवर्तमान चांसलर और अन्य प्रमुख नेताओं को बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच हुई तीखी बहस के बाद हो रही इस बैठक पर दुनिया भर की निगाहें हैं।

इस बीच अमेरिका से वापस लौटे जेलेंस्की शनिवार को लंदन पहुंचे जहां उनका जबर्दस्त स्वागत किया गया। ब्रिटेन ने उन्हें 2.84 बिलियन डॉलर के ऋण की घोषणा की।

रूस-यूक्रेन के मुद्दे पर लंदन में होने जा रही महत्वपूर्ण बैठक के लिए ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर ने यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, नाटो महासचिव मार्क रुटे और यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा को भी आमंत्रित किया है। पोलिश पीएम डोनाल्ड टस्क, इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की भी इसमें हिस्सा लेंगे।

ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच हुई तीखी बहस के बाद हो रही इस आपात बैठक का उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराना और कीव की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

इस मुद्दे पर ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका के रुख में आए ताजा बदलाव के बाद यूरोपीय देशों के नेता अपने एक्शन प्लान पर चर्चा करेंगे।

इसमें ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच हुई तीखी बहस पर भी चर्चा होगी। यूरोपीय देश चाहेंगे कि जेलेंस्की और ट्रम्प के बीच संबंध सामान्य बना रहे और यूक्रेन के मुद्दे पर अमेरिका हमेशा साथ रहे।

इसके साथ ही बैठक के दौरान अमेरिका पर यूरोप की निर्भरता कम करने को लेकर भी चर्चा होगी।

न्यूज ब्रीफ

शव के साथ सफर मामले पर कतर एयरवेज की आई सफाई

मेलबर्न। कतर एयरवेज इन दिनों सुर्खियों में है। एक ऑस्ट्रेलियाई कपल ने फ्लाइट में यात्री के शव के साथ यात्रा करने को लेकर नाराजगी जताई थी। अब एयरलाइन ने इस पूरे मामले पर सफाई दी है। यह घटना मेलबर्न से दोहा जा रही कतर एयरवेज की फ्लाइट में हुई। यह यात्रा 14 घंटे लंबी थी। उड़ान के दौरान एक महिला यात्री की मृत्यु हो गई। उसी फ्लाइट में सफर कर रहे मिशेल रिंग और जेनिफर कॉलिन नाम के ऑस्ट्रेलियाई कपल ने दावा किया कि एयरलाइन ने शव को उनके ठीक बगल में बैठा दिया और उसे कंबल से ढक दिया गया। मिशेल रिंग ने बताया, कि क्रू ने पहले शव को बिजनेस क्लास में ले जाने की कोशिश की। लेकिन महिला का वजन ज्यादा होने के कारण उसे गलियारे (कॉरिडोर) से ले जाना संभव नहीं था। इसलिए शव को उन्हीं की सीट के पास रखा गया। दूसरी तरफ कपल ने शव को किसी अन्य खाली सीट पर शिफ्ट करने का अनुरोध किया, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। यह स्थिति लगभग 4 घंटे तक बनी रही। जब यह मामला चर्चा में आया, तो कतर एयरवेज ने अपनी सफाई पेश की और एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि हमारी क्रू टीम ने पूरी स्थिति को पेशेवर और उचित तरीके से संभाला। हमने इंडस्ट्री स्टैंडर्ड और ट्रेनिंग के अनुसार ही काम किया। मृतक के शव के साथ चालक दल का एक सदस्य लगातार मौजूद था। अन्य यात्रियों को सीटें आवंटित कर दी गई थीं, इसलिए शव को स्थानांतरित करना संभव नहीं था। मृतक के परिवार और प्रभावित यात्रियों को सहायता और मुआवजा दिया जाएगा। यहां बताते चलें कि इससे पहले, कतर एयरवेज ने इस घटना के लिए माफी भी मांगी थी।

संजय भंडारी को कोर्ट से मिली राहत अपील स्वीकार

लंदन। लंदन उच्च न्यायालय ने रक्षा क्षेत्र के सलाहकार संजय भंडारी की भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील को मंजूर कर लिया है। 62 वर्षीय भंडारी पर कर चोरी और धन शोधन के आरोप हैं। लॉर्ड न्यायमूर्ति टिमोथी होलोयडे और न्यायमूर्ति करेन स्टेन ने मानवाधिकारों के उल्लंघन का हवाला देते हुए यह फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि तिहाड़ जेल में उन्हें जबरन वसूली और हिंसा का वास्तविक खतरा हो सकता है। इसी के साथ भारत सरकार के प्रत्यर्पण आदेश को अदालत ने किया अस्वीकार कर दिया है। गौरतलब है कि नवंबर 2022 में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट ने भंडारी के प्रत्यर्पण का आदेश दिया था, जिसे ब्रिटेन की तत्कालीन गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने मंजूरी दी थी। लेकिन लंदन उच्च न्यायालय ने अब इस आदेश को निरस्त कर दिया। अदालत के फैसले में कहा गया कि भंडारी को अन्य कैदियों और जेल अधिकारियों से धमकी या हिंसा का वास्तविक खतरा हो सकता है। तिहाड़ जेल की अत्यधिक भीड़भाड़ और कम स्टाफिंग का हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि भंडारी एक अमीर व्यक्ति होने के कारण जबरन वसूली के लिए एक आसान लक्ष्य हो सकते हैं। भारत सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन से भंडारी की सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलती। लंदन उच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद भारत सरकार के पास अब सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का विकल्प बचा है। हालांकि, इस फैसले से संजय भंडारी को बड़ी कानूनी जीत मिली है और वह फिलहाल ब्रिटेन में ही रह सकेंगे।

नदी में पोत और नौका की टक्कर से 11 की मौत, 5 लापता

बीजिंग। चीन के हुनान प्रांत में स्थित युआनशुई नदी में एक तेल रिसाव साफ करने वाले पोत और छोटी नौका

की टक्कर से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग अब भी लापता हैं। चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार, यह हादसा विगत दिवस तब हुआ, जबकि 19 लोग पानी में गिर गए। इनमें से तीन लोगों को उसी दिन बचा लिया गया। हादसा उस जगह हुआ, जहां नदी की गहराई 60 मीटर (200 फुट) से अधिक और चौड़ाई 500 मीटर (1600 फुट) है। राहत एवं बचाव दल लापता लोगों की तलाश में जुटा हुआ है। घटना के संबंध में एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें दिखाया गया कि शांत पानी में तेल रिसाव साफ करने वाला एक बड़ा पोत नौका को पीछे से टक्कर मारता है, जिससे नौका पलट जाती है।

ट्रंप से पंगा जेलेंस्की को पड़ेगा महंगा अमेरिका मदद देना कर सकता है बंद

कीव, 03 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच विवाद हो गया है। कैमरे के सामने दोनों में खूब बहस हुई, जिसने काफी खराब रुख अख्तियार कर लिया। यहां तक कि ट्रंप ने जेलेंस्की को वहां से जाने तक का कह दिया। अब इस विवाद से यूक्रेन और अमेरिका के रिश्ते पर भी असर पड़ेगा। ये विवाद ऐसे समय हुआ है, जब यूक्रेन को रूस से युद्ध में अमेरिकी मदद की जरूरत है। ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिका अब यूक्रेन को मदद कम कर सकता है और जेलेंस्की का यूक्रेन को नाटो में शामिल करने का सपना भी टूट सकता है। यूक्रेन को जेलेंस्की का ट्रंप से उलझना काफी महंगा पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जेलेंस्की अमेरिका के साथ एक खनिज सौदे पर बातचीत करने और युद्ध में समर्थन देने के लिए वॉशिंगटन आए थे। जेलेंस्की का कहना है कि ओवल ऑफिस में ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत दो ऐतिहासिक रूप से सहयोगी राष्ट्रों के नेताओं के बीच तीखी बहस में बदल गई, जिसका उन्हें अफसोस है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारा जा सकता है। यूक्रेन के लिए फिलहाल बड़ा मुद्दा अमेरिका के साथ अपने संबंधों को बचाना है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका का समर्थन खोना उसके लिए बहुत नुकसान साबित हो सकता है। यूक्रेन फिलहाल रूसी सेनाओं के हमले का सामना कर रहा है। युद्ध की शुरुआत से ही जेलेंस्की नाटो में यूक्रेन की एंट्री पर जोर दे रहे हैं। इस घटना के बाद ट्रंप यूक्रेन के लिए नाटो के दरवाजे पूरी तरह से बंद कर सकते हैं। यूक्रेन के सामने युद्ध के बाद भी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। इस बहस के बाद ट्रंप की ओर से प्रस्तावित खनिज समझौता भी अधर में लटक गया है। इससे यूक्रेन को अमेरिकी हथियारों का भुगतान करने के लिए संघर्ष करना पड़ा सकता है। यूक्रेन और जेलेंस्की को इस विवाद के बाद यूरोप का खुला समर्थन मिला है। इस विवाद के बाद यूरोपीय यूनियन की विदेश नीति प्रमुख ने कहा कि हम यूक्रेन के साथ हैं। हम यूक्रेन के प्रति अपना समर्थन बढ़ाएंगे ताकि वे रुस से लड़ना जारी रखे। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी और दूसरे यूरोपीय नेताओं ने कहा है कि वह जेलेंस्की को समर्थन जारी रखेंगे। इस विवाद में अब तक, जर्मनी, स्पेन, फ्रांस, पोलैंड, स्वीडन, नॉर्वे, मोल्दोवा, आयरलैंड, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड, डेनमार्क, एस्टोनिया, लिथुआनिया, लातविया, चेक गणराज्य, फिनलैंड, पुर्तगाल, क्रोएशिया, यूरोपीय संसद, यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के नेताओं के बयान आ चुके हैं।

जो असली बच्चा नहीं, उसे भी महिला ने लगाए रखा है कलेजे से

लंदन। हाल ही में एक महिला ने खुलासा किया है कि उसके दो शिशुओं में से एक असली नहीं है। कई महिलाएं अपना बच्चा पैदा होने के बाद गोद लिए हुए बच्चे को खुद से दूर कर देती हैं, वहीं इस महिला ने तो उसे भी अपने कलेजे से रखा है जो असली नहीं है, जिसकी वजह भी हैरान करने वाली है। ऐसा नहीं है कि असल में मां बनने से पहले ही मैडी ने डॉल अपनाई थी। वे केवल 18 साल की थीं, जब उनकी पहली संतान हुई थी। नन्हीं बच्ची ओफेलिया ने उनके जीवन में खुशियां भर थी। लेकिन जल्दी ही वे 18 महीने की हो गई और मैडी नवजात शिशु की कमी फिर से महसूस करने लगीं। लेकिन मैडी ने अपनी समस्या का अनूठा समाधान निकाला, वह एक नन्हीं सी डॉल की भी देखभाल ओफेलिया के साथ ही करती है। वे खुद को इस रीबॉर्न डॉल की रीबॉर्न मॉम कहती हैं। डॉल का नाम फॉरेस्ट है। दिलचस्प बात ये है कि मैडी फॉरेस्ट को बिलकुल जिंदा इंसान की तरह रखती हैं। यहां तक कि उसके अलग से कपड़े, चेंजिंग एरिया और बॉटल भी है। अगर आपको शायद यह काफी नहीं लग रहा तो, बात यहीं तक नहीं है। जब फॉरेस्ट पोस्ट से आई थी, तो उसके साथ उसका बर्थ सर्टिफिकेट, जन्म की तारीख, पैदाइश के समय का वजन, सारी जानकारी आई थी और साथ ही उसके कपड़ों पर लिखा था, आई लव माय मम्मी! इस तरह की डॉल को रीबॉर्न बेबीज़ कहते हैं। मैडी को इनकी जानकारी एक टीवी डॉक्यूमेंट्री से मिसी थी और उसी के बाद से उन्होंने इन्हें अपनाने का फैसला कर लिया था।रीबॉर्न बेबी की कीमत 33 हजार रुपयों से लेक 22 लाख रुपयों से भी ज्यादा तक होती है।

कुत्ते के अनोखे आकार की वजह से तेजी से वायरल हो तस्वीर

शंघाई, 03 मार्च (एजेंसियां)।

चीन के शख्स ने नदी किनारे एक पहाड़ की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है जिसके अनोखे कुत्ते के आकार की वजह से तेजी से वायरल हो गई। शंघाई के रहने वाले गुओक्विंगशान ने चीनी सोशल मीडिया मंच जिआओहोंग्शू जिसे रेडनोट के नाम से भी जाना जाता है, पर यह तस्वीर शेयर की।

उन्होंने हुबेई प्रांत के यीचैंग से वैलेंटाइन डे के मौके पर जो तस्वीर खींची थी। उनकी तस्वीर देख लोगों को होश यूं उड़े उसमें पहाड़ देख ऐसा लग रहा था कि जैसे कि कोई कुत्ता यांग्त्जी नदी के किनारे बैठा है। डिजाइनर गुओ की भी हैरानी की ठिकाना नहीं रहा जब उन्होंने देखा कि उनकी पोस्ट को 10 दिन के अंदर ही एक लाख 20 हजार से अधिक लाइक मिले।

उन्होंने भी माना कि तस्वीर वाकई जादुई और बहुत ही सुंदर है। उसे देखकर एक मासूम से कुत्ते की याद आती है। उसे खोजने के बाद उनकी खुशी की ठिकाना नहीं रहा था।तब से अब तक वीडियो को लाखों बार देखा जा चुका है। खास बात ये है कि यह तस्वीर डॉग लवर्स को ज्यादा पसंद आ रही है। यह भी पहाड़ पपी माउंटेन के नाम से मशहूर है। गुओ ने भी अपनी पोस्ट में जोड़ा कि आकृति ऐसी है जैसे लग है कि पपी पानी पी रहा है या किसी मछली की तलाश में है। खुद चीन में इस तस्वीर को देख कर यहां आकर इस पपी माउंटेन को देखा है। एक यूजर ने यह तक लिखा कि अब जब भी संभव होता है तो वह हमेशा ही अपने कुत्ते के साथ ही इस पहाड़ की यात्रा करती हैं। पपी माउंटेन और उनके कुत्ते में काफी समानता है।

इंस्टाग्राम पर भी लोगों ने नजारे को अपनी अपनी तरह से बताया है। किसी को यह बहुत कूल लगा तो किसी को यह नजारा किसी फिल्म के कुत्ते जैसा लगा है। यीचांग की आबादी 39 लाख से अधिक है। शहर अपे 3 गॉर्जेस और गेझोउबा डैम के लिए मशहूर है। बता दें कि दुनिया में बहुत ही भूआकृतियां हैं जो अनूठे नजारे बना कर चौंका देती हैं। पर कई बार कुछ नजारों को देख कर यकीन नहीं होती है कि यह वाकई कोई कुदरती संरचना है या फिर इंसानों ने ही इसे आकार दिया है।

दक्षिण-पश्चिम पाकिस्तान में वाहन में विस्फोट

दक्षिण-पश्चिम पाकिस्तान के क्वेटा में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट के दौरान क्षतिग्रस्त वाहन की जांच करते सुरक्षाकर्मी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में बम विस्फोट होने से सुरक्षाकर्मियों सहित दस लोग घायल हो गए।

भारत में चल रहे ट्रांसजेंडर क्लीनिक बंद, एलन मस्क ने कसा तंज

सैन फ्रांसिस्को, 03 मार्च (एजेंसियां)।

भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए शुरू किए गए तीन क्लिनिक बंद हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक अमेरिकी एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट द्वारा दी जाने वाली फंडिंग पर रोक लगने के बाद यह कदम उठाया गया है। इस फंडिंग में कटौती से करीब पांच हजार लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में सभी विदेशी सहायता पर रोक लगा दी थी। यह फैसला उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत लिया गया, जिसके अंतर्गत अमेरिकी करदाताओं के पैसे से वित्त पोषित सभी परियोजनाओं की समीक्षा की जा रही है।

ट्रंप ने पहले भी इस संस्था द्वारा भारत में मतदाता जागरूकता पर 21 मिलियन डॉलर खर्च करने की आलोचना की थी। भारत सरकार ने पिछले सप्ताह इस मामले की जांच शुरू करने की बात कही थी। इस घटना ने भारत और अमेरिका दोनों में राजनीतिक बहस छेड़ दी है। ट्रंप के सहयोगी एलन मस्क और रिपब्लिकन सीनेटर जॉन केनेडी ने इस तरह की फंडिंग की आलोचना की है। मस्क ने सोशल मीडिया एक्स पर तंज कसते हुए कहा कि अमेरिकी करदाताओं के पैसों से ये सब हो रहा था।

बता दें कि इन क्लिनिकों का नाम मित्र क्लिनिक रखा गया था, जो मुख्य रूप से ट्रांसजेंडर समुदाय के डॉक्टरों, काउंसलरों और अन्य कर्मचारियों द्वारा संचालित की जाती थीं। ये क्लिनिक हैदराबाद, कल्याण और पुणे शहरों में स्थित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इन क्लिनिकों ने करीब पांच हजार लोगों को सेवाएं प्रदान कीं, जिनमें हार्मोन थेरेपी, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, एचआईवी और अन्य यौन संचारित रोगों से संबंधित काउंसलिंग, कानूनी सहायता और सामान्य चिकित्सा देखभाल शामिल है। मीडिया रिपोर्ट में एक सूत्र ने बताया कि हर क्लिनिक को सालाना करीब 30 लाख रुपए की जरूरत थी और इनमें औसतन 8 कर्मचारी काम करते थे। फंडिंग बंद होने के बाद अब ये क्लिनिक वैकल्पिक स्रोतों से धन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

चीन के हाथ लगा बड़ा खजाना, बिजली की टेंशन होगी खत्म, भारत पहले से ही मालामाल

बीजिंग, 03 मार्च (एजेंसियां)।

चीन के एक राष्ट्रीय सर्वे में चीन के पास थोरियम के अथाह भंडार का पता चला है। कुछ विशेषज्ञों के अनुमान के अनुसार, पूरी तरह से दोहन किए जाने पर बायन ओबो खनन परिसर दस लाख टन थोरियम पैदा कर सकता है, जो चीन को 60,000 वर्षों तक ईंधन देने के लिए पर्याप्त है। खास बात ये है कि भारत के पास भी थोरियम का बहुत बड़ा भंडार है। रिपोर्टों के अनुसार, वर्तमान में भारत का थोरियम भंडार दुनिया में सबसे बड़ा है।

भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग ने देश में उपलब्ध थोरियम के विशाल भंडार को दीर्घकालिक विकल्प के रूप में इस्तेमाल की योजना बनाई है। रिपोर्ट में बताया है कि यह रेडियोधर्मी धातु अकेले वैश्विक ऊर्जा उत्पादन में क्रांति ला सकती है, जिससे जीवाश्वम ईंधन पर दुनिया भर की निर्भरता खत्म हो सकती है। चीन के पास पहले ही बड़ा थोरियम भंडार मौजूद है।

हालांकि, 2020 में किए गए सर्वे की क्लासीफाइड रिपोर्ट के अनुसार, यह वास्तव में पिछले अनुमानों से कई गुना अधिक हो सकते हैं। जनवरी में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, इनर मंगोलिया में एक लौह अयस्क साइट से केवल पांच साल के खनन अपशिष्ट में इतना थोरियम है कि अमेरिका की घरेलू ऊर्जा की मांगों को 1000 से अधिक वर्षों तक पूरा कर सकता है।

खास बात ये है कि भारत के पास भी थोरियम का बहुत बड़ा भंडार है। रिपोर्टों के अनुसार, वर्तमान में भारत का थोरियम भंडार दुनिया में सबसे बड़ा है।

भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग ने देश में उपलब्ध थोरियम के विशाल भंडार को दीर्घकालिक विकल्प के रूप में इस्तेमाल की योजना बनाई है।थोरियम एक चांदी के रंग की धातु है जिसका नाम पुराने स्कैंडिनेवियन देवता थोर के नाम पर रखा गया है।

यह यूरेनियम की तुलना में 200 गुना अधिक ऊर्जा पैदा करता है। यूरेनियम रिएक्टरों के विपरीत थोरियम मोल्टेन-साल्ट रिएक्टर छोटे होते हैं। पिघल नहीं सकते और उन्हें पानी से ठंडा करने की आवश्यकता भी नहीं होती है। इसके अलावा वे रेडियोधर्मी अपशिष्ट भी कम मात्रा में छोड़ते हैं।

रणजी ट्रॉफी विजेता विदर्भ को मिले पांच करोड़ रुपए चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल की इनामी राशि के है बराबर

मुम्बई, 03 मार्च (एजेंसियां)। इस बार रणजी ट्रॉफी विजेता रही विदर्भ को पांच करोड़ की इनामी राशि मिली है जबकि पिछले सत्र में ये 2 करोड़ रुपये थी। ये चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली टीम को मिलने वाली राशि के बराबर है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट को प्रौत्साहित करने के लिए राशि को बढ़ाया है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने ट्वीट कर इस बदलाव की जानकारी दी थी, जिसका लक्ष्य घरेलू क्रिकेट को और प्रोत्साहित करना है।

यह राशि घरेलू क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के करीबी लाने की बोर्ड की पहल का हिस्सा है। जहां चैंपियंस ट्रॉफी में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेती हैं, वहीं रणजी ट्रॉफी भारत का शीर्ष स्तर का घरेलू टूर्नामेंट है। इससे पता चलता है कि भारत में क्रिकेट घरेलू स्तर पर अब पहले से कहीं ज्यादा सम्मान और महत्व हासिल कर रहा है। इस प्रकार चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचना और रणजी ट्रॉफी जीतना इनाम राशि के मामले में तकरीबन बराबर हो गया है।

इसके पीछे बीसीसीआई का घरेलू क्रिकेट को मजबूत करने का लक्ष्य है। है। इसी के तहत नई इनामी राशि के तहत रणजी ट्रॉफी विजेता का इनाम 2 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दिया गया। वहीं उपविजेता को भी अब 3 करोड़ रुपये मिले हैं जबकि पहले ये 1 करोड़ रुपये थे। वहीं अन्य टूर्नामेंट्स में भी बढ़ोतरी हुई है, जैसे दलीप ट्रॉफी विजेता को अब 1 करोड़ रुपये जबकि पहले 40 लाख रुपये मिलते थे। वहीं विजय हजारे ट्रॉफी के विजेता को भी 30 लाख रुपये की जगह 1 करोड़ रुपये और सीनियर विमेंस वनडे ट्रॉफी विजेता को 50 लाख रुपये मिल रहे हैं जबकि पहले 6 लाख रुपये मिलते थे। बीसीसीआई का यह कदम घरेलू खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

वहीं, चैंपियंस ट्रॉफी के इस सत्र में कुल इनामी राशि 6.9 मिलियन डॉलर है। ये साल 2017 के संस्करण से 53 फीसदी अधिक है। इसमें विजेता को 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.5 करोड़ रुपये) और उपविजेता को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.78 करोड़ रुपये) मिलेंगे। वहीं सेमीफाइनल में हारने वाली टीम को 560,000 डॉलर यानी करीब 4.89 करोड़ रुपये की राशि मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

वरुण ने स्टुअर्ट बिन्नी का रिकॉर्ड तोड़ा

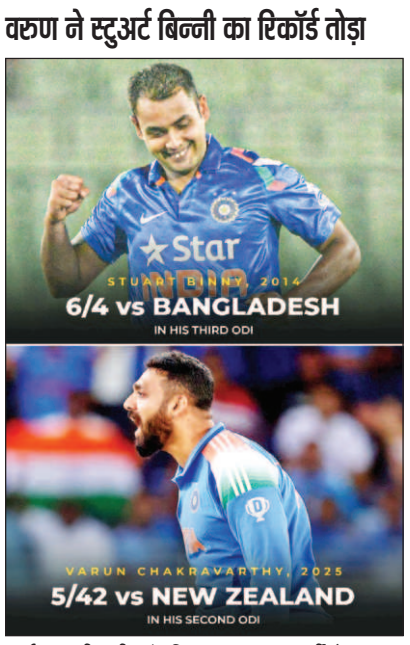

दुबई। भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही वरुण भारतीय टीम की ओर से अपने दूसरे ही एकदिवसीय में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड स्टुअर्ट बिन्नी के नाम पर था। स्टुअर्ट ने साल 2014 में अपने तीसरे ही एकदिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ 6 रन देकर 4 विकेट लिए थे। वहीं अब वरुण एकदिवसीय करियर में सबसे कम मैचों के अंदर पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में इससे पहले भारतीय टीम की ओर से रविन्द जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 36 रन देकर पांच विकेट लिए थे। वरुण ने रिकॉर्ड बनाने के बाद कहा कि सबसे पहले तो मुझे शुरुआती दौर में घबराहट महसूस हुई। मैंने एकदिवसीय प्रारूप में भारत के लिए ज्यादा मैच नहीं खेले हैं पर जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, मुझे बेहतर महसूस हुआ।

कृष्णा जयशंकर ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, माउंटेन वेस्ट इंडोर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली। भारत की कृष्णा जयशंकर ने माउंटेन वेस्ट इंडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में शानदार

प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय कृष्णा ने 16.03 मीटर के प्रयास के साथ न केवल पोडियम पर जगह बनाई, बल्कि भारतीय इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। नेवादा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रही कृष्णा ने शनिवार को हुए फाइनल में अपने अंतिम प्रयास में 16.03 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे उन्होंने 2023 में महाराष्ट्र के पूर्णाराव राणे द्वारा स्थापित 15.54 मीटर के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस प्रतियोगिता में कोलोराडो विश्वविद्यालय की मैया लेंसर ने 19.02 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी गैबी मोर्न्स ने 17.09 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक पर कब्जा जमाया। न्यू मैक्सिको राज्य के अल्बुकर्क में आयोजित इस प्रतिष्ठित इनडोर प्रतियोगिता में कृष्णा के शानदार प्रदर्शन ने भारतीय एथलेटिक्स में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

जोशुआ चेप्टेगी ने 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। युगांडा के दिग्गज धावक जोशुआ चेप्टेगी ने जापान के टोक्यो में आयोजित मैराथन में शानदार

प्रदर्शन करते हुए 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी ने रविवार को टोक्यो मैराथन में 2 घंटे 5 मिनट 59 सेकंड का समय निकालते हुए नौवां स्थान हासिल किया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए निर्धारित 2:06:30 के क्वालीफाइंग समय को पार कर लिया। इस रेस में इथियोपिया के टाडेस ताकेले ने पहला स्थान प्राप्त किया। चेप्टेगी ने क्वालीफाई करने पर खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं कि मैं अपनी दूसरी मैराथन में शीर्ष 10 में जगह बना सका। ट्रैक से मैराथन में आने के बाद से मैं अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं। युगांडा के ही एक अन्य धावक, स्टीफन किस्सा, 25वें स्थान पर रहे लेकिन क्वालीफाइंग समय को पार करने में असफल रहे। गौरतलब है कि चेप्टेगी ने पिछले साल 42 किमी मैराथन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 5,000 मीटर और 10,000 मीटर की दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने 2023 में वालेंसिया मैराथन में अपना डेब्यू किया था, जहां वे 37वें स्थान पर रहे थे।

संशोधित- चैंपियंस ट्रॉफी : सेमीफाइनल में भारत-ऑस्ट्रेलिया की टक्कर, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका आमने-सामने

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। भारत मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। भारत ने रविवार को अपने अंतिम ग्रुप-स्टेज मुकाबले में न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराकर अंतिम चार में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले की पटकथा लिखी थी। वहीं, न्यूजीलैंड बुधवार को लाहौर में खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा।

पेचीदा शेड्यूलिंग का असर

टूर्नामेंट के शेड्यूलिंग फैसलों के कारण ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों पहले ही दुबई पहुंच चुके थे। आईसीसी के एक अधिकारी ने बताया कि 4 मार्च को दुबई में सेमीफाइनल खेलने वाली टीम (ऑस्ट्रेलिया) को तैयारी के लिए अधिकतम समय देने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम को असुविधा हुई, क्योंकि उन्हें दुबई से पाकिस्तान लौटना पड़ेगा।

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा

न्यूजीलैंड सोमवार को दुबई से लाहौर के लिए उड़ान भरेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका लगभग 36 घंटे दुबई में बिताने के बाद पाकिस्तान लौटेगा। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने कहा, हम 12.30 या 1 बजे (दुबई) से निकलेंगे। हम वहां पहुंचकर आराम करेंगे, प्रशिक्षण लेंगे और पूरी तरह तैयार होंगे।

सेमीफाइनल को लेकर रोहित शर्मा का उत्साह भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नजर आए। भारत चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण में अपने सभी मैच जीतने वाली एकमात्र टीम रहा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद रोहित ने कहा, इतने छोटे टूर्नामेंट में गति बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। हम हर मैच जीतने की कोशिश कर रहे हैं और गलतियों को जल्दी सुधारना ही सफलता की कुंजी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल को लेकर उन्होंने कहा, यह एक बड़ा मुकाबला होने जा रहा है। हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। यह हमारे लिए अपनी रणनीति सही तरीके से लागू करने का अवसर है। हमें इस मुकाबले का इंतजार है और उम्मीद है कि हम एक और जीत दर्ज कर सकेंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: चोटिल मैट शॉर्ट की जगह कूपर कोनोली ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

दुबई, 03 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल से पहले अपनी चैंपियंस ट्रॉफी टीम में बदलाव किया है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट के चोट के कारण बाहर होने के बाद युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिनर कूपर कोनोली को टीम में शामिल किया गया है।

शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले के दौरान चोट लगी थी, जिससे वे नॉकआउट मुकाबलों के लिए फिट नहीं हो सके। 21 वर्षीय कोनोली पहले से ही टीम के साथ यात्रा रिजर्व के रूप में मौजूद थे, जिससे वे तुरंत चयन के लिए उपलब्ध हो गए हैं।

सेमीफाइनल में भारत से मुकाबला, टीम संयोजन पर विचार

ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले सेमीफाइनल में भारत का सामना करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद भारत सेमीफाइनल में पहुंचा है।

टीम प्रबंधन अब यह तय करेगा कि कोनोली को सीधे प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाए या फिर विकल्पों पर विचार किया जाए। यदि चयनकर्ता शीर्ष क्रम में बदलाव करना चाहते हैं, तो जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका दिया जा सकता है। वहीं, यदि टीम एक अतिरिक्त स्पिनर चाहती है, तो तनवीर संघा के चयन पर विचार किया जा सकता है।

स्पिनरों की भूमिका अहम, ज़म्पा ने दी प्रतिक्रिया

दुबई की पिच को देखते हुए स्पिनरों की अहम भूमिका होगी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 37.3 ओवर की स्पिन गेंदबाजी कराई थी, जिसमें वरुण चक्रवर्ती ने 42 रन देकर 5 विकेट झटके थे।

ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम ज़म्पा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, टूर्नामेंट की प्रकृति को देखते हुए हमें अलग-अलग परिस्थितियों में खेलना पड़ा है। पाकिस्तान और दुबई की परिस्थितियों में थोड़ा अंतर है। पिच धीमी हो सकती है, जिससे विकेट लेने के और मौके बन सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कर रहा हूं, लेकिन इसके बावजूद टीम के लिए योगदान देना और अहम विकेट लेना मेरे लिए महत्वपूर्ण है।

वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप 2025

तेलंगाना टूरिज्म कप पर फ्रांस का कब्जा

हैदराबाद, 3 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद पोलो एंड राइडिंग क्लब द्वारा आयोजित वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप 2025 - तेलंगाना टूरिज्म कप के बहुप्रतीक्षित फाइनल में फ्रांस और इंडिया के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। चार चक्कर तक चले इस मुकाबले में प्रशंसक अपनी सीटों से चिपके रहे।

फ्रांस ने शुरुआती चक्कर से ही बढ़त हासिल कर ली और तेजी से चार गोल दागकर भारत पर दबाव बनाया। भारत ने दो गोल दागकर जोरदार जवाब दिया, हालांकि पहले हाफ में फ्रांसीसी टीम बेहतर थी।

भारत द्वारा एक गोल दागने और दूसरे चक्कर में फ्रांस द्वारा दो और गोल दागने के बाद परिणाम 6-3 से फ्रांस के पक्ष में रहा।

फ्रांस ने तीसरे चक्कर में अपना दबदबा बनाए रखा और दो और गोल दागे, जबकि भारत को बराबरी बनाए रखना मुश्किल लगा और वह सिर्फ एक गोल ही कर सका। तीसरे चक्कर के पूरा होने पर भी फ्रांस आगे था।टीम इंडिया ने दो तेज़ गोल करके स्कोर को 8-8 से बराबर कर दिया, जिससे अंतिम चक्कर रोमांचक हो गया। फ्रांस ने दो तेज़ गोल करके 10-8 से जीत हासिल की और वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता।

खेल को देखने के लिए उत्साही दर्शक उमड़ पड़े और दोनों पक्षों के प्रशंसकों ने एक रोमांचक माहौल बनाया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में टीम फ्रांस की जीत पोलो की एक बड़ी उपलब्धि है।

सुरेश खंडेलवाल गैलेक्सी इम्पेक्स के मालिक और अध्यक्ष ने फ्रेंच टीम को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर एचपीआरसी के अध्यक्ष चैतन्य कुमार, एड आर्मस्ट्रांग एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप 2025 समापन के बाद भव्य रैम्प वॉक का आयोजन किया गया जिसमें पोलो खिलाड़ी, स्नैप इंडिया के संपादक शम्सुद्दीन एवं अन्य उपस्थित थे। अंतरराष्ट्रीय डिजाइनर जोइता सेन द्वारा आयोजित शानदार फैशन शो में रैंप पर महिला मॉडलों ने अपना जलवा बिखेरा।

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ से हटाया प्रतिबंध, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने का रास्ता साफ

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगे निलंबन को हटा लिया है। यह फैसला पीएफएफ असाधारण कांग्रेस द्वारा सुझाए गए संवैधानिक परिवर्तनों को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया।

पीएफएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 27 फरवरी को पीएफएफ असाधारण कांग्रेस के सफल नतीजे के बाद फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटा दिया है और उसके पूर्ण सदस्यता अधिकार बहाल कर दिए हैं।

संस्था ने आगे कहा कि वह फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है और पाकिस्तान फुटबॉल समुदाय को बधाई देता है।

तीसरी बार लगा था प्रतिबंध

फीफा ने 2017 और 2021 में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान पर दो बार प्रतिबंध लगाया था। 2019 में, संगठन ने पीएफएफ के संचालन और चुनावों की निगरानी के लिए एक सामान्यीकरण समिति गठित की थी। हाल ही में, 7 फरवरी 2025 को फीफा ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाले संविधान को न अपनाने के कारण पाकिस्तान पर तीसरी बार प्रतिबंध लगाया था। लेकिन अब फीफा द्वारा अनुमोदित संविधान में बदलाव के बाद पीएफएफ को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की स्थिति पाकिस्तान फुटबॉल टीम का प्रदर्शन बीते वर्षों में निराशाजनक रहा है। टीम 1962 मर्डेका कप और 1997 सैफ चैंपियनशिप में उपविजेता रही थी। हाल ही में, पाकिस्तान ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे निचले स्थान पर रहा। उसका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला ताजिकिस्तान के खिलाफ था, जिसमें उसे 0-3 से हार मिली थी। फीफा की ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान 198वें स्थान पर है। अब टीम अगले 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में खेलेगी, जहां उसे सीरिया, म्यांमार और अफगानिस्तान के साथ मुकाबला करना है। पाकिस्तान 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये से लेकर 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये से लेकर 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी दर्ज की गई है, जिसे कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

आईफोन 15 फोन पर चल रहे हैं कार्ड डिस्काउंट

नई दिल्ली। अगर आप आईफोन खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, यह समय आपके लिए उपयुक्त है। वर्तमान में आईफोन 15 फोन पर कार्ड डिस्काउंट चल रहे हैं। इसकी वजह से फोन की कीमत ज्यादा डाउन हो गई है। आप भी इसे खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो हम कुछ टिप्स देने जा रहे हैं। एप्पल आईफोन 15 (128जीबी) की एमआरपी 69,900 रुपए है, लेकिन आप इसे फ्लिपकार्ट पर 7प्रतिशत डिस्काउंट के बाद 64,999 रुपए में खरीद सकते हैं। साथ ही इस पर कार्ड डिस्काउंट भी अलग से चल रहे हैं। फोनपे यूपीआई ट्रांजैक्शन पर करीब 1प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। लीपकार्ट एक्सीस कार्ड से पेमेंट करेंगे तो 5 प्रतिशत का अनलिमिटेड कैशबैक मिलता है। आईडीएफसी फ्रस्ट पावर वूमेन प्लेटिनियम कार्ड से पेमेंट करने पर 5 प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। ऐसे में आपको अलग-अलग डिस्काउंट ऑफर्स हासिल करने पर काफी सस्ता मिल सकता है। पुराना फोन वापस करने पर आपको अलग से डिस्काउंट मिल सकता है। इसे एक्सचेंज ऑफर का नाम दिया गया है। एक्सचेंज ऑफर के तहत आपको ये फोन 39,150 रुपए सस्ता मिल सकता है। लेकिन इतना सस्ता फोन हासिल करने के लिए आपके पुराने फोन की कंडीशन ठीक होनी चाहिए और ये पुराने फोन के मॉडल पर भी डिपेंड करता है। अगर ये डिस्काउंट भी आपको पूरा मिल जाता है तो आईफोन 15 आपको महज 25,849 रुपए में मिल सकता है। फोन की कंपनी की तरफ से 1 साल की वारंटी मिल रही है। आईफोन 15 के फीचर्स को लेकर आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। इस फोन में 6.1 इंच सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले दिया जाता है। फोन में डुअल रियर कैमरा दिया जाता है जिसका प्राइमरी कैमरा 48एमपी मिलता है। साथ ही आईफोन 15 में 12एमपी फ्रंट कैमरा मिलता है। इसकी मदद से आपके लिए सेल्फी या शॉर्ट वीडियो शूट करना आसान हो जाता है।

पैसे नहीं डाले जाने पर बंद हो सकते हैं ये अकाउंट्स

नई दिल्ली। पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाय) अकाउंट में अगर चालू वित्त वर्ष में इनमें पैसे नहीं डाल पाए, तो अकाउंट एक्टिव रखने के लिए 31 मार्च 2025 तक कुछ रुपए जरूर डाल दें। इन अकाउंट में पैसे नहीं डाले जाने पर ये अकाउंट्स बंद हो सकते हैं। अगर न्यूनतम जरूरी रकम नहीं डाली, तो इन्हें दोबारा एक्टिव करवाने के लिए आपको जुर्माना देना पड़ेगा। आपको अपनी इन योजनाओं में मिनिमम निवेश बनाए रखना होता है ताकि यह पता चल सके कि आपका खाता एक्टिव है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड अकाउंट रखने वालों के लिए मिनिमम डिपॉजिट 500 रुपए है यानी आपको इसमें एक वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपए का निवेश करना होता है। ऐसा न करने पर आपका खाता बंद हो सकता है।

बजाज ऑटो की बिक्री फरवरी में दो प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। बजाज ऑटो की फरवरी 2025 में कुल बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 3,52,071 इकाई हो गई। बजाज ऑटो ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने फरवरी 2024 में कुल 3,46,662 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 2,99,418 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,94,684 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत घटकर 1,46,138 इकाई रह गई। पिछले महीने दोपहिया वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 1,53,280 इकाई हो गया। बजाज ऑटो ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसके वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 52,653 इकाई हो गई।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लिवाली का जोर नजर आया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक डेढ़ प्रतिशत से अधिक उछल गए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 92.93 अंक यानी 1.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,954.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 309.66 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,854.08 अंक के स्तर पर के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,816.48 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,809.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,111.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.54 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 22,551.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं।

कोरिया स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से कोस्पी इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स फिलहाल 380.55 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 22,672.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.42 प्रतिशत लुढ़क कर 1,198.64 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,306.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,911.49 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 211.77 अंक यानी 3.38 प्रतिशत उछल कर 6,482.37 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी में 14 महीने के निचले स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली। नये ठेके और उत्पादन में गिरावट के बीच फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में 56.3 अंक पर रहा, जो जनवरी के 57.7 अंक से कम है। हालांकि, विनिर्माण पीएमआई विस्तारकारी क्षेत्र में बना हुआ है। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक विस्तार, जबकि 50 से नीचे का अंक गतिविधियों में संकुचन का संकेत है। एचएसबीसी के भारत में एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कह कि हालांकि, दिसंबर 2023 के बाद से उत्पादन वृद्धि सबसे कमजोर स्तर पर आ गई है, लेकिन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में कुल मिलाकर गति फरवरी में व्यापक रूप से सकारात्मक रही। सर्वेक्षण में कहा गया कि जनवरी के 14 साल के उच्चतम स्तर से कम होने के बावजूद विस्तार की गति तेज थी। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि फरवरी में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार वृद्धि हुई, क्योंकि निर्माताओं ने अपने माल की मजबूत वैश्विक मांग का लाभ उठाना जारी रखा। नौकरी के मोर्चे पर, विनिर्माताओं ने फरवरी में अपने कर्मचारियों की संख्या में विस्तार करना जारी रखा।

एआई युग में भारत रहेगा सबसे आगे : पीयूष गोयल

मुंबई, 03 मार्च (एजेंसियां)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मोदी सरकार की दमदार नीतियों के कारण उद्यमियों और इनोवेटर्स को नई डिजिटल लहर का लाभ उठाने में मदद मिलेगी, जिससे भारत एआई युग में सबसे आगे रहेगा। मुंबई टेक वीक 2025 में अपनी बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, पूंजी और कौशल उपलब्धता में किए जा रहे निवेश के साथ मुंबई भारत का टेक हब बन सकता है।` द्रीय मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, मुंबई टेक वीक 2025 में शानदार बातचीत हुई, जहां मुझे एआई को अपनाने और इसके नैतिक उपयोग में योगदान देने में भारत के लाभ के बारे में विस्तार से बोलने का मौका मिला।

भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने में लीडरशिप पोजीशन स्थापित कर रहा है। देश ने 2024 में 3 बिलियन एआई- रिलेटेड-ऐप डाउनलोड दर्ज किए, जो अमेरिका के 1.5 बिलियन और चीन के 1.3 बिलियन की संख्या से कहीं आगे था। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के अनुसार यह दर्शाता है कि भारत यूज केस कैपिटल ऑफ एआई है, जिसका अर्थ है कि देश केवल एआई के बारे में केवल बात ही नहीं कर रहा है या एआई में केवल रिसर्च ही नहीं कर रहा है; यह असल में इसे बड़े पैमाने पर लागू भी कर रहा है। पिछले महीने पेरिस में एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बारे में बात की कि कैसे एआई केवल एक राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बल्कि एक वैश्विक जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक ऐसा एआई होना बहुत जरूरी है जो नैतिक, इंक्लूसिव और भरोसेमंद हो। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया एआई युग की शुरुआत में थी, जहां यह टेक्नोलॉजी तेजी से मानवता के लिए कोड लिख रही थी और हमारी राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को नया आकार दे रही थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एआई का लाभ सभी तक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की कि भारत अगले एआई सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

परिसीमन से...

दूसरी तरफ, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने प्रदेश को लोगों को आर्य-द्रविड़ बहस के नाम पर नस्लवाद और भाषावाद में फंसने के प्रति सचेत किया है। राज्यपाल ने कहा, इससे पहले कभी भी आर्य को नस्ल के रूप में नहीं देखा गया था। हमारे किसी भी साहित्य में, चाहे संगम साहित्य हो या वैदिक ग्रंथ, आर्यन शब्द को नस्ल के रूप में इस्तेमाल नहीं किया गया है। 2,000 से अधिक वर्षों के हमारे ग्रंथों में आर्य शब्द का मतलब बिल्कुल अलग है। लेकिन पिछले 60-70 वर्षों में एक अलग विचारधारा बनाई गई, जिसमें आर्यों को एक अलग नस्ल के रूप में दिखाया गया और आर्य आक्रमण का प्रचार किया गया। राज्यपाल ने यह भी कहा कि यूरोपियनों ने अपने साम्राज्यवादी विचारों को सही ठहराने के लिए आर्य नस्ल का सिद्धांत गढ़ा। आर्यन और द्रविड़ को अलग-अलग नस्लों के रूप में बताना झूठ है। सरस्वती-सिंधु सभ्यता का ऐतिहासिक सच सामने आना चाहिए। क्या हम सिंधु सभ्यता को सरस्वती सभ्यता कह सकते हैं? क्या ऐसा किया जा सकता है? राज्यपाल ने समाज सुधारक ईवी रामासामी नायकर पेरियार की किताबों का जिक्र करते हुए कहा कि पेरियार ने आर्यों को बर्बर बताया और कहा कि वे नशे में धुत होकर भारत आए थे, नाच-गाना करते थे, और उन्होंने रामायण-महाभारत की कल्पना कर ली। उक्त विचार भारतीय नहीं बल्कि सुनियोजित एजेंडा के तहत थोपे गए बाहरी विचार हैं। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय सभ्यता को बाहरी प्रभावों से बचाने की जरूरत है और हमें अपने इतिहास को सही परिप्रेक्ष्य में समझने का प्रयास करना चाहिए।

तमिलनाडु में एक तरफ जनसंख्या बढ़ाने की आधिकारिक अपील जारी की जा रही है तो दूसरी तरफ आरक्षण का फायदा उठाने के लिए अनुसूचित जाति का फर्जी प्रमाणपत्र अंधाधुंध तरीके से बन रहा है और बंट रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में तमिलनाडु राज्य में फर्जी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के पीछे एक बड़े रैकेट को लेकर अंदेशा जताया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लगता है इसके पीछे एक बड़ा रैकेट है। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी तमिलनाडु में हजारों लोगों को हिंदू कोंडा रेड्डी समुदाय से संबंधित होने का प्रमाण पत्र जारी करने से संबंधित मामलों पर सुनवाई करते हुए की।शीर्ष अदालत ने कहा कि जाति प्रमाण पत्र तमिलनाडु राज्य में एक बड़ी समस्या बन गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि हजारों ऐसे प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं, जो लोगों को अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत आने वाले हिंदू कोंडा रेड्डी समुदाय का सदस्य बताते हैं। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल हम कोई आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन प्रथम दृष्टया यह एक बड़ा रैकेट प्रतीत होता है। यह बेहद खतरनाक बात है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें कई लोगों को हिंदू कोंडा रेड्डी समुदाय का सदस्य बताते हुए प्रमाण पत्र जारी किए गए थे, जिन्हें अनुसूचित जनजाति घोषित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने एक राज्य स्तरीय जांच समिति को प्रमाण पत्रों की वास्तविकता की जांच करने तथा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया ताकि न्यायालय इन मामलों पर निर्णय ले सके। एक मामले में प्रतिवादी ने दावा किया कि वह रेड्डी समुदाय से है और इसलिए उसने अपने बेटे के लिए जाति प्रमाण पत्र मांगा। हालांकि, राजस्व विभागीय अधिकारी (आरडीओ) द्वारा जांच किए जाने के बाद इसे अस्वीकार कर दिया गया।

मद्रास हाईकोर्ट ने प्रतिवादी की अपने बेटे को सामुदायिक प्रमाण पत्र जारी करने की याचिका को स्वीकार करते हुए निर्देश दिया कि राज्य स्तरीय जांच समिति यह जांच करेगी कि परिवार रेड्डी समुदाय से है या नहीं। इस आदेश के खिलाफ राज्य ने एसएलपी दायर की और पिछले साल अंतरिम आदेश के रूप में स्थगन दिया गया। पिछले सप्ताह कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में संशोधन करते हुए यह सुनिश्चित किया कि प्रमाण-पत्रों की वास्तविकता के दावों की पुष्टि की जा सके। कोर्ट ने राज्य स्तरीय जांच समिति को इन मामलों में जारी जाति प्रमाण-पत्रों की वास्तविकता के दावों पर 6 सप्ताह के भीतर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद न्यायालय प्रत्येक याचिका पर स्वतंत्र रूप से विचार करेगा और गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेगा। कोर्ट ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ये प्रमाण पत्र असली हैं या नहीं। हम यह भी जानना चाहेंगे कि इलाके में हजारों लोगों ने किस तरह से जाति प्रमाण पत्र हासिल किए हैं।

वन्यजीवों की...

के अपने समर्पण को दोहराएं। हर प्रजाति की इसमें अहम भूमिका है। इन प्रजातियों के भविष्य की रक्षा करें। हमें वन्यजीवों को बचाने में भारत के योगदान पर भी गर्व होना चाहिए।

40% आबादी...

इनकी संख्या 25 करोड़ से ज्यादा है। जीईएम अधिकारियों ने इसे देखते हुए देशों को बहुभाषी शिक्षा नीतियां लागू करने की सलाह दी है। जीईएम अधिकारी ने यह भी कहा कि बीते दशक में शिक्षा का स्तर गिरा है। इसकी वजह युवाओं पर तकनीकी का प्रभाव और कोरोना महामारी रही है। इससे पढ़ने और गणित दोनों में सीखने के स्तर में तेजी से गिरावट आई है।रिपोर्ट बताती है कि ऐतिहासिक रूप से, औपनिवेशिक शासन ने कई देशों में स्थानीय भाषाओं के बजाय विदेशी भाषाओं को थोप दिया। दूसरी ओर, समृद्ध देशों में प्रवासियों की संख्या बढ़ रही है। इससे कक्षाओं में भाषाई विविधता बढ़ रही है, पर साथ ही पढ़ाने व परीक्षा लेने में कठिनाइयां भी आ रही हैं।

क्लाउड स्पेस...

ईडी के अनुसार, इस घोटाले का मास्टरमाइंड व्यूनाउ ग्रुप का सीईओ और संस्थापक सुखविंदर सिंह खरौर है। क्लाउड स्पेस बेचने और लीज बैक करने का पूरा मॉडल एक धोखा था, जिसे लोगों को ठगने के लिए बनाया गया था। इस ठगी के पैसों से इन्होंने लग्जरी कारें, सोना, हीरे खरीदे और चैनल पार्टनर्स को कमीशन दिया। इसके अलावा, सैकड़ों करोड़ रुपए फर्जी कंपनियों के जरिए अलग-अलग प्रॉपर्टी में निवेश कर छिपाए गए। ईडी इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और आगे भी कई बड़े खुलासे हो सकते हैं।

अब अवैध...

लेकिन इसमें कई समस्याएं और कमजोरियां हैं। प्रवासी बड़ी संख्या में ग्रीस में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे स्थानीय समुदायों पर दबाव बढ़ रहा है। एक अनुमान के अनुसार, रोज लगभग 500 अवैध प्रवासी समंदर के रास्ते ग्रीस में दाखिल हो रहे हैं। पिछले साल लगभग 60,000 अवैध प्रवासियों ने इस तरह इस देश में प्रवेश किया था जो उससे पिछले साल यानी 2023 में प्रवेश करने वाले प्रवासियों से 50 प्रतिशत ज्यादा थे।अवैध प्रवासियों को लेकर ग्रीस सरकार की नीति में खामियों के साथ ही उसके नरम रवैए ने स्थानीय नागरिकों में प्रवासियों के प्रति विरोध की भावना उत्पन्न कर दी है। अवैध प्रवासियों के प्रति बढ़ते अंसतोष ने ग्रीस की रोजमर्रा जिंदगी को बहुत प्रभावित किया है। स्थानीय नागरिकों के लिए, अवैध प्रवासियों की बढ़ती संख्या से आए दिन समस्याएं पैदा हो रही हैं। उनके लिए संसाधन कम पड़ रहे हैं क्योंकि वे उन्हें ऐसे लोगों से साझा करने पड़ रहे हैं जो देश और देश के लोगों के प्रति दुर्भावना से भरे हैं। इतना ही नहीं, नागरिकों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। प्रदर्शनों की वजह से अब ग्रीस सरकार की स्थिरता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

दूसरी ओर ऐसी भी कुछ आवाजें उठती रही हैं कि जो प्रवासियों की दृष्टि से आप्रवासन नीति में सुधार की बात करती हैं। उनका कहना है कि सरकार को प्रवासियों की समस्याओं के समाधान ढूंढने होंगे, उसके लिए ठोस कदम उठाने होंगे और उन्हें समाज में एकीकृत करने के उपाय करने होंगे। सिर्फ तभी ग्रीस की सरकार एक स्थिर और शांतिप्रिय समाज का निर्माण कर पाएगी, जहां प्रवासी और स्थानीय नागरिक एक साथ मिलकर रह सकेंगे।

50 लाख लेकर ...

और प्रति यात्री 30 से 50 लाख रुपए तक की मोटी रकम वसूली। पंचाल ने दुधवाडकर के साथ मिलकर यात्रियों की हवाई अड्डे से सुचारू निकासी के लिए जाली दस्तावेज पेश किए। इसके लिए दुधवाडकर को प्रति यात्री 50,000 रुपए मिलते थे। आरोप है कि दोनों आरोपी मिलकर आव्रजन प्रणाली में खामियों का फायदा उठाकर भारतीय अधिकारियों को धोखा देते थे।

30 अप्रैल से आरंभ होंगी चार धाम यात्रा

कहा जाता है कि पुण्य फलों की प्राप्ति के लिए जीवन में एक बार चार धाम यात्रा जरूर करनी चाहिए। इस यात्रा में बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन किए जाते हैं। ऐले में आज हम आपको उत्तराखंड की चारधाम यात्रा का महत्व बताने जा रहे हैं।

कब से शुरू होगी यात्रा?

चार धाम यात्रा का आरंभ अक्षय तृतीया यानी 30 अप्रैल 2025 से होने जा रहा है। इस दिन पर भक्त गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन कर सकेंगे। वहीं बद्रीनाथ के कपाट 04 मई 2025 को खुलेंगे। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की घोषणा महाशिवरात्रि के अवसर पर होती है। ऐसे में केदारनाथ धाम के द्वार 02 मई 2025 को सुबह 07 बजे खुलेंगे।

चार धाम यात्रा का महत्व

शास्त्रों में वर्णित है कि चारधाम यात्रा करने से व्यक्ति के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। इसी के साथ व्यक्ति जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाता है, जिसका अर्थ है कि व्यक्ति को दोबारा मृत्यु लोक में जन्म नहीं लेना पड़ता और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही यह यात्रा व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास में भी मदद करती है।

यमुनोत्री – यमुनोत्री, उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित है, जो चार धाम यात्रा का पहला पड़ाव है। यमुना नदी भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक मानी गई है। वहीं यमुना को भगवान सूर्य की पुत्री और यम देव की बहन भी माना जाता है। इस पवित्र स्थल का मुख्य आकर्षण देवी यमुना को समर्पित मंदिर और जानकीचट्टी में पवित्र तापीय झरना है।

गंगोत्री –गंगोत्री, गंगा नदी का उद्गम स्थल है, जो उत्तराखंड के गढ़वाल में गंगोत्री हिमनद से निकलती है। गंगा को कलयुग का तीर्थ भी कहा जाता है। गंगोत्री चारधाम यात्रा का दूसरा पड़ाव है। माना जाता है कि यात्रा के दौरान गंगोत्री धाम का दर्शन करने से साधक के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। यहां एक बहुत ही खूबसूरत गंगा मंदिर भी स्थापित है।

केदारनाथ– केदारनाथ मंदिर, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण पांडवों ने करवाया था। वहीं वर्तमान में हमें मंदिर का जो स्वरूप देखने को मिलता है, उसका निर्माण आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा 8वीं-9वीं सदी में करवाया था। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां देवों के देव महादेव विश्राम करते हैं। वहीं शिवपुराण में वर्णन मिलता है कि इस स्थान पर विष्णु भगवान के अवतार नर-नारायण पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान शिव का रोजाना पूजा किया करते थे, तब शिव जी ने उन्हें वरदान दिया था कि वह यहीं विराजमान होंगे।

बद्रीनाथ –उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित चार धामों में से एक बद्रीनाथ धाम मुख्य रूप से भगवान विष्णु को समर्पित है। इसे बद्रीनारायण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान को लेकर मान्यता है कि भगवान विष्णु इस स्थान पर 6 महीने विश्राम करते हैं। इस मंदिर की स्थापना 8वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य द्वारा की गई थी।

कन्या और मीन राशियों को कारोबार में होगा दोगुना लाभ, बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

मार्च महीने में कई ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। इसके साथ ही कई ग्रह अपनी चाल भी बदलेंगे। ग्रहों की स्थिति बदलने से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। इनमें सबसे पहले ग्रहों के राजकुमार बुध देव अपनी चाल बदलेंगे। बुध देव की चाल बदलने से कई राशि के जातकों के जीवन में बदलाव होने वाला है। इन राशि के जातकों को कारोबार में दोगुना लाभ होगा। शुभ कामों में सफलता मिलेगी।

कन्या राशि–बुध देव की कृपा कन्या राशि के जातकों पर हमेशा बरसती है। इस राशि के जातकों के आराध्य भगवान गणेश हैं। भगवान गणेश की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। बुध देव की स्थिति आपको शुभ फल देगा। आपको धन की प्राप्ति हो सकती है। कन्या राशि के जातकों की शादी के भी योग बन रहे हैं। मनचाहा जीवनसाथी मिलेगा। खरीद और बिक्री से संबंधित काम करने से कारोबार में लाभ मिलेगा। आमदनी बढ़ेगी। सभी बिगड़े काम बनेंगे। पार्टनर से मतभेद दूर होंगे। वाद-विवाद से दूर रहें। सात्विक चीजों का सेवन करें।

मीन राशि–बुध देव की कृपा से मीन राशि के जातकों के जीवन में बदलाव देखने को मिल सकता है। खासकर, कारोबार से जुड़े लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। बिजनेस में आने वाली बाधा दूर होगी। पार्टनरशिप में किये गए कामों से लाभ होगा। नए पार्टनर कारोबार में मिलेंगे। अपनी बौद्धिक क्षमता से आप धन कमाने में सफल होंगे। वाणी में मधुरता आएगी। धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। विदेश यात्रा कर सकते हैं। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। कला क्षेत्र में बेहतर करेंगे। भगवान गणेश की पूजा करने से जीवन में सुखों का आगमन होगा। बुधवार के दिन हरे रंग की चीजों का दान करें।

सांप से जुड़े सपने देखकर डर गए हैं आप, छिपा है बहुत ही खास संकेत

स्वप्न शास्त्र में ऐसे कई सपने बताए गए हैं, जिनके दिखने पर व्यक्ति को आने वाले जीवन में लाभ मिल सकता है, लेकिन वहीं कुछ सपने ऐसे भी हैं, जो जीवन में आने वाली परेशानियों की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर आपको सपने में सांप दिखाई देते हैं, तो इसका क्या मतलब हो सकता है।

घर आएंगी खुशियां

स्वप्न शास्त्र में सांप से जुड़े कुछ सपनों को शुभ माना जाता है। जैसे अगर किसी व्यक्ति को सपने में रंग-बिरंगे सांप दिखाई देते हैं, तो यह अच्छा माना जाता है। स्वप्न शास्त्र में इस सपने का अर्थ माना गया है कि आपके जीवन में जल्दी ही खुशियों का आगमन होने वाला है।

दूर होगी आपकी परेशानी

अगर कोई व्यक्ति सपने में खुद को सांप पकड़ते हुए देखते हैं, तो इसे एक बहुत ही शुभ सपना माना गया है। स्वप्न शास्त्र में इस सपने का अर्थ माना गया है कि आने वाले समय में आपको कहीं से धन लाभ मिल सकता है। साथ ही यह सपना इस बात की ओर भी इशारा करता है कि आपके जीवन से जल्द ही सारी परेशानियां दूर होने वाली हैं।

ये होता है मतलब

वहीं अगर किसी व्यक्ति को सपने में दो सांप एक साथ दिखाई देते हैं, तो इसका अर्थ यह माना जाता है कि आप जीवन में संतुलन बनाने में कामयाब रहेंगे। इस तरह का सपना व्यक्ति को यह भी संकेत देता है कि आपके

मन में किसी बात को लेकर कोई-न-कोई उलझन चल रही है।

हरे रंग का सांप दिखना

अगर किसी व्यक्ति को सपने में पेड़ के ऊपर हरे रंग का सांप दिखाई देता है, तो स्वप्न शास्त्र में इसका मतलब है कि आपको कहीं से धन लाभ होने वाला है। वहीं अगर सपने में सांप आपको काट रहा है और आप उसे पकड़कर उसका दांत तोड़ देते हैं, तो इसका अर्थ है कि आप शत्रुओं पर विजय पा लेंगे।

विनायक चतुर्थी से दो राशियों की चमकेगी किस्मत, आर्थिक तंगी होगी दूर

फाल्गुन का महीना कई राशि के जातकों के लिए मंगलकारी रहने वाला है। इस महीने में कई ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। इसकी शुरुआत ग्रहों के राजकुमार बुध देव की चाल बदलने से हुई है। इसके बाद आत्मा के कारक सूर्य देव राशि परिवर्तन करेंगे। इस शुभ तिथि पर होली और संक्रांति मनाई जाएगी। इससे पहले मन के कारक चंद्र देव की कृपा दो राशि के जातकों पर बरसेगी।

ज्योतिषियों की मानें तो विनायक चतुर्थी के दिन मन के कारक चंद्र देव अपनी चाल बदलेंगे। चंद्र देव के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। इनमें दो राशि के जातकों को विशेष लाभ होगा। इन दोनों राशियों पर चंद्र देव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से आर्थिक तंगी दूर होगी।

तुला राशि –विनायक चतुर्थी से मकर राशि के जातकों को लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धन की समस्या दूर होगी। रुके काम पूरे होंगे। भाई एवं बहन का प्यार मिलेगा। कारोबार में तेजी देखने को मिल सकती है। बिजनेस में पार्टनर मिल सकता है। विवाह के लिए अच्छे घर से रिश्ता आ सकता है। जीवनसाथी से प्यार मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। लीडरशिप में निखार आएगा। सहनशीलता बढ़ेगी। पुत्र से प्यार मिलेगा। कारोबार से जुड़े लोग कुछ नया कर सकते हैं। घर पर मेहमानों का आगमन होगा।

मकर राशि–मन के कारक चंद्र देव के राशि परिवर्तन करने से मकर राशि के जातकों को लाभ होगा। माता जी के साथ संबंध मजबूत होंगे। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। बिगड़े काम बनेंगे। मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। पार्टनर से प्यार मिलेगा। मन प्रसन्न होगा। स्मरण शक्ति तेज होगी। परिवार में शुभता का आगमन होगा। वाहन सुख मिलेगा। आजकल में गाड़ी की खरीदारी कर सकते हैं। भूमि या भवन का सुख मिलेगा। यात्रा के योग बनेंगे। सी साइट पर घूमने का प्लान बनेगा। परिवार के लोगों के साथ देव दर्शन के लिए धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

30 मार्च को गुड़ी पड़वा मनाया जाएगा

सनातन धर्म में गुड़ी पड़वा पर्व का खास महत्व है। यह पर्व हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। इस तिथि से चैत्र नवरात्र की शुरुआत होती है। साथ ही हिन्दू नववर्ष भी प्रारंभ होता है। यह पर्व देशभर में मनाया जाता है। खासकर, महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है। चैत्र नवरात्र के दौरान मां दुर्गा और उनके नौ रूपों की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त नवरात्र का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। इसके साथ ही साधक पर जगत की देवी मां दुर्गा की कृपा बरसती है।

शुभ मुहूर्त –वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 29 मार्च को संध्याकाल 04 बजकर 27 मिनट पर होगी और 30 मार्च को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि गणना अनुसार 30 मार्च को गुड़ी पड़वा मनाया जाएगा। इस दिन से चैत्र नवरात्र भी प्रारंभ होगा।

शुभ योग –ज्योतिषियों की मानें तो चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर इंद्र योग का संयोग है। इंद्र योग शाम 05 बजकर 54 मिनट तक है। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग है। सर्वार्थ सिद्धि योग की शुरुआत शाम 04 बजकर 35 मिनट से होगी। इसके अलावा, बव, बालव और कौलव करण के योग हैं। इन योग में जगत की देवी मां दुर्गा की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। साथ ही ब्रह्म देव का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 06 बजकर 13 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 38 मिनट पर
चन्द्रोदय- शाम 06 बजकर 34 मिनट पर
चंद्रास्त- शाम 07 बजकर 50 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 41 मिनट से 05 बजकर 27 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 19 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 : 37 मिनट से 07 बजे तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 12:02 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक

गलत संगत से वापस आएगा पति बस पत्नि करें आसान उपाय!

यदि आपका पुत्र अथवा पति किसी भी तरह से गलत संगत में पड़ जाए जैसे जुआ, दारू, सट्टा या किसी पराई स्त्री के फेर में फस जाए। तो उसके लिये हम आज बहुत ही खास ज्योतिष उपाय बताएंगे। अक्सर महिलाएं या घर के बड़े लोग इस बात से परेशान रहते हैं कि उनका पति अथवा पुत्र बहुत ही गलत संगत में है। जगह जगह भटकने के बाद भी कामयाबी नहीं मिल रही है। तमाम उपाय करने के बाद भी उनकी स्थिति में सुधार नहीं है। हम आपको बता रहे हैं इसके लिये एक खास ज्योतिष उपाय। इस उपाय को करने से पति या बेटा धीरे धीरे बापस अपने कर्तव्य को समझते हुए बापस लौट आएगा और जीवन बापस से आसान हो जाएगा।

कमजोर चन्द्रमा मन का कारक : किसी भी व्यक्ति के मन का कारक चंद्र ग्रहण होता है। जब कुंडली में चंद्रमा कमजोर हो अथवा नीच राशि में स्थित हो। इसके अलावा वह किसी पाप ग्रह से पीड़ित हो तो व्यक्ति का मन बहक जाता है,भ्रमित्र होने जैसी स्थिति बन जाती है। व्यक्ति अच्छा होते हुए भी गलत आचरण करने लगता है। अनावश्यक रूप से वह व्यक्ति घर में कलह - क्लेश का वातावरण बना देता है। इससे घर के बाकी लोग बहुत ही परेशान रहने लग जाते हैं।

मां अथवा पत्नि करे उपाय : ऐसे व्यक्ति की मां अथवा पत्नी को लगातार 32 पूर्णिमा तक व्रत रखना चाहिए यह व्रत आप किसी भी माह की पूर्णिमा से प्रारंभ कर सकती है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति की मां को काबू में किया जा सकता है जिससे उसका चंद्र ग्रह उसे अच्छे परिणाम देना शुरू कर देगा।

खीर से रिश्ते होंगे मजबूत : पूर्णिमा व्रत के दौरान महिलाएं अपने घर में गाय के दूध और चावल की खीर बनाएं। इस खीर में वह चीनी की जगह मिश्री का प्रयोग करें। मिश्री धागे वाली होनी चाहिए। इसके अलावा उस व्यक्ति के हाथों से चंद्रमा की प्रतिनिधित्व वाली सफेद चीज जैसे दूध, दही, सफेद मिठाई आदि चीजों का अधिक से अधिक दान करावे। पूर्णिमा का व्रत करने से घर की सदस्यों के मन विचलित नहीं होते है। साथ ही घर में सुख शांति बनी रहती है। वह व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत हो जाता है। सभी प्रकार की समस्याएं धीरे धीरे खत्म होने लगती है।

न्याय के देवता शनिदेव ने बदली अपनी चाल, तुला और वृषभ राशियों के जीवन में होगा नया सवेरा

मार्च का महीना कई राशि के जातकों के लिए शुभ रहने वाला है। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को शनि की बाधा से मुक्ति मिलेगी। वहीं, कई राशि के जातकों पर शनि की कुदृष्टि का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले शनिदेव ने अपनी चाल बदली है। शनिदेव की चाल बदलने से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। शनिदेव की कृपा से इन राशियों के सभी बिगड़े काम बनेंगे। करियर और कारोबार से संबंधित परेशानी दूर होगी।

कब करेंगे शनिदेव राशि परिवर्तन?

न्याय के देवता शनिदेव चैत्र अमावस्या के दिन राशि परिवर्तन करेंगे। वर्तमान समय में शनिदेव कुंभ राशि में गोचर करेंगे। चैत्र अमावस्या के दिन यानी 29 मार्च को शनिदेव कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। शनिदेव के मीन राशि में गोचर करने के साथ ही मकर राशि के जातकों को साढ़ेसाती से मुक्ति मिलेगी। वहीं, मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती शुरू होगी। वहीं, विनायक चतुर्थी से एक दिन पहले शनिदेव ने पूर्वाभाद्रपद के तीसरे चरण में गोचर किया है।

तुला राशि –तुला राशि के स्वामी सुखों के कारक शुक्र देव हैं। वहीं, तुला राशि में शनिदेव उच्च होते हैं। इसके लिए तुला राशि के जातकों पर अपनी विशेष कृपा बरसाते हैं। शनिदेव की चाल बदलने से यात्रा के योग बन रहे हैं। मन में चंचलता भरी रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। शत्रुओं पर जीत हासिल होगी। धर्म-कर्म में रूचि बढ़ेगी। शनिदेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलेगी। धन संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। हालांकि, निवेश करने से पहले घर के बड़ों लोगों की अवश्य सलाह लें।

वृषभ राशि –शनिदेव की कृपा से वृषभ राशि के जातकों को जीवन में मनमुताबिक सफलता मिलेगी। शुभ कामों में सफलता मिलेगी। स्वभाव में विनम्रता आएगी। करियर में बदलाव देखने को मिलेगा। प्रमोशन के योग हैं। रुके काम में गति आएगी। शत्रुओं को परास्त करने में सफल होंगे। विदेश यात्रा के भी योग हैं। हालांकि, गलत काम करने से शनिदेव की कुदृष्टि पड़ सकती है। समाज सेवा में मन लगेगा। आप अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहेंगे। कुंडली में व्याप्त अशुभ ग्रहों के प्रभाव को कम करने के लिए स्नान-ध्यान के बाद गंगाजल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से शनि की बाधा दूर होगी।

फिरोज खान की यलगार के लिए तीनों खान हुए थे रिजेक्ट

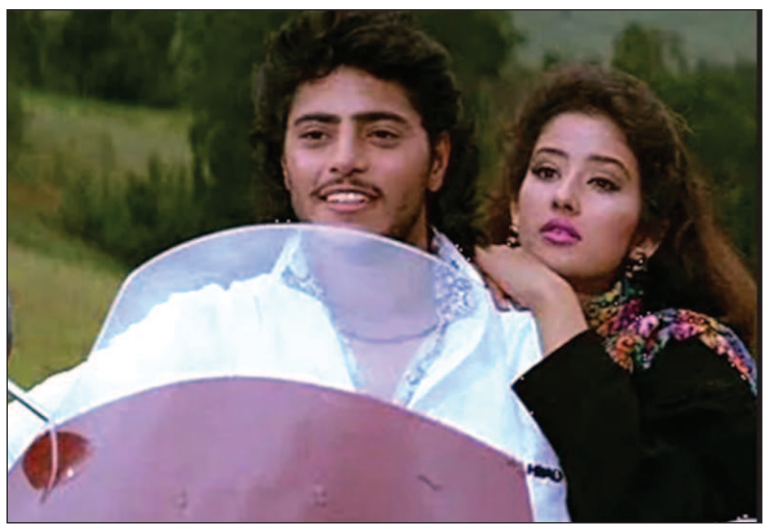

विक्की अरोड़ा को मिला था संजय दत्त से भी बड़ा रोल

सिनेमा की दुनिया में कुछ स्टार्स ऐसे भी हैं, जिन्हें उनकी डेब्यू फिल्म और एक ना एक हिट सॉन्ग से आज भी जाना जाता है, लेकिन इन स्टार्स को उनके नाम से आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। जैसे कि फिल्म 'ये दिल आशिकाना' की लीड स्टार कास्ट को ही ले लीजिए। इस फिल्म के गाने आज भी हिट हैं, लेकिन इस फिल्म के हीरो-हीरोइन के नाम आज भी कम लोगों को ही मालूम होंगे। ऐसे ही एक गुमनाम स्टार हैं विक्की अरोड़ा। इस एक्टर को फिल्म यलगार के एक गाने से ऐसे पहचान मिली कि लोग आज भी इसको नहीं भूले हैं। वो गाना था 'हो जाता है कैसे प्यार', जिसमें विक्की के साथ मनीषा कोइराला नजर आई थीं।

कैसे मिला फिल्मों में मौका?

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, मुंबई में जन्में विक्की अरोड़ा की पढ़ाई भी मायानगरी में हुई थी। विक्की दिखने में हैंडसम थे, तो कॉलेज के दिनों से ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। मॉडलिंग के दिनों में उन्हें कई नामी-गिरामी ब्रांड के असाइनमेंट भी मिले थे। गौरतलब है कि विक्की अरोड़ा उस कॉलेज में पढ़ते थे, जिसमें एक्टर फरदीन खान की बहन लैला खान भी थीं। विक्की और लैला एक ही क्लास में थे। उन दिनों फिरोज खान फिल्म यलगार कर रहे थे और उन्हें एक हैंडसम लुक बॉय की तलाश थी। फिल्म यलगार के लिए फिरोज ने शाहरुख, सलमान और आमिर खान से भी बात की थी, लेकिन कोई बात नहीं बनी। फिर लैला खान ने अपने पिता को विक्की अरोड़ा के बारे में बताया। विक्की को देख फिरोज ने फिल्म में संजय दत्त से बड़ा रोल उन्हें ऑफर कर दिया।

अब कहां हैं विक्की अरोड़ा?

फिल्म यलगार में विक्की की एक्टिंग फिरोज को पसंद नहीं आई। विक्की अपनी पतली आवाज के चलते भी आलोचनाओं का शिकार हुए। बावजूद इसके प्रोड्यूसर्स उन्हें फिल्म में कास्ट करना चाहते थे, लेकिन फिरोज खान संग कॉन्ट्रैक्ट की वजह से विक्की दूसरों के साथ काम नहीं कर सकते थे। फिर फिरोज खान से भी उनकी बात बिगड़ गई। ऐसे में विक्की बॉलीवुड से अचानक गायब हो गये। अब विक्की अरोड़ा बॉलीवुड से दूर गुमनामी की जिंदगी जी रहे हैं। विक्की अरोड़ा के फिल्म इंडस्ट्री से अचानक गायब होने की कई वजह सामने आईं।

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने पिता को खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने पिता कुलविंदर सिंह को खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए खास पलों की झलक दिखाई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर प्यारा वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर अपने पिता के साथ बिताए खास पलों को दिखाया। वीडियो में कुछ बचपन की तस्वीरें भी हैं। एक में वह अपने पिता की गोद में हैं। एक तस्वीर में उनके पिता भारतीय सेना की वर्दी में अपने स्कूटर पर बैठे दिखाई दे रहे हैं, जो 1990 के दशक में मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए पसंदीदा वाहन था।

अभिनेत्री ने कैप्शन में एक नोट भी लिखा, मेरे पहले कदम से लेकर मील के पत्थर तक, आप मेरे लिए चट्टान की तरह खड़े रहे हैं। मेरे सबसे बड़े समर्थक होने से लेकर जब मैं गलत होती हूं तो मुझे सही करने से लेकर मुझे जीवन में मूल्य सिखाने तक, आप मेरे सबसे बड़े चीयरलीडर हैं। चाहे कितना भी समय बीत जाए, मैं हमेशा आपकी छोटी सी बच्ची रहूंगी। जन्मदिन मुबारक हो पापा। उन्होंने लिखा, मैं आपसे बहुत बहुत प्यार करती हूं।।आपका साल बेहतरीन हो, आपकी सेहत अच्छी हो और आप जिम में प्लैंक और पंजा में सभी को मात देते रहें, साथ ही आज आपको केक खाने की इजाजत है।

रकुल प्रीत का इंस्टाग्राम उनकी एक से बढ़कर एक पोस्ट से भरा पड़ा है। बात परिवार पर प्रेम लुटाने से संबंधित पोस्ट की हो तो वह पीछे नहीं हटती हैं। इससे पहले रकुल ने एक पोस्ट शेयर कर बताया था कि उनके पति जैकी भगनानी ने उन्हें गुलाबी लिली का बुके भेंट किया। रकुल ने प्रशंसकों के साथ अपनी खुशी साझा करने के लिए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया जिसमें वह गुलाबी लिली थामे कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराती नजर आईं।

तस्वीर को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, जब पति फूल लेकर आते हैं। जैकी भगनानी, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं। पिछले साल शादी के बंधन में बंधे रकुल और जैकी ने वैवाहिक जीवन के एक साल पूरे होने का 21 फरवरी को जश्न मनाया। शादी की पहली सालगिरह मनाते हुए, उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मोंटाज शेयर किया, जिसमें उन्होंने साथ बिताए अपने अनमोल पलों को कैद किया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत अपनी हालिया रिलीज 'मेरे हसबैंड की बीवी' में अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर के साथ नजर आईं।

रकुल जल्द ही 'दे दे प्यार दे 2' में 'आयशा खुराना' की अपनी पुरानी भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, अजय देवगन एक बार फिर 'आशीष मेहरा' की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में अभिनेता आर। माधवन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। अंशुल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में रकुल प्रीत सिंह, अजय देवगन, आर। माधवन के साथ अभिनेत्री तब्बू, जिमी शेरगिल, आलोक नाथ और इनायत सूद भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। जानकारी के अनुसार, फिल्म में तमन्ना भाटिया और प्रकाश राज भी कैमियो करते नजर आएंगे। 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट आउट हो चुकी है। यह इस साल 14 नवंबर को रिलीज होगी।

अविका गौर बनेगी एकता कपूर की नई नागिन!

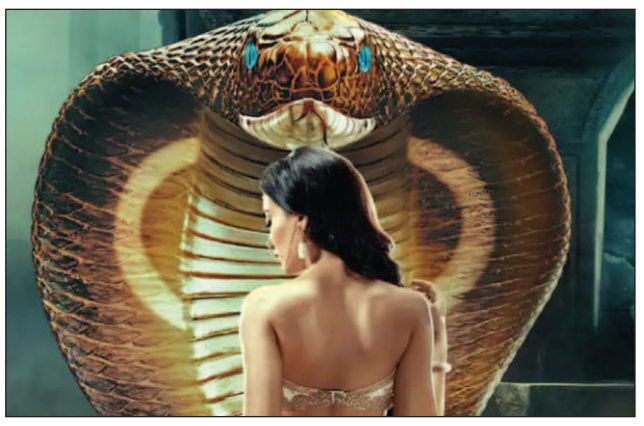

नागिन हमेशा से सबसे ज्यादा देखे जाने वाले टीवी सीरियल में से एक रहा है। इस शो की बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। इसके 6 सीजन आ चुके हैं और सभी को पसंद किया गया है। हालांकि हाल ही में एकता कपूर ने नागिन 7 की अनाउंसमेंट करके सभी को हैरान कर दिया। जी हां एकता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शो को छोटे पर्दे पर वापस लाने के लिए काम करने वाली टीम के साथ अपनी एक मीटिंग का वीडियो शेयर किया। वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'कोई भी जानना चाहता है कि नागिन कहां है? तो यह लड़की हमें बताएगी कि नागिन कहां है।' इस वीडियो ने फैन्स के बीच एक्साइटमेंट का लेवल बढ़ा दिया है। वे सभी बेसब्री से यह जानने का इंतजार कर रहे हैं कि नई नागिन कौन होगी।कई रिपोर्ट्स में कहा गया था कि प्रियंका चाहर चौधरी सीजन 7 में लीड रोल निभाएंगी। हालांकि एक्ट्रेस ने हाल ही में इन अफवाहों पर ब्रेक लगा दिया। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया जिसमें लिखा था, अफवाहें? ओह, मैंने उन्हें देखा है। एक्साइटेड? झूठ नहीं बोलूंगी, मैंने इसको इंजॉय लिया! लेकिन चलो इसे रियल रखें, मैं शो का हिस्सा नहीं। अब जब हवा थी साफ हो गई है तो और भी रोमांचक चीजों की ओर बढ़ने का समय आ गया है!

इसके बाद यह बताया जा रहा था कि ईशा मालवीय शो में नागिन का किरदार निभाएंगी। उन्होंने अभी तक इन खबरों पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। हालांकि उनके बारे में भी कोई ऑफीशियल कन्फर्मेशन नहीं हुई है। विवियन डीसेना के शो में नाग के रोल में शामिल होने की खबरें भी वायरल हुईं।

अब ईटाइम्स की ताजा रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बालिका वधू स्टार अविका गौर को नागिन 7 में लीड रोल निभाने के लिए कॉन्टैक्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि उन्हें फाइनल भी कर लिया गया है। हालांकि हमें अभी भी ऑफीशियल कन्फर्मेशन का इंतजार है।बालिका वधू में आनंदी के किरदार में अपनी परफॉर्मेंस से अविका गौर ने सभी को इंप्रेस किया। इसके बाद उन्होंने ससुराल सिमर का, लाडो-वीरपुर की मर्दानी और कई दूसरे टीवी शो किए। फिलहाल वह बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में भी काम कर रही हैं। अगर वह नागिन में शामिल होती हैं तो यह टीवी पर उनकी वापसी होगी।

फिल्म कसूर की अभिनेत्री लीसा ने अपने ग्लैमरस लुक्स से किया घायल

46 की उम्र में बनी थी मां, कैंसर को दे चुकी है मात

बॉलीवुड में फिल्म कसूर (2001) से एंट्री करने वाली कनाडियन एक्ट्रेस लीसा रे अपनी खूबसूरती और इंटीमेट सीन के लिए खूब चर्चा में रही थीं। लीसा रे अब सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और अपनी तस्वीरों से फैंस का ध्यान खुद की ओर खींचती हैं। लीसा रे ने 16 साल की उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी और उसके बाद फिल्म इंडस्ट्री का रुख किया था। लीसा रे आज भी अभिनय की दुनिया में एक्टिव रहना चाहती हैं। इसी के साथ लीसा रे का लुक भी पहले से बहुत बदल चुका है, लेकिन उनकी खूबसूरती आज भी बरकरार है।

लीसा रे को पिछली बार साल 2019 में फिल्म 99 सॉन्ग में देखा गया था और सीरीज फॉर मोर शॉट्स प्लीज (2019-2022) में नजर आई थीं। बीते 3 साल से वह सिनेमा से दूर हैं। लीसा रे की खास फिल्मों में वाटर और वीरप्पन भी शामिल हैं। लीसा ने तमिल और कन्नड़ सिनेमा में भी काम किया है। फिल्म कसूर में वह आफताब शिवदसानी के साथ नजर आई थी और इस फिल्म के गाने आज भी लोग सुनते हैं। बता दें, साल 2009 में एक्ट्रेस को मल्टीपल मायलोमा नाम का ब्लड कैंसर हो गया था। साल 2010 में स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कराकर कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी को मात दी थी।

कैंसर से जंग जीतने के चार साल बाद एक्ट्रेस ने दोबारा फिल्मों में कदम रखा और फिल्म इश्क फॉरएवर से वापसी की। इसके बाद वह साउथ सिनेमा में भी नजर आईं। लीसा रे ने कैंसर से जंग जीतने के अगले साल (2012) में ही जेस देहनी से शादी रचाई थी। लीसा ने साल 2018 में जुड़वा बेटियों को जन्म दिया । लीसा की बेटियों के नाम सूफी और सोलेल है। लीसा रे भले ही फिल्मों से दूर हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अपनी बेटियों के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। लीसा को इंस्टाग्राम पर 2 लाख से ज्यादा फैंस फॉलो करते हैं। लीसा रे के बायो में अवार्ड विनिंग एक्टर, कैंसर एक्टिविस्ट और ऑथर लिखा हुआ है।

आश्रम की पम्मी सिर्फ पर्दे पर नहीं, असल जिंदगी में भी दमदार खिलाड़ी!

बॉबी देओल स्टारर आश्रम सीरीज का जिक्र ओटीटी लवर्स के बीच हमेशा चलता है। हाल ही में वेब सीरीज के तीसरे सीजन का दूसरा पार्ट आया है। इसमें देखने को मिला कि पम्मी पहलवान ने बाबा निराला से अपना बदला पूरा कर लिया। इसके लिए उन्होंने अपना तरीका जरूर बदला, लेकिन इरादा नहीं। आश्रम के वफादार भोपा स्वामी से पंगा लेना बॉबी देओल के किरदार को भारी पड़ गया। कुल मिलाकर सीरीज को लोगों से भरपूर प्यार मिल रहा है।

आश्रम 3 के पार्ट 2 में पम्मी के किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अदिति पोहनकर की चर्चा सबसे ज्यादा चल रही है। प्रकाश झा की निर्देशित सीरीज में उन्होंने एक पहलवान का किरदार निभाया है। शायद आपको हैरानी होगी, लेकिन असल जिंदगी में भी अदिति का खेल की दुनिया से खासा लगाव रहा है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

आश्रम से मिली अदिति पोहनकर को पॉपुलैरिटी

अभिनेत्री अदिति आश्रम से पहले भी कई प्रोजेक्ट में काम कर चुकी हैं, लेकिन उन्हें पॉपुलैरिटी बॉबी देओल के साथ काम करने से मिली। अदिति एक्टिंग दुनिया में सक्रिय जरूर हैं। हालांकि, असल जिंदगी में उन्हें स्पोर्ट्स का काफी शौक है और वह खिलाड़ी भी रही हैं। वेब सीरीज के पहले सीजन से ही पम्मी के किरदार को लोगों ने पसंद किया है और हालिया पार्ट के बाद, तो उनकी बदले की आग ने आश्रम की गद्दी हिला दी।

महाराष्ट्र को रिप्रेजेंट करती थीं एक्ट्रेस

स्कूल लाइफ में अदिति पोहनकर रेस में हिस्सा लेती थीं। उन्होंने अनेक प्रतियोगिताओं में 100 और 200 मीटर की दौड़ में मेडल जीते हैं। इतना ही नहीं, वह महाराष्ट्र को भी रिप्रेजेंट करती थीं। उन्हें अपने माता-पिता से स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने की प्रेरणा मिली थी।

अदिति के पिता सुधीर पोहनकर और माता शोभा पोहनकर, दोनों ही एथलीट रहे हैं। यही कारण है कि उनका झुकाव भी खेलों के प्रति ज्यादा रहा है। खैर, उन्होंने अपना करियर बनाने के लिए एक्टिंग को चुना और आश्रम से पहले उन्होंने रितेश देशमुख की मराठी फिल्म लय भारी में काम किया था। रियल लाइफ में अपनी खूबसूरती और बोल्ड लुक के लिए भी एक्ट्रेस चर्चा में रहती हैं। आश्रम के लेटेस्ट पार्ट में भी उनके कई इंटीमेट सीन्स दिए हैं, जिन्हें देखकर उनके फैंस को थोड़ी हैरानी भी हुई है।

बिग बॉस 18 के बाद ईशा सिंह के लिए घर में सेटल होना बना चुनौती, नहाने के बाद भी ढूंढती थीं माइक

सलमान खान के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस में नजर आने के बाद कंटेस्टेंट्स की पॉपुलैरिटी बढ़ जाती है। हाल ही में बिग बॉस 18 का सीजन खत्म हुआ है, लेकिन इसका जिक्र अभी तक चल रहा है। करणवीर मेहरा ने सीजन 18 की ट्रॉफी अपने नाम की, जिसके ऊपर भी खासा विवाद देखने को मिला। इसके अलावा, बीबी हाउस के कंटेस्टेंट लगातार अपने अनुभव शेयर कर रहे हैं। अब ईशा सिंह ने मशहूर रियलिटी शो से जुड़ी अपनी कुछ यादें शेयर की हैं।

ईशा सिंह को घर के अंदर चुगली आंटी भी कहा जाता था। शो के अंदर अविनाश मिश्रा के साथ उनका नाम खूब जोड़कर देखा गया, लेकिन फिर घर के बाहर उनके एक करीबी दोस्त शालीन भनोट के साथ उनका नाम जुड़ गया। हालांकि, बाद में शालीन ने खुद वीडियो शेयर कर सफाई दी थी। हाल ही में टीवी एक्ट्रेस ईशा कॉमेडियन भारती सिंह के पॉडकास्ट पर नजर आईं। इस दौरान उन्होंने बिग बॉस से जुड़ी अपनी कुछ आदतों का जिक्र किया, जिसमें से उनके कुछ खुलासे सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आ गए हैं।सलमान खान के पॉपुलर रियलिटी शो का हिस्सा बनने के बाद अपने ही घर में ईशा सिंह का एडजस्ट होना मुश्किल हो गया था। बीबी हाउस से बाहर आने के बाद उन्होंने सेटल होने में कई तरह की परेशानियों का सामना किया। इसके बारे में उन्होंने भारती और हर्ष को बताया कि जब वह घर से बाहर आई थीं, तो उन्हें गाड़ी में बैठने पर मोशन सिकनेस होती थी। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस बातें करते हुए अचानक ख्यालों में खो जाती थीं।

ईशा सिंह ने एक मजेदार किस्सा शेयर करते हुए बताया कि वह नहाने के बाद घर में माइक ढूंढती थीं। जब एक्ट्रेस की मां ने उन्हें ऐसा करते हुए देखा, तो वह हैरान रह गईं। बता दें कि बिग बॉस के घर में माइक पहनना अनिवार्य था। अगर कोई कंटेस्टेंट बिना माइक पहने बात करता था, तो उसे नियमों का उल्लंघन माना जाता था और बिग बॉस तुरंत उस कंटेस्टेंट को टोकते थे।टीवी एक्ट्रेस ईशा ने इस बात का भी खुलासा भारती सिंह से बातचीत करते हुए किया है कि उन्हें घर के अंदर आवाजें सुनाई देती थीं। एक्ट्रेस का कहना है कि वह सुबह रोजाना उठकर ध्यान लगाती थीं, तो उन्हें महसूस होता था कि जेल के पास कोई खड़ा होकर उनकी आवाज सुन रहा है। एक्ट्रेस का अनुभव सुनकर भारती ने रिएक्शन दिया कि उन्हें इस बारे में पहले भी कई लोग बता चुके हैं।

महाकुंभ में कटरीना का स्नान वीडियो बनाने वाले शख्स पर भड़कीं रवीना टंडन

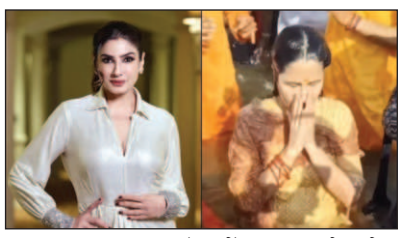

इस साल महाकुंभ में स्नान करने बड़े-बड़े सितारे आए। अक्षय कुमार से लेकर तमन्ना भाटिया और राजकुमार राव समेत कई बॉलीवुड स्टार्स ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। छावा के प्रमोशन में व्यस्त विक्की कौशल को छोड़कर कटरीना कैफ भी अपनी सासू मां के साथ महाकुंभ गईं और संगम में स्नान किया।

कटरीना कैफ के महाकुंभ से तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए। कुछ लोगों ने एक्ट्रेस की सास के साथ महाकुंभ यात्रा की तारीफ की, वहीं एक वीडियो में उन्हें फोटोग्राफर्स और फैंस से घिरा हुआ देखा गया। हाल ही में, सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया जिसमें दो शख्स कटरीना का स्नान करते हुए वीडियो बना रहे हैं। इस वीडियो की खूब आलोचना हो रही है। यहां तक कि, रवीना टंडन भी अपना गुस्सा कंट्रोल नहीं कर पाईं।

दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। क्लिप में देखा जा सकता है कि दो शख्स हंसते हुए कटरीना का स्नान करते हुए वीडियो बना रहे हैं। एक शख्स कह रहा है, यह मैं हूं, ये मेरा भाई है और वहां कटरीना हैं। इस दौरान एक्ट्रेस अपनी सास के साथ संगम में डुबकी लगा रही हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा गया है, दुनिया भर से हर कोई महाकुंभ में शामिल हुआ और बॉलीवुड सितारे भी इससे अलग नहीं थे, प्रशंसा एक बात है, निजता का हनन दूसरी बात, हालांकि 'मामा' (इंस्टाग्राम पेज) उत्साह को समझती हैं लेकिन क्या कभी-कभी उन्हें ऐसा करने देना चाहिए?

इंस्टाग्राम पेज ममराजी द्वारा शेयर किए गए वीडियो को देख कटरीना के फैंस शख्स पर बुरी तरह भड़क गए। रवीना टंडन ने भी कमेंट कर उनकी क्लास लगाई है। एक्ट्रेस ने कमेंट में लिखा, यह वाहियात है। ऐसे लोगों ने उस पल को खराब कर दिया जो पीसफुल और मीनिंगफुल होना चाहिए था।रवीना टंडन के अलावा बाकी फैंस भी शख्स की कटरीना का स्नान वीडियो बनाने पर गुस्सा निकाल रहे हैं। एक यूजर ने कहा, फिर कहते हैं वीआईपी घाट क्यों बनाया है। एक ने कहा, यह दुखद और परेशान करने वाला है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती हैं दिन अच्छा है फैशन डिजाईन मे करियर बना रहे हैं तो आज आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं. आपका कॉन्फिडेंस लेवल हाई रहेगा जिससे जोखिम भरे कामों में सफलता मिल सकती है. पैसों और बिजनेस के मामलों पर ध्यान देना होगा. सामाजिक सम्मान भी बढ़ सकता है. पारिवारिक संबंधों में सुधार के योग बन रहे हैं. आज सेहत के मामले मे खर्चा ज्यादा होगा ध्यान रखने की जरुरत है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज भाग्य प्रबल हैं काम फटाफट बनेंगे और आप कन्स्ट्रक्शन मे कार्यरत हैं सरकारी उच्च अधिकारियों से विशेष सहयोग प्राप्त करेंगे. आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आपका पारिवारिक-जीवन आरामदायक परिवेश से खुश रहेगा और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रियता हासिल करेंगे. रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ आपके संबंध अधिक सौहार्दपूर्ण बनेंगे.स्वास्थ्य एकदम चुस्त रहेगा

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज छात्रों के लिए दिन अच्छा हैं आप को दूसरों की मदद करना चाहिए आप को भी उतना ही लाभ मिलेगा जॉब में प्रगति होगी. जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. रिस्क लें सकते हैं किसी ऐसे इंसान का साथ पाने की कोशिश करें जो आपकी भावनाओं को समझता हो और आप उसकी. खर्चा ज्यादा होगा संतान पक्ष से बेफिक्री रहेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज शिवजी की पूजा करनी चाहिए जिससे आप की नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा. आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे, तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी। ऑफिस में आज समय ज्यादा देना पडेगा जिससे रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है. आज स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रहेगा कुछ हल्का भोजन करना अच्छा रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

छोटी कन्या को खिर का भोजन कराए जिससे आप का रुका हुआ पैसा मिलने के योग बनेंगे किसी से उधार पैसा भी लेना पड़ सकता है. आपकी कोशिशें सफल हो जाएगी. जो आपके लिए बहुत हद तक फायदेमंद हो सकती है. जीवनसाथी सेसहयोग मिलेगा. आज आपकी कोई इच्छा पूरी हो जाएगी. घर मे वैवाहिक प्रसंग का माहौल रहेगा नयी रिश्तेदारी बन सकती हैं मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला झुला रहेगा कुछ काम भी बनेंगे कही पर काम अटकेगा भी परन्तु चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं कठिन समय के बाद आखिरकार आप अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ आराम कर सकते हैं. आप अपनी कड़ी मेहनत और श्रम के लिए इनाम की उम्मीद कर सकते हैं. आपको अपनी नौकरी में पदोन्नति मिलेगी. बेहतर होगा, प्रेम संबंधों को सार्वजनिक करने से बचना होगा आज ठंडी चिजों से परहेज करें गर्म भोजन गर्म तरल पदार्थ ही लें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि गले सम्बंधित तकलीफ बन सकती हैं

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज समय पर सभी काम हो जाएंगे जिससे आप की खुशी का ठिकाना नही रहेगा जिससे परिवार में भी उत्सव का वातावरण छाया रहेगा, जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा. छात्रों को नये कोर्स मे सफलता बनती हुई दिख रही हैं कला से जुड़े लोगों को तरक्की मिलेगी. किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा. किसी बड़े समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा.आप को काम से फुर्सत मिलते ही धार्मिक यात्रा करनी चाहिए

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका दिन अच्छा रहेगा. आज आप रुठे हुए लोगों और बिगड़े हुए रिश्तों को मनाने की कोशिश करेंगे, हो सकता है कि रुठे हुए लोग मान भी जाएं. आज प्रतियोगी अपने करियर के लिए अपने सीनियर्स से परामर्श ले सकते हैं, साथ ही कुछ नए कोर्स की जानकारी भी लेते रहें .आज अविवाहित लोगों के लिए ,कोई रिश्ता आ सकता है. हो सकता है कि शादी फिक्स भी हो जाएं. इससे आपके रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेगी. आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अगर कुछ नया करना चाह रहें तो तकनीकी क्षेत्र मे भाग्य आजमाएं सफलता मिलेगी अगर नौकरी में हैं तो पदोन्नति की संभावना बन रही है. खुद का कोई बिजनेस है तो उस पर पूरा ध्यान रहेगा. बिजनेस और कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी. फालतू भाग-दौड़ खत्म हो सकती है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. घर और ऑफिस, दोनों जगह का माहौल आपके लिए खुशनुमा रहेगा.दिन भर की भागम-दौड के बाद शाम के समय थकान हो सकती हैं

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के पक्ष से आप बेफिक्र रहेंगे बच्चे अपने करियर के लिए अच्छी प्लानिंग करते हुए आगे बढेंगे आप को पारिवारिक सम्बन्ध मे मुश्किलें दिखाई दे रही हैं तो अपने वरिष्ठों से सहायता और मार्गदर्शन लेना चाहिए आप अपने कार्य स्थल पर प्रशंसा के पात्र रहेंगें, जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. अगर किसी को प्रपोज़ करने की योजना है तो ऐसा करने के लिए यह एक आदर्श समय नहीं है.परिवार मे स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी आप को टेंशन दे सकती हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यापार के हिसाब से दिन लाभकारी हैं धन की तकलीफ दूर होगी कर्ज लेने की जरुरत नही पडेगी रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है. आज विवाहित पारिवारिक समस्याओं को जीवनसाथी से साझा करें तो हल जरूर निकलेगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेगा. सेहत अच्छी रहेगी. संतान का सुख मिलगा. अगर आप नौकरी के लिए आवेदन या किसी छात्रवृत्ती के कागजों पर काम कर रहे हैं तो पूरी तरह से सतर्क रहें. सुबह योग करें प्राणायाम करें शाम को तरल और गर्म भोजन करें स्वास्थ्य रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज हनुमानजी को चूरमे का भोग लगाए कपूर आरती करें दिनजनो को मिष्ठान वितरित करें आपका दिन खुशियों से भरा होगा. काम-धंधे में आज आपका मन लगेगा. अगर आज किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है. किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं, तो बेहतर होगा कि पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें. लेकिन अपनों के सहयोग से आपकी परेशानी दूर हो जाएगी.शाम के वक्त बच्चों को साथ घूमने जा सकते हैं

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 04 मार्च 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी दोपहर 03:19 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 02:38 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 02:06 तक
करण : बालव दोपहर 03:19 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:32 , सूर्यास्त 06:23 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पूर्वाभाद्रपदा में रवि सायं 06:40 से , याज्ञवल्क्य जयंती

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

1600 मेगावाट की थर्मल और 1500 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं होंगी स्थापित : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने प्रदेश में सुदृढ़ प्रसारण तंत्र एवं थर्मल और अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इन दूरगामी निर्णयों से राजस्थान जल्द ही देश में ङ्गऊर्जादाताफ की भूमिका में उभरेगा। उन्होंने कहा कि राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) तथा केन्द्र सरकार और तेलंगाना सरकार के उपक्रम सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के बीच संपादित हुआ एमओयू प्रदेश में बिजली उत्पादन एवं आपूर्ति की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड एंव राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के मध्य आयोजित समझौता

ज्ञापन हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही राजस्थान सौर ऊर्जा में अपार संभावनाओं वाले राज्य के रूप में उभर रहा है। जल्द ही राजस्थान ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के किसानों को 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में नीतिगत निर्णय लेते हुए उनका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित भी कर रही है।

शर्मा ने कहा कि एमओयू के तहत 1600 मेगावाट क्षमता की थर्मल आधारित परियोजनाएं तेलंगाना में स्थापित होंगी। इसमें से 800-800 मेगावाट बिजली तेलंगाना एवं राजस्थान दोनों राज्यों को मिलेगी। इसके अतिरिक्त राजस्थान में 1500 मेगावाट का सोलर पार्क स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए आरवीयूएनएल ने भूमि भी चिन्हित कर ली है। इस पार्क में लगभग 6 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इन सभी परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 22 हजार करोड़ रुपये है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 में राजस्थान द्वारा 2030 तक 125 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हमने परंपरागत एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से 54 हजार मेगावाट से अधिक विद्युत क्षमता के लक्ष्य को वर्ष 2031-32 तक प्राप्त करने की दिशा में दूरगामी निर्णय लिए हैं। राज्य सरकार ने केंद्रीय उपक्रमों के साथ 10 मार्च, 2024 को तथा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्-वेस्टमेंट समिट के दौरान कुल 2 लाख 28 हजार 800 करोड़ रुपये के निवेश समझौते किए। साथ ही, पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन तथा आरवीयूएनएल के मध्य 10 हजार करोड़ का निवेश एमओयू भी किया गया है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि संबंधित पीएसयू, विभाग एवं एजेंसियां इन परियोजनाओं को जल्द पूरा कर प्रदेश और देश की बिजली जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राजस्थान की अपार सौर ऊर्जा एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित कर रही है। तेलंगाना की थर्मल ऊर्जा उत्पादन में दक्षता एवं राजस्थान की असीमित सौर क्षमता के लिए संपादित हुआ यह एमओयू ऊर्जा क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखेगा। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि ऊर्जा विभाग तेलंगाना सरकार के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए इन परियोजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगी।

खान विभाग की कार्रवाई : अवैध बजरी परिवहन करते बिना नंबर के 2 डंपर और 1 ट्रेलर जब्त किए

एक सप्ताह में 3 जेसीबी, 1 कंप्रेसर, डंपर ट्रेलर, ट्रॉली सहित 28 वाहन जब्त

जयपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)। माइंस विभाग की जयपुर ने सोमवार तड़के जयपुर के आसलपुर में कार्रवाई करते हुए दो बिना नंबर के डंपर, एक ट्रेलर सहित 3 वाहनों को बजरी का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया है। खान विभाग जयपुर ने अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत एवं अधीक्षण खनि अभियंता सतर्कता प्रताप मीणा के निर्देशन में एमई जयपुर श्याम कापड़ी की टीम ने एक सप्ताह में 28 वाहन जब्ती की कार्रवाई करते हुए संबंधित पुलिस थानों के सुपुर्द किया है।एमई जयपुर श्याम कापड़ी ने बताया कि खनि कार्यदेशक विश्राम मीणा, सोनू अवस्थी एवं सुधीर कुमार मय बॉर्डर होमगार्ड की टीम द्वारा 3 मार्च को अल सुबह बजरी के अवैध परिवहन करते 2 बिना नंबरी डंपर एवं 1 ट्रेलर आरजे 47 जीबी 2238 को आसलपुर रेलवे फाटक के पास पकड़कर पुलिस थाना जोबनेर सुपुर्दगी में दिये गये । कार्रवाई के दौरान खान विभाग द्वारा तीनों वाहनों पर लगभग 15 लाख से भी अधिक राशि का जुर्माना आरोपित किया गया। इसके अलावा दो डंपरों के बिना नंबर के होने के कारण अग्रिम कार्रवाई हेतु संबंधित परिवहन विभाग कार्यालय को भी सूचित किय गया है।

खनि अभियंता श्याम कापडी ने बताया कि अवैध खनन/निर्गमन के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस अपनाते हुए पिछले सप्ताह में निकट ग्राम दांतली, सांगानेर में खनिज मैसनरी स्टोन का अवैध खनन करते हुए पाये जाने पर 03 जेसीबी मशीन, 02 डम्पर, 03 ट्रेक्टर ट्रॉली, 01 कम्प्रेसर मशीन और 01 डम्पर खनिज बजरी का अवैध परिवहन करते हुए पाये जाने पर पुलिस थाना शिवदासपुरा की सुपुर्दगी में दिया गया। अवैध खनिज निर्गमन करते हुए पाये जाने पर 4 डम्पर, 02 ट्रेक्टर ट्रॉली को पुलिस थाना फागी में, 4 ट्रेक्टर ट्रॉली पुलिस थाना सांगानेर सदर में, 01 डम्पर पुलिस थाना माधोर-ाजपुरा, 01 डम्पर पुलिस थाना रेनवाल मांझी, 3 डम्पर पुलिस थाना जोबनर की सुपुदगी में दिया गया। इस प्रकार कुल 18 प्रकरणों मे जब्त 03 जेसीबी मशीन, 01 कम्प्रेसर मशीन, 12 डम्पर, 9 ट्रेक्टर ट्रॉली से राशि रू. 48 लाख की वसूली की कार्यवाही की जा रही है।

बिजयनगर रेप-ब्लैकमेल कांड

आरोपी पूर्व पार्षद पर वकीलों ने किया हमला, कोर्ट ने 11 मार्च तक भेजा जेल

अजमेर, 03 मार्च (एजेंसियां)। ब्यावर के बिजयनगर में नाबालिग लड़कियों के साथ रेप और ब्लैकमेलिंग के मामले में गिरफ्तार पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी पर अजमेर पॉक्सो कोर्ट में पेशी के दौरान वकीलों ने हमला कर दिया। कोर्ट ने आरोपी को 11 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है।इस मामले में पुलिस अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें 9 आरोपी जेल में हैं और 3 नाबालिग बाल सुधार गृह में हैं। पुलिस ने पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया था, जिसकी अवधि पूरी होने पर उसे आज अजमेर पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया। पेशी के दौरान वकीलों ने आरोपी पर हमला कर दिया, हालांकि पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए उसे सुरक्षित बाहर निकाला।

सरकारी वकील रूपेंद्र परिहार ने बताया कि जांच में सामने आया है कि पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी अन्य आरोपियों का सहयोगी था। वह बच्चियों का रास्ता रोकने और उन्हें होटल एवं कैफे में जाने के लिए मजबूर करने में शामिल था। पुलिस ने उसकी संपत्ति और बैंक अकाउंट से संबंधित जानकारी भी कोर्ट में पेश की, जिसके बाद कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।बिजयनगर थाना पुलिस ने इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सोहेल, रेहान, श्रवण जाट, करीम, आशिक, लुकमान, अफराज, पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी, जावेद और कैफे संचालक सांवरमल शामिल हैं।

इस घटना के बाद से क्षेत्र में आक्रोश है और कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा सहित कई शहरों में बाजार बंद किए गए और आरोपियों को फांसी देने की मांग उठाई गई। अजमेर के श्रीनगर कस्बे में भी आज बंद रहा, जबकि नगोला कस्बे में कल बंद का आह्वान किया गया है।15 फरवरी को एक नाबालिग ने बिजयनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद एक अन्य नाबालिग ने भी मामला दर्ज कराया। इसके बाद तीन अन्य लड़कियों के परिजनों ने भी शिकायत दी।

आगामी बजट में प्रमुख सुझावों को शामिल कर और तीव्र गति से सुनिश्चित किया जाएगा हरियाणा का विकास : नायब सिंह

चंडीगढ़, 03 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार द्वारा सभी हितधारकों के साथ बजट पूर्व परामर्श की शुरू की गई पहल को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज सभी कैबिनेट एवं राज्य मंत्री, विधायकों एवं प्रशासनिक सचिवों से चर्चा कर एक समावेशी बजट की परिकल्पना को साकार करने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के बजट पर उनके सुझाव लिए।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आज पंचकूला के रेड बिशप में दो दिवसीय बजट पूर्व परामर्श का पहला सत्र आरंभ हुआ।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार द्वारा गत 6 वर्षों से बजट पूर्व परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष भी पिछले कई दिनों से लगातार सेक्टरवाइज बैठकें आयोजित कर सभी हितधारकों से सुझाव लिए जा चुके हैं। सर्वप्रथम 2 जनवरी को गुरुग्राम में इंडस्ट्री एसोसिएशन और चार्टेड अकाउंटैंट्स के साथ बैठक कर उनके महत्वपूर्ण सुझाव लिए गए।

इसी प्रकार, हिसार में कृषि वैज्ञानिकों, एफपीओ और कृषि से संबंधित लोगों एवं प्रगतिशील किसानों से बातचीत कर बजट पर सुझाव लिए गए । तत्पश्चात, स्टार्टअप से चर्चा की, युवाओं से बजट पूर्व परामर्श कर सुझाव लिए, महिला उद्यमियों, महिला प्रतिनिधि, सेल्फ हेल्प ग्रुप, नमो ड्रोन दीदी, टेक्सटाइल इंडस्ट्री आदि से चर्चा कर समावेशी बजट बनाने के लिए सुझाव और चर्चा की गई। इसके अलावा पहली बार ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी प्रदेश के प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं अब तक पोर्टल पर लगभग 10,000 सुझाव प्राप्त हुए हैं ।

नायब सिंह सैनी, जिनके पास वित्त मंत्रालय का प्रभार भी है, ने कहा कि एक समावेशी बजट की परिकल्पना को साकार करने के लिए इस बजट पूर्व परामर्श कार्यक्रम में आज 3 मार्च को पहले दिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने भी अपने सुझाव रखे। मुख्यमंत्री ने कहा की इन महत्वपूर्ण सुझावों को आने वाले बजट में शामिल कर लोगों के जीवन को और सरल करने का काम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न वर्गों से प्राप्त बेहतरीन सुझावों को आने वाले प्रदेश के बजट में समाहित कर प्रदेश के 2.80 करोड़ लोगों के हित का बजट प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल का यह पहला बजट होगा जोकि प्रदेश के नॉन स्टॉप विकास को और गति प्रदान करेगा।

नायब सिंह सैनी ने सभी विधायकों द्वारा साझा किए गए सुझावों को ध्यान से सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि आगामी बजट में प्रमुख सुझावों को शामिल कर और तीव्र गति से प्रदेश का विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बजट न केवल तत्काल जरूरतों को संबोधित करेगा बल्कि दीर्घकालिक उद्देश्यों को प्राप्त करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण कुमार मिड्ढा, सभी मंत्रीगण, विधायकगण, मुख्य सचिव अन-ुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर सहित प्रदेश सरकार के तमाम वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट पूर्व परामर्श में हिस्सा लेने के लिए बाक़ायदा सभी विधायकों को स्वयं पत्र लिखा था।कल 4 मार्च को बजट पूर्व परामर्श के दूसरे दिन सुबह 9.30 बजे से आरंभ होकर दोपहर बाद एक बजे तक दो सत्र होंगे जिनमें विधायक अपने - अपने सुझाव देंगे।

शासन सचिव ने ली बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक

घोषणाओं तय समयावधि में पूरा करने के दिये निर्देश

जयपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के शासन सचिव राजन विशाल ने विभागीय अधिकारियों को बजट घोषणाओं के समयबद्ध एवं बेहतर क्रियान्वयन के लिए त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं।

शासन सचिव ने सोमवार को पंत कृषि भवन में विभागीय अधिकारियों की बैठक में बजट 2025-26 की घोषणाओं के अनुसार और आवश्यकता के अनुरूप सभी योजनाओं को तय समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिये।

उन्होंने वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं से सम्बन्धित मुद्दों एवं बजट में शामिल कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में आ रही परेशानियों को तत्काल दूर कर प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करें, योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर ज्यादा से ज्यादा कृषकों को लाभ पहुंचाया जाये।

बैठक में फार्म पौण्ड, डिग्गी, सिंचाई पाईप लाईन, कृषि यंत्र, तारबंदी, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, वर्मी कम्पोस्ट इकाई, सोलर, ड्रिप एवं स्प्रिंक्लर, बीज मिनिकिट वितरण, मधुमक्खी पालन, पॉली हाऊस, शेडनेट हाऊस, प्याज भण्ड़ार गृहों सहित अन्य योजनाओं पर विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।बैठक में आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस. शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) एच.एस. मीणा, अतिरिक्त निदेशक उद्यान अतर सिंह मीणा सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बीजेपी सरकार कोरी बयानबाजी छोड़कर किसानों को नुकसान की भरपाई करे : हुड्डा

चंडीगढ़, 03 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश में लगातार तीन दिन हुई बारिश और ओलावृष्टि के चलते 12 जिलों में गेहूं और सरसों की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

गेहूं की खड़ी फसल खेतों में पूरी तरह बिछ गई है। वहीं सरसों के दाने भी झड़ गए हैं। इसके अलावा पशु चारा, सब्जियां व प्याज जैसी कई फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है। इसलिए सरकार को कोरी बयानबाजी छोड़कर तुरंत किसानों को हुए नुकसान की गिरदावरी करवानी चाहिए और उन्हें उचित मुआवजा देना चाहिए।

जनवरी में भी ओलावृष्टि के चलते फसलों को भारी नुकसान हुआ था। उस समय कांग्रेस द्वारा मांग उठाए जाने के बाद सरकार ने गिरदावरी का ऐलान तो किया। लेकिन ना सरकार ने गिरदावरी

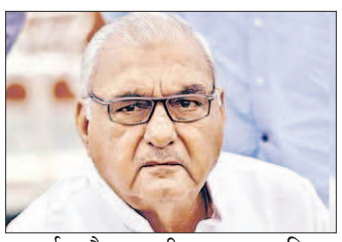

करवाई और ना ही मुआवजा दिया। 1763 गांव के 5299 किसानों ने खराब हुई 2.6 लाख एकड़ फसलों का ब्यौरा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर डाला था। लेकिन अब तक सरकार ने 2.03 लाख एकड़ फसल का वेरिफिकेशन तक नहीं करवाया। इसी तरह हरेक सीजन में किसानों को किसी न किसी तरह की आपदा झेलनी पड़ रही है और सरकार सिर्फ मीडिया में हवाहवाई बयान बाजी करके अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है।हुड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना भी सिर्फ कंपनियों के लिए मुनाफा कूटने का जरिए बन गई है। खुद केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि बीमा दावों के भुगतान में 90% की भारी गिरावट आई है। योजना के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में जहां किसानों को 2,496.89 करोड़ का भुगतान हुआ, वहीं 2023-24 में यह गिरकर सिर्फ 224.43 करोड़ रह गया। यानी भुगतान में जो 90% से अधिक की बड़ी गिरावट आई है।

बीडीओ से दुर्व्यवहार और सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप, प्रखंड प्रमुख पति गिरफ्तार

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा जिले के सौर बाजार प्रखंड में प्रखंड प्रमुख के पति नूर आलम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) नेहा कुमारी के साथ दुर्व्यवहार करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप है। थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक अजय कुमार ने बताया कि नूर आलम को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

बीडीओ नेहा कुमारी ने सौर बाजार थाना में चार नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, घटना राज्यपाल के मधेपुरा भ्रमण कार्यक्रम के दौरान 8:45 बजे बैजनाथपुर चौक पर हुई, जहां बीडीओ विधि-व्यवस्था संधारण के लिए प्रतिनियुक्त थीं। इसी बीच, उनके कार्यालय के आवास सहायक ने सूचना दी कि अभिषेक आनंद नामक व्यक्ति कुछ असामाजिक तत्वों के साथ प्रखंड कार्यालय पहुंचा और खुद को प्रखंड प्रमुख पति नूर आलम का समर्थक बताते हुए आवास कर्मियों पर दबाव बनाने लगा।

दोपहर में बीडीओ जब प्रखंड कार्यालय पहुंचीं तो वहां पहले से ही कुछ असामाजिक तत्व मौजूद थे।

आरोप है कि अभिनंदन कुमार उर्फ अभिषेक आनंद, सुमंत राव उर्फ बबलू सम्राट और ललन कुमार सहित अन्य लोगों ने निर्वाचन कार्यालय में घुसकर अनुशासनहीनता फैलाई और सरकारी कार्य में बाधा डाली। बीडीओ ने आरोप लगाया कि इन लोगों ने महिला स्मिता पर हमला किया और बिना अनुमति वीडियो बनाना शुरू कर दिया। जब बीडीओ ने वीडियो बनाने से रोका, तो आरोपियों ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया, हाथापाई की और उन्हें बंधक बना लिया।

बीडीओ ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि नूर आलम अक्सर प्रखंड कार्यालय आकर गैरकानूनी कार्य करने का दबाव बनाते थे। जब इसका विरोध किया जाता, तो वे अपने समर्थकों के साथ धमकी देते थे। बीडीओ का कहना है कि नूर आलम ने कई बार कहा कि 'मैं प्रखंड प्रमुख का पति हूं, मेरे मनमुताबिक काम करना होगा, वरना तुम्हें कार्यालय में ही बंधक बना दूंगा।'

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और बीडीओ को सुरक्षित उनके प्रतिनियुक्त स्थल पर भेजा। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नूर आलम को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

राज्यपाल आरिफ खान ने कहा

मैं जीवन भर विद्यार्थी बना रहना चाहता हूं, ताकि हमेशा कुछ सीखने को मिले

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को कहा कि वह हमेशा विद्यार्थी के रूप में रहना चाहते हैं ताकि हमेशा जीवन में सीखने को मिले। जब तक लोग विद्यार्थी बने रहते हैं। वह हमेशा या सीखते रहते हैं। उन्होंने पैरामेडिकल स्टाफ, नर्स आदि छात्र बने रहने का आह्वान किया ताकि आप अपने क्षेत्र में हमेशा नया सीख कर लोगों की सेवा कर सकेंगे।

दरअसल, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान सोमवार को समस्तीपुर के सिंघिया खुर्द स्थित एस के मंडल ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के 10 में स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने इंस्टीट्यूशन के विभिन्न कॉलेजों से पास आउट नर्स के अलावा फिजियोथैरेपिस्ट ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट, डीएमएलडी असिस्टेंट कंपाउंडर, ओटी असिस्टेंट और फार्मासिस्ट आदि लोगों को उनके कार्य के अनुसार शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि आप जिस संस्थान में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, शिक्षा ग्रहण करने के बाद आपके विचार और व्यवहार दोनों बदलना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो आपके इस शिक्षा का कोई मतलब नहीं रह जाता है।

अपने कार्य के प्रति आप समर्पित रहेंगे, तभी आप अपने कार्य को सही रूप से कर सकेंगे और लोगों की वास्तविक सेवा हो सकेंगे। कस्टम के दौरान उन्होंने संस्कृत के कई और श्लोक को बात कर छात्रों को अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित होने की बात भी कहीं।

शादी से लौट रहे दो दोस्तों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा कोहराम

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना सुल्तानगंज-देवघर मुख्य मार्ग पर नवगाई गांव के पास हुई, जब तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम छा गया है। हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान शंकर कुमार (19) पुत्र नंदकिशोर शर्मा और दीपक कुमार (18) पुत्र विपिन साह के रूप में हुई है। दोनों जनकपुर गांव, मिस्त्री टोला के निवासी थे और गहरे दोस्त थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शंकर और दीपक बांका जिले के बेलहर थाना क्षेत्र स्थित बदला गांव में अपनी बहन के घर शादी समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात वे अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे नवगाई गांव के पास पहुंचे, तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत संग्रामपुर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर सदर अस्पताल भेज दिया।

इस हादसे के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। शंकर कुमार अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था, जबकि दीपक भी अपने परिवार का सहारा था। उनकी असमय मृत्यु से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषी वाहन चालक की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन प्रशासन ठोस कदम नहीं उठा रहा है। उन्होंने स्पीड ब्रेकर लगाने और यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

संग्रामपुर थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दोषी चालक की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

पूर्व पार्षद की दबंगई! घर में घुसकर तोड़ फोड़ की, महिलाओं और बच्चों को पीटा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में एक पूर्व पार्षद की दबंगई देखने को मिली, जब उसने अपने समर्थकों के साथ मिलकर एक आभूषण व्यवसायी के घर पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया। घटना नगर थाना क्षेत्र के नई बाजार की है, जहां पूर्व वार्ड पार्षद सह वर्तमान पार्षद के पति विजय कुमार झा पर आरोप है कि उन्होंने घर का मेन गेट तोड़कर जबरदस्ती प्रवेश किया। फिर घर में तोड़फोड़ की और वहां मौजूद महिलाओं और बच्चों को मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया।

पीड़ित परिवार ने बताया कि हमलावरों की संख्या दस से ज्यादा थी, जो अचानक घर में घुस आए और मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित महिला ऋचा के अनुसार, हमलावरों ने महिलाओं को घर से बाहर घसीटकर सड़क पर फेंक दिया और उनके साथ बदसलूकी की। बच्चों को भी नहीं बख्शा गया, उन्हें धक्का देकर गिरा दिया गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

शोरगुल सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूर्व पार्षद विजय कुमार झा और उनके एक समर्थक को हिरासत में लिया। फिलहाल पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

पीड़िता ऋचा ने बताया कि यह मामला पहले से ही कोर्ट में लंबित है, लेकिन बावजूद इसके पूर्व पार्षद विजय कुमार झा अपनी दबंगई दिखाते हुए जबरदस्ती घर खाली करवाने पहुंचे। पहले भी वे धमकी दे चुके थे, लेकिन आज उन्होंने अपने समर्थकों के साथ आकर हमला बोल दिया।

गौरतलब है कि पूर्व पार्षद विजय कुमार झा पहले भी आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है। पुलिस ने उसे आर्म्स एक्ट और शराब कांड में पहले गिरफ्तार किया था और वह हाल ही में जमानत पर बाहर आया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि जेल से छूटने के बाद उसने फिर से अपनी पुरानी दबंगई शुरू कर दी है।

यह विवाद एक जमीन के स्वामित्व को लेकर है। पूर्व पार्षद विजय कुमार झा का दावा है कि उन्होंने उक्त जमीन की रजिस्ट्री और म्यूटेशन करवा लिया है, लेकिन पीड़ित परिवार ने भी इसे शक्ति कुमार नामक व्यक्ति को बेच दिया था। इसी विवाद को लेकर पूर्व पार्षद ने जबरन कब्जा लेने की कोशिश की, जो हिंसा में बदल गई।

नगर थाना के एसएचओ शरत कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जमीन विवाद में पैसे लेने और दूसरों को बेचने की बात सामने आ रही है, जिसकी हर पहलू से जांच की जाएगी।

कोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं मिली घर में एंट्री

13 साल बाद यूपी पुलिस के साथ पहुंची पीड़िता

सीवान (एजेंसियां)।

पति से अलग रहने के 13 साल बाद कोर्ट के आदेश पर यूपी पुलिस के साथ ससुराल पहुंची महिला को घर में एंट्री नहीं मिली। पति द्वारा दूसरी शादी कर लेने की बात सामने आई, जिससे मामला और उलझ गया। घटना जिले के मैरवा थाना क्षेत्र के लंगड़पूरा गांव की है, जहां यूपी पुलिस के साथ पहुंची पीड़िता को ससुराल वालों ने घर में घुसने से रोक दिया।

लंगड़पूरा निवासी कृष्ण नंदन मिश्र, जो मैरवा के एक बड़े व्यापारी हैं, ने वर्ष 2012 में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की थी। पीड़िता के अनुसार, शादी में दहेज के रूप में 20 लाख रुपये दिए गए थे। कुछ ही महीनों बाद ससुराल पक्ष द्वारा उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। इसी बीच उसने एक बच्ची को जन्म दिया। मामला इतना बढ़ गया कि उसे चार माह की बच्ची के साथ मायके जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

बाद में मामला देवरिया जिले के फैमिली कोर्ट पहुंचा, जहां कोर्ट ने पीड़िता के हक में फैसला सुनाते हुए आदेश दिया कि पति उसे गृहस्थी वाले घर में सुविधा के साथ रखेगा। लेकिन जब 13 साल बाद यूपी पुलिस के साथ महिला ससुराल पहुंची, तो वहां हंगामा हो गया। जैसे ही पुलिस के साथ पीड़िता घर पहुंची, ससुराल वालों ने उसे अंदर जाने से रोक दिया। पीड़िता के भसुर (पति के बड़े भाई) ने कहा कि मामला उनके छोटे भाई से जुड़ा है और यह घर उनका है। उन्होंने दावा किया कि पीड़िता के पति को उनके गांव में अलग से संपत्ति का हिस्सा दे दिया गया है। इस बयान के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई और वापस लौट गई।

पीड़िता ने बताया कि वह केस संख्या 4262/18 के तहत कोर्ट के आदेश पर इश्तेहार चस्पा करवाने आई थी। उसे सूचना मिली थी कि उसका पति दूसरी शादी कर चुका है। उसने कहा, 'मेरी एक बच्ची है। मेरे पिता हेडमास्टर थे और शादी में 20 लाख रुपये दहेज दिए गए थे। अब मैं मायके लौट रही हूं।'

मैरवा थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि यूपी पुलिस के साथ कोर्ट के आदेश पर वे मौके पर पहुंचे थे। वहां घर के मालिक (पीड़िता के भसुर) ने बताया कि पीड़िता के पति को गांव में अलग से संपत्ति दी गई है, इसलिए वह इस घर में नहीं रहते। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यूपी पुलिस को हर संभव सहयोग दिया गया है।

कॉलेज जा रही छात्रा से दरिंदगी, मौत

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा के सिमरी थाना क्षेत्र में एक छात्रा के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। घटना के बाद छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पृथ्वी राज को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, छात्रा कॉलेज जा रही थी जब आरोपी ने उसका अपहरण कर लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में छात्रा की हालत गंभीर होने पर आरोपी ने उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पृथ्वी राज को गिरफ्तार कर लिया है। मामले को लेकर मृतका की मां ने सिमरी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। फिलहाल सिमरी थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब निजी क्लिनिक में इलाज के दौरान छात्रा की मौत के बाद युवक भागने का प्रयास कर रहा था। इस दौरान अस्पताल के कर्मचारियों ने उसे पकड़कर सिमरी थाना की पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपित की पहचान जलवार पंचायत के कमरौली निवासी राजू पासवान के पुत्र पृथ्वी राज के रूप में हुई है।

बताया जाता है लड़की रविवार सुबह कॉलेज जाने के लिए घर से निकली थी। इस बीच आरोपी युवक ने उसे बहला फुसलाकर साथ ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने के दौरान जब उसकी हालत गम्भीर हो गई तो उसने इलाज के लिए दिल्ली मोड़ स्थित निजी नर्सिंग होम में भर्ती करवाया गया है। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। सिमरी थानाध्यक्ष ने बताया कि दिल्ली मोड़ स्थित अस्पताल से फोन करके घटना की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंचकर आरोपी पृथ्वी राज को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी के खिलाफ मृतका की मां ने प्राथमिकी दर्ज कराया है। उन्होंने लिखित शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपी पृथ्वीराज ने मेरी बेटी को नशीला पदार्थ खिलाकर उसका रेप किया। इतना ही नहीं किसी को शक न हो, इस कारण पृथ्वीराज ने मेरी बेटी को अस्पताल लाया लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद पृथ्वीराज भागने की कोशिश कर रहा था लेकिन पकड़ा गया। पुलिस आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए। इसे परिवार वाले दबंग लोग हैं।

सिंहेश्वर महोत्सव में दिखेगा संगीत और संस्कृति का संगम

गायिका कल्पना पटवारी देंगी प्रस्तुति

मधेपुरा (एजेंसियां)।

मधेपुरा में सिंहेश्वर महोत्सव-2025 इस साल 6 से 8 मार्च तक भव्य रूप में आयोजित होगा। तीन दिवसीय इस महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक कला प्रदर्शन और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह महोत्सव का उद्घाटन करेंगे।

मुख्य अतिथि के रूप में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार मौजूद रहेंगे। जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, बिहार सरकार के अन्य मंत्री, विधायक और गणमान्य हस्तियां भी इस आयोजन की शोभा बढ़ाएंगी।

महोत्सव का शुभारंभ 6 मार्च को शाम 4:30 बजे भव्य उद्घाटन समारोह से होगा। इसके बाद सारेगामापा विनर इशिता विश्वकर्मा भक्ति और बॉलीवुड गीतों की प्रस्तुति देंगी। 7 मार्च को जय झा मैथिली और भक्ति संगीत पेश करेंगे। 8 मार्च को सुप्रसिद्ध गायिका कल्पना पटवारी भोजपुरी, मैथिली और भक्ति गीतों से समा बांधेंगी। तीनों दिन स्थानीय और क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा लोक नृत्य, नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी।

सिंहेश्वर महोत्सव धार्मिक आस्था का केंद्र होने के साथ बिहार के पर्यटन और लोक संस्कृति को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच भी है। हर साल लाखों श्रद्धालु बाबा सिंहेश्वर नाथ के दर्शन के लिए यहां आते हैं। इस बार आयोजन को और भव्य बनाने के लिए पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन ने विशेष तैयारियां की हैं। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए सुरक्षा, परिवहन, स्वच्छता और चिकित्सा सेवाओं की व्यापक व्यवस्था की गई है। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा। प्रशासन हर आवश्यक सुविधा सुनिश्चित करेगा। इसके लिए पर्यटन विभाग की ओर से 30 लाख रुपए प्राप्त हुआ है। बिहार सरकार, पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन द्वारा आयोजित यह महोत्सव राज्य के धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com